फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12 प्रतिशत बढ़ सकती है कीमत - 12

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट - 12

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ, संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा-13

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत - 14

आज का मौसम
23.0° अधिकतम तापमान
14.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.13
सूर्यास्त 06.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी 06:38 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 23 मार्च 2026, वर्ष 6, अंक 26, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

पश्चिम एशिया : चौथे सप्ताह की शुरुआत में खतरनाक हमलों के साथ युद्ध ने किया नए चरण में प्रवेश

मिसाइलों से दहले इजराइल-ईरान

अमेरिका ने अल्टीमेटम के 48 घंटे पूरे होने से पहले ही तेहरान पर किए हमले, टॉप लीडर्स को मौत के घाट उतारने का दावा | ईरान ने इजराइल के दो बड़े शहरों पर किए हमले, 300 लोग घायल इजराइली परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास गिरी मिसाइल

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। ये हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इसी धमकी के बीच अमेरिका ने ईरान के कई महत्वपूर्ण लोगों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए हैं।

अमेरिका ने दावा किया है कि इन हमलों में उसने ईरान के कई टॉप लीडर्स का सफाया कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडिया साझा करते हुए अमेरिका मिलिट्री नाम के अकाउंट से दावा किया गया है कि इन हमलों में ईरान के टॉप लीडर्स को मौत के घाट उताया गया। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि युद्ध अपने चौथे सप्ताह की शुरुआत में एक खतरनाक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश में दबाव का सामना कर रहे ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने घर से सोशल मीडिया पर यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को 48 घंटे में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलना होगा, अन्यथा अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं।

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अराद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने के खतरे में हैं। कम से कम 64 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डिमोना, परमाणु अनुसंधान केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर पश्चिम में है, जबकि अराद उससे करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। माना जाता है कि इजराइल पश्चिम एशिया का एकमात्र देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं, हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया।

डिमोना में ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित स्थल का सर्वेक्षण करते इजराइली सुरक्षा बल।

ईरान बोला- अमेरिकी धमकियों का जवाब मैदान में देंगे

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों के बाद ईरान ने सैन्य जवाब देने की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि देश के खिलाफ दी जा रही धमकियां और हमले ईरान को और ज्यादा एकजुट कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम इन बेतुकी धमकियों का मैदान में डटकर सामना करेंगे। पजशकियान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी साफ किया कि यह सभी के लिए खुला है, लेकिन जो ईरान की जमीन का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पूर्व ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज पूरी तरह नहीं खोला, तो पावर प्लांट्स को निशाना बनाएंगे।

जंग में ब्रिटेन भी कूदा, अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, यूएस को सौंपे मिलिट्री बेस

लंदन। ब्रिटेन की परमाणु-संचालित पनडुब्बी अरब सागर पहुंच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करने के संकेत दिए हैं। एचएमएस एंसन नाम की यह पनडुब्बी 6 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से रवाना हुई थी और अब माना जा रहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट उत्तरी अरब सागर में अपनी तैनाती ले ली है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक-4 लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश हैवीवेट टॉरपीडो भी लगे हुए हैं। मध्य-पूर्व क्षेत्र में इस पनडुब्बी की तैनाती ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

अमेरिका-इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।

मोदी ने की हाईलेवल बैठक ईंधन-ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति की ली जानकारी

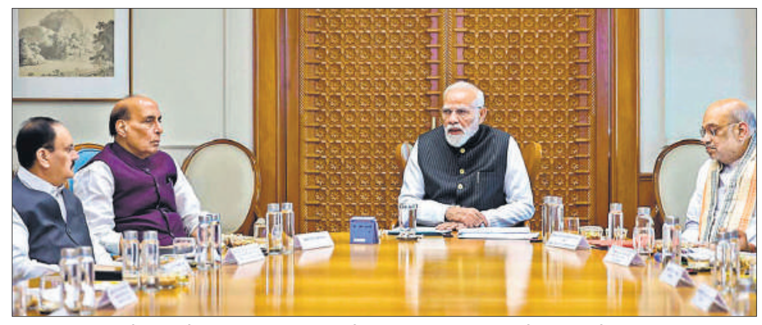

पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर समीक्षा बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण उपजी परेशानी से निपटने पर मंथन, शाह-नड्डा पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।

होर्मुज बंद से मंडराया संकट

ईरान ने होर्मुज को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और इसके जरिये दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा की ढुलाई होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान ने बहुत कम पोतों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। इसके कारण भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

ब्रीफ न्यूज

मिलावटी दूध : मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हुई

राजमहेंद्रवरम। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में संदिग्ध रूप से मिलावटी दूध पीने के कारण मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है, जबकि तीन लोगों का राजमहेंद्रवरम के अस्पतालों में इलाज जारी है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, इस मामले का पता सबसे पहले 22 फरवरी को चला था जब कई बुजुर्ग व्यक्तियों को पेशाब न आना, उल्टी, पेट दर्द और अन्य दिक्कतों के कारण अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 54 वर्षीय बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वहीं बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर के रूप में हुई है। परिवार के एक सदस्य ने बताया कि उत्पल ठाकुर को शनिवार रात करीब साढ़े 10 बजे दिल का दौरा पड़ा और बाद में उनकी मौत हो गई।

शहरों में गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने का निर्देश

- सीएनजी/पीएनजी के आवेदन तेजी से निपटाने व वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है।

अमेरिका का एलपीजी जहाज मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु। युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। पिक्सिस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज एक्वा टाइटन के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का 28 को उद्घाटन करेंगे मोदी

- कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे

लखनऊ। मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। इस बैठक में अधिकारियों ने समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी।

मोदी ने रचा इतिहास...सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का रिकॉर्ड

- बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे, पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा
- अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड दिनों की सराहना की
- कहा- सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर वे भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। नरेंद्र मोदी ने कुल 8931 दिन तक सरकार के प्रमुख के रूप में काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पार कर लिया।

पीएम मोदी पहले ही गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रह चुके हैं। साथ ही वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा अनुभव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

7 अक्टूबर, 2001 को सीएम के रूप में ली थी शपथ

मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर उनके पिता समेत 3 पर केस

अधिकारी आत्महत्या मामला

- आत्महत्या के लिए उकसाने आपराधिक धमकी व साझा इरादा के तहत प्राथमिकी दर्ज

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में भंडारण निगम के एक अधिकारी की आत्महत्या के सिलसिले में पुलिस ने राज्य के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अमृतसर में पंजाब राज्य भंडारण निगम के जिला प्रबंधक गगनदीप सिंह रंधावा ने शनिवार को आत्महत्या कर ली थी।

पुलिस ने भुल्लर के पिता सुखदेव सिंह भुल्लर और उनके निजी सहायक दिलबाग सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। इस मामले में आत्महत्या के लिए उकसाना, आपराधिक धमकी और साझा इरादा के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह मामला अमृतसर के रणजीत एवेन्यू पुलिस थाने में रंधावा की पत्नी उपिंदर कौर की शिकायत पर शनिवार रात दर्ज किया गया। भुल्लर ने शनिवार को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। अधिकारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपों के बीच, मुख्यमंत्री मान ने भुल्लर से पद छोड़ने को कहा था। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था जिसमें रंधावा ने आरोप लगाए थे।

कार्यभार | खजान दास को समाज कल्याण, मदन कौशिक संभालेंगे पंचायती राज, भरत सिंह को ग्राम्य विकास, प्रदीप बत्रा को परिवहन, राम सिंह कैड़ा को शहरी विकास

धामी कैबिनेट में विभागों का बंटवारा, नए मंत्रियों को अहम जिम्मेदारी

- पुराने मंत्रियों के विभागों में भी हुआ फेरबदल, मुख्यमंत्री के पास 18 अहम विभाग

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी कैबिनेट में पांच नए सदस्यों को शामिल करने के सरकार के चार साल पूरे होने की पूर्व संध्या पर रविवार को विभागों का बंटवारा भी कर दिया। इस दौरान पुराने मंत्रियों के कार्यभार में भी फेरबदल किया गया है। इस बंटवारे की अधिसूचना रविवार को राज्य के मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की तरफ से आधिकारिक तौर पर जारी की गई।

मुख्यमंत्री धामी ने गृह, वित्त, सूचना, राजस्व, औद्योगिक विकास, खनन, ऊर्जा, आबकारी, नागरिक उड्डयन और राज्य संपत्ति जैसे 18 अहम विभाग अपने पास ही रखे हैं। अधिसूचना के अनुसार, वन एवं संसदीय कार्य मंत्री सुबोध उनियाल को अब स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वहीं, तकनीकी शिक्षा विभाग उनसे लेकर डॉ. धन सिंह रावत को सौंपा गया है, जो अब तक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग संभाल रहे थे। डॉ. रावत के पास विद्यालयी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा और सहकारिता विभाग यथावत रहेंगे। सतपाल महाराज से पंचायती राज और जलागम प्रबंधन विभाग वापस ले लिए गए हैं।

हाल ही में मंत्रिमंडल में शामिल किए गए मदन कौशिक को पंचायती राज की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा उन्हें आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, आयुष एवं आयुष शिक्षा तथा जनगणना का प्रभार भी दिया गया है। कृषि मंत्री गणेश जोशी से ग्राम्य विकास विभाग लेकर नए मंत्री भरत सिंह चौधरी को सौंपा गया है। चौधरी को लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विभाग की जिम्मेदारी भी दी गई है।

नए मंत्री खजान दास को समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण और छात्र कल्याण विभाग सौंपे गए हैं। प्रदीप बत्रा को परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग दिए गए हैं, जबकि राम सिंह कैड़ा को शहरी विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन और जलागम प्रबंधन का प्रभार दिया गया है। महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य तथा पशुपालन एवं गन्ना विकास मंत्री के विभागों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

सवा करोड़ देवतुल्य जनता की सेवा करने का मौका

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि, हमारी सरकार के बीते चार साल, सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित रहे हैं, इसी क्रम में मंत्रिमंडल में नए शामिल सदस्यों सहित मंत्रिमंडल के सभी सहयोगियों के मध्य कार्य आवंटन भी कर दिया गया है। मंत्रिमंडल के सभी सदस्य अनुभवी हैं और जनसेवा से गहराई से जुड़े हैं। जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए, उत्तराखंड को विकसित भारत का अग्रणी एवं श्रेष्ठ राज्य बनाने में पूरी सरकार अपना योगदान प्राणोप्रण से देगी। उन्होंने आगे कहा कि, हम सभी को उत्तराखंड की सवा करोड़ देवतुल्य जनता की सेवा करने का मौका मिला है, और यह सेवा भाव ही हमें अपनी देव तुल्य जनता के सपनों एवं आकांक्षाओं को पूर्ण करने के लिए सदैव प्रेरित करता है।

स्टेट ब्रीफ

सर्वश्रेष्ठ कोतवाली का खिताब मिलने पर रक्तदान

हरिद्वार : कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने राज्य की सर्वश्रेष्ठ कोतवाली का खिताब मिलने के उपलक्ष्य में मानवता का परिचय देते हुए स्वैच्छिक रविवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। आओ करें रक्तदान, किसी की बचेगी जान अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में पुलिसकर्मियों समेत आमजन ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी ज्वालापुर सहित कोतवाली में तैनात अधिकारी व कर्मचारियों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। शिविर में मीडिया कर्मियों, क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों व अन्य स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने भी भागीदारी की। कुल 50 लोगों द्वारा रक्तदान करते हुए 50 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भारत के संतुलित, शांतिपूर्ण एवं रणनीतिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला

मध्य-पूर्व एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: देश के समुद्री एवं सामरिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने रविवार को राज्यपाल गुरमीत सिंह से देहरादून स्थित लोक भवन में शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर उन्होंने वर्तमान में चल रहे मध्य-पूर्व एशिया में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर विस्तृत चर्चा की। राज्यपाल सिंह ने इस संदर्भ में भारत के संतुलित, शांतिपूर्ण एवं रणनीतिक दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत सदैव वैश्विक शांति, स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। इस दौरान,

देश के सामरिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के साथ वार्ता करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

सामरिक जागरूकता, समुद्री सुरक्षा तथा राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर भी बल दिया गया।

राज्यपाल ने सभी विशेषज्ञों के अनुभव एवं सुझावों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे विचार-विमर्श नीति निर्माण और जागरूकता के लिए अत्यंत उपयोगी होते हैं। इस अवसर पर रियर एडमिरल पीयूष पावसी, वाइस एडमिरल ए.जी. थपलियाल (सेनि), पूर्व एडीजी, कोस्ट गार्ड कृपा नौटियाल (सेनि) एवं सीईओ सी एंड कोस्ट मीडिया अमित कुमार शामिल थे।

दुनिया में योग के संदेश को फैलाने की शुरुआत है

ऋषिकेश : राज्यपाल गुरमीत सिंह ने रविवार को अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के समापन अवसर पर प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहा कि यह आयोजन भले ही औपचारिक रूप से समाप्त हो रहा हो, लेकिन वास्तव में यह पूरी दुनिया में योग के संदेश को फैलाने की एक नई शुरुआत है। सात दिनों तक चले इस भव्य महोत्सव में देश-विदेश से हजारों योग साधकों, पर्यटकों और आध्यात्मिक जिज्ञासुओं ने भाग लिया। गंगा तट पर बसे ऋषिकेश में आयोजित इस कार्यक्रम ने एक बार फिर इसे विश्व की योग राजधानी के रूप में स्थापित करने का काम किया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि यह भारत की प्राचीन संस्कृति, परंपरा और जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश में आयोजित यह महोत्सव दुनिया के लोगों को भारतीय संस्कृति की गहराई से परिचित कराता है और उन्हें एक सकारात्मक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आगे कहा कि इस आयोजन में उमड़ी भीड़ यह दर्शाती है कि आज पूरी दुनिया योग को अपनाने के लिए उत्सुक है।

आज दिखेगी सीएम धामी के उत्तराखंड मॉडल की झलक

जनसभा व रोड शो आज, सीएम बोले-उत्तराखंड विकसित भारत @ 2047 के लक्ष्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में धामी सरकार के 4 वर्ष पूरे होने के मौके पर सोमवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में एक भव्य जनसभा और रोड शो आयोजित किया जा रहा है। सीएम धामी इस अवसर पर सरकार के विकास कार्यों और रिपोर्ट कार्ड को जनता के सामने रखेंगे। इस दौरान विभिन्न जिलों से कार्यकर्ता शामिल होंगे।

कार्यक्रम को देखते हुए दून पुलिस सक्रिय है। उत्तराखंड सरकार के चार साल बेमिसाल कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस ने रूट प्लान तैयार किया है ताकि आम जनता को दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर जारी एक संदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता के ही अटूट विश्वास से ही हमें अथक परिश्रम करने की प्रेरणा मिली है। सीएम धामी के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में राज्य ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल की हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य की विकास यात्रा में केंद्र सरकार का निरंतर सहयोग मिला है। हमारी सरकार ने जन कल्याण सर्वोपरि की भावना के साथ कार्य करते हुए हर वर्ग के कल्याण को प्राथमिकता दी है और आगे भी प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। जनता का यही स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद भविष्य में भी मिलता रहेगा। विकसित भारत @2047 के लक्ष्य में उत्तराखंड अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दरअसल, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने अपने चार वर्ष के दौरान कई ऐसे ऐतिहासिक और सशक्त फैसले लिए, जिनसे राज्य की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई है। सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य बना, जहां समान नागरिक संहिता लागू की गई। इसके साथ ही राज्य में सशक्त भू-कानून, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून और दंगारोधी कानून लागू कर कानून-व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

सरकार ने युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया। इसका परिणाम यह रहा कि बीते चार वर्षों में 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिलीं, जिससे पारदर्शिता और भरोसा दोनों बढ़े हैं।

राज्य सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर 23 से 25 मार्च तक प्रदेशभर में 'जन-जन की सरकार, चार साल बेमिसाल' थीम पर वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आस्था, रोमांच और इंफ्रास्ट्रक्चर से उत्तराखंड बना फेवरेट डेस्टिनेशन

देहरादून : उत्तराखण्ड पर्यटन के क्षेत्र में लगातार नए आयाम स्थापित कर रहा है। आस्था, रोमांच और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के संगम से राज्य को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर और मजबूत किया जा रहा है। प्रदेश में तीर्थ यात्राओं को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए बड़े स्तर पर रोपवे परियोजनाओं की शुरुआत की गई है। केदारनाथ धाम के लिए सोनप्रयाग से 12.9 किमी लंबा रोपवे 4,081 करोड़ रु. की लागत से बनाया जाएगा। वहीं, हेमकुण्ड साहिब के लिए गोविंदघाट से 12.4 किमी रोपवे 2,730 करोड़ रु. की लागत से तैयार किया जाएगा। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद श्रद्धालुओं की यात्रा समय और कठिनाई दोनों में बड़ी कमी आएगी।

धामों का हो रहा कायाकल्प

केदारनाथ और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत तेजी से कार्य जारी है। बदरीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने के लिए 255 करोड़ रु. की योजनाएं संचालित हैं। इसके साथ ही हरिपुर कालसी में यमुना तीर्थ स्थल का निर्माण और महासू मंदिर, हनोल के मास्टर प्लान को मंजूरी देकर नए धार्मिक स्थलों को भी विकसित किया जा रहा है।

निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर व उपलब्धियों से रचा इतिहास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड ने पिछले चार वर्षों में विकास और विरासत का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसने राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाई है। निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा और पर्यटन के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई है। राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में 3.56 लाख रु. करोड़ के एमओयू साइन हुए, जिनमें से 1 लाख रु. करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है।

शीतकालीन यात्रा और धार्मिक सर्किट पर फोकस

उत्तराखण्ड में पहली बार शीतकालीन यात्रा की शुरुआत की गई, जिससे पर्यटन को वर्षभर बढ़ावा मिल रहा है। इस पहल को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं मुखवा पहुंचे, जो मां गंगा का शीतकालीन निवास स्थल है। कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के तहत 48 मंदिरों और गुरुद्वारों को एक धार्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी।

एडवेंचर और स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ावा

उत्तराखण्ड को एडवेंचर टूरिज्म हब बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। राज्य में 83 प्रमुख हिमालयी चोटियों को पर्वतारोहण के लिए खोल दिया गया है, जिससे देश-विदेश के पर्वतारोहियों को आकर्षित किया जा रहा है। आदि कैलाश में राज्य की पहली हाई एल्टीट्यूड अल्ट्रा रन मैराथन का आयोजन किया गया, जिसमें 22 राज्यों से 700 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन एडवेंचर टूरिज्म को नई पहचान दे रहा है।

आंदोलनकारियों, सैनिकों व आमजन को दिया सहारा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार ने अपने चार साल के कार्यकाल में राज्य आंदोलनकारियों, सैनिकों और आमजन के सम्मान व कल्याण को प्राथमिकता देते हुए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। इसके अलावा, राज्य में अग्निवीर योजना के अंतर्गत सेवा देने वाले युवाओं को भी सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का निर्णय लिया गया है।

उत्तराखंड कैबिनेट

देहरादून : सीएम धामी ने कई विभाग सहयोगी मंत्रियों को सौंप दिए हैं, ताकि कामकाज में तेजी और बेहतर समन्वय सुनिश्चित हो सके। बीते दिनों शामिल किए गए नए मंत्रियों-खजान दास, मदन कौशिक, भरत सिंह चौधरी, प्रदीप बत्रा और राम सिंह कैड़ा को भी जिम्मेदारियां सौंप गई हैं। माना जाता है कि यह बंटवारा प्रशासनिक दक्षता, क्षेत्रीय संतुलन और बेहतर क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए किया गया है। समझा जा रहा है कि राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री ने मुख्य नियंत्रण अपने पास रखते हुए कामकाज का प्रभावी संचालन करने की रणनीति के साथ विभाग आवंटित किए हैं। सरकार ने मंत्रियों को संकेत दिए हैं कि वे सोमवार से अपना कार्यभार संभालेंगे। विभागों का बंटवारा इस प्रकार किया गया है-

पुष्कर सिंह धामी (मुख्यमंत्री)

कार्यभार (पोर्टफोलियो)

मंत्रिपरिषद, कार्मिक एवं सर्तकता, सचिवालय प्रशासन, नियोजन, राज्य सम्पत्ति, सूचना, गृह, राजस्व, औद्योगिक विकास, औद्योगिक विकास (खनन), श्रम, पेयजल, ऊर्जा, आबकारी, न्याय, नागरिक उड्डयन, वित्त, एवं आवास।

विभाग/विषय : 1. मंत्रिपरिषद, 2. कार्मिक एवं अखिल भारतीय सेवाओं का स्थापना विषयक कार्य 3. सर्तकता, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा, 4. सचिवालय प्रशासन, 5. नियोजन, 6. राज्य सम्पत्ति, 7. सूचना, 8. गृह, कारागार, नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड एवं अर्द्ध सैनिक कल्याण, 9. राजस्व, 10. औद्योगिक विकास, औद्योगिक विकास (खनन), 11. श्रम, 12. पेयजल, 13. ऊर्जा एवं वैकल्पिक ऊर्जा, 14. आबकारी, 15. न्याय, 16. नागरिक उड्डयन। 17. वित्त, वाणिज्य कर, स्टाम्प एवं निबन्धन, 18. आवास ।

सतपाल महाराज

1. लोक निर्माण विभाग, 2. ग्रामीण निर्माण, 3. संस्कृति, 4. धर्मस्व, 5. पर्यटन, 6. भारत-नेपाल उत्तराखण्ड नदी परियोजनाएं, 7. सिंचाई, 8. लघु सिंचाई, 9. सामान्य प्रशासन विभाग।

गणेश जोशी

1. कृषि, 2. कृषि शिक्षा, 3. कृषि विपणन, 4. उद्यान एवं कृषि प्रसंस्करण, 5. उद्यान एवं फलोद्योग, 6. रेशम विकास, 7. सैनिक कल्याण।

सुबोध उनियाल

1. वन, 2. निर्वाचन, 3. विधायी एवं संसदीय कार्य, 4. चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा।

डॉ. धन सिंह रावत

1. विद्यालयी शिक्षा (बेसिक), 2. विद्यालयी शिक्षा (माध्यमिक), 3. संस्कृत शिक्षा, 4. उच्च शिक्षा, 5. तकनीकी शिक्षा, 6. सहकारिता

रेखा आर्य

1. महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, 2. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, 3. खेल, 4. युवा कल्याण।

सौरभ बहुगुणा

1. पशुपालन, 2. दुग्ध विकास, 3. मत्स्य पालन, 4. गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग, 5. प्रोटोकॉल, 6. कौशल विकास एवं सेवायोजन।

मदन कौशिक

1. पंचायतीराज, 2. आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास, 3. आयुष एवं आयुष शिक्षा, 4. पुनर्गठन, 5. जनगणना।

खजान दास

1. समाज कल्याण, 2. अल्पसंख्यक कल्याण, 3. छात्र कल्याण, 4. भाषा।

राम सिंह कैड़ा

1. शहरी विकास, 2. पर्यावरण संरक्षण एंव जलवायु परिवर्तन, 3. जलागम प्रबन्धन ।

प्रदीप बत्रा

1. परिवहन, 2. सूचना प्रौद्योगिकी एवं सुराज, 3. विज्ञान प्रौद्योगिकी, 4. जैव प्रौद्योगिकी।

भरत सिंह चौधरी

1. ग्राम्य विकास, 2. लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम, 3. खादी एवं ग्रामोद्योग ।

चार साल में चौगुना विकास, फिर कमल खिलने की गारंटी

देहरादून : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने रविवार को बयान जारी करते हुए कहा कि धामी सरकार के 4 वर्ष पूरे होने पर केंद्रीय नेतृत्व का आशीर्वाद और जनता का उत्साह, 27 का नतीजा बताता है। उन्होंने दावा किया कि अब सीएम धामी के नेतृत्व में शेष कार्यकाल में अधिक कर्मठता से कार्य करते हुए प्रचंड बहुमत से कमल खिलने वाला है। उन्होंने भाजपा सरकार के औपचारिक चार सफल और शानदार वर्ष पूर्ण होने पर प्रसन्नता एवं संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, विगत 4 वर्षों में सीएम धामी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने शानदार और ऐतिहासिक कार्य किए हैं। सिर्फ पहली बार हुए कामों की ही बात करें तो हम यूसीसी लाने वाले पहला राज्य बने, सर्वाधिक कठोर नकल निरोधक कानून हम लाए, इसी तरह कठोरतम धर्मांतरण कानून, अवैध धार्मिक अतिक्रमणों पर सबसे पहले कार्रवाई की गई। इसके अतिरिक्त पहली बार जी 20 जैसा अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी, पहली बार नेशनल खेमों का सफल आयोजन, राज्य निर्माण के पहले से लंबित शीतकालीन यात्रा का आगाज, 3.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौते का ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट, राज्य की आर्थिकी में डेढ़ गुना से अधिक वृद्धि, जीएसडीपी में 7.23 प्रतिशत की बढ़ोतरी, प्रति व्यक्ति आय में 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

पिथौरागढ़ में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

संवाददाता, पिथौरागढ़

- जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

अमृत विचार: उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू होगी। जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और अवैध रूप से काबिज लोगों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सीमांत जिले में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई ने सभी उपजिलाधिकारियों (एसडीएम) को अवैध कब्जों के खिलाफ प्रभावी और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने स्पष्ट कहा कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ जनपद में जीरो टॉलरेंस नीति लागू की जाएगी।

उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि राजस्व, पुलिस एवं संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध निर्माण और अतिक्रमण को तत्काल प्रभाव से रोका जाए।

ड्रोन कैमरे, जीसीएसआई मैपिंग से करें जांच

डीएम ने यह भी निर्देश दिए कि ड्रोन कैमरों के माध्यम से फोटोग्राफी कर साक्ष्य एकत्र किए जाएं तथा जीआईएस मैपिंग के जरिए अतिक्रमित भूमि का चिन्हांकन किया जाए। इसके साथ ही श्री भटगांई ने अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रिपोर्ट समय-समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए लगा अल्ट्रासाउंड शिविर

संवाददाता, रुद्रप्रयाग

अमृत विचार: रुद्रप्रयाग में रविवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) अगस्त्यमुनि में ऊखीमठ ब्लॉक क्षेत्र से आई गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष एएनसी (एएनसी) शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान महिलाओं की आवश्यक स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ अल्ट्रासाउंड (यूएसजी) जांच भी कराई गई।

स्वास्थ्य विभाग अधिकारी ने बताया कि इस शिविर का उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा समय पर जांच सुनिश्चित कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाना रहा। शिविर में उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान आवश्यक सावधानियों, पोषण एवं नियमित जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक किया गया।

स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सभी लाभार्थियों का पंजीकरण कर व्यवस्थित रूप से जांच की गई तथा आवश्यकतानुसार परामर्श भी प्रदान किया गया। यह भी बताया गया कि समय-समय पर जिलाधिकारी के निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग भविष्य में भी इस प्रकार के शिविर लगा कर अधिक से अधिक लाभार्थियों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करेगा।

कुलपति ने छात्रों से ड्युअल डिग्री कार्यक्रम से जुड़ने की अपील की

हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने टिहरी गढ़वाल के पौखाल स्थित अध्ययन केंद्र का निरीक्षण किया और एनएसएस स्वयंसेवकों को सामाजिक दायित्व निभाने व कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने छात्रों से ड्युअल डिग्री कार्यक्रम से जुड़ने की अपील की। इसके बाद उन्होंने विवि की ओर से गोद लिए गए भिलंगना ब्लॉक के ग्राम मोलनो का दौरा कर उसे आदर्श गांव बनाने की योजना पर जोर दिया। इस पहल का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, महिला सशक्तिकरण और आधारभूत सुविधाओं सहित समग्र विकास करना है। कुलपति ने सामुदायिक भागीदारी, सरकारी योजनाओं के प्रभावी उपयोग और ग्रामीणों की जरूरतों के अनुसार विकास कार्य करने पर जोर दिया और लोगों को इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया।

ऋषिकेश में तस्कर दबोचा 1.34 किलो गांजा बरामद

संवाददाता, देहरादून

- नशा मुक्त अभियान को लेकर प्रशासन सख्त, क्षेत्र में चेकिंग और दबिश की कार्रवाई जारी

अमृत विचार: ऋषिकेश क्षेत्र में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने रविवार को एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1 किलो 340 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस के अनुसार, नशा मुक्त अभियान के अंतर्गत क्षेत्र में लगातार चेकिंग और दबिश की कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में श्यामपुर स्थित मंशा देवी पुलिया के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम रामअवतार निवासी गुमानीवाला, श्यामपुर बताया। तलाशी के दौरान उसके पास मौजूद प्लास्टिक के कट्टे से गांजा बरामद हुआ।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह बिहार से गांजा लाकर खुद सेवन करने के साथ-साथ पुड़िया बनाकर बेचता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एनडीपीएस एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं।

असमंजस | 11 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी वाली इस लीग के मैच रुकने से आयोजन पर संकट

भुगतान न होने से एलएलसी लीग के मैच रुके

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रही एलएलसी लीग के मुकाबले पिछले तीन दिनों से नहीं हो रहे हैं। 11 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी वाली इस लीग के मैच रुकने से आयोजन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

लीग के शुरुआती तीन मैच गौलापार में आयोजित होने थे, जबकि शेष मुकाबले देहरादून सहित अन्य शहरों में खेले जाने की योजना थी। बाद में आयोजकों की ओर से सभी मैच गौलापार में ही कराने का निर्णय लिया गया, लेकिन अब संचालन संबंधी दिक्कतें सामने आ रही हैं। 19 मार्च की शाम एक अंतरराष्ट्रीय मुकाबला सफलतापूर्वक खेला गया था, लेकिन इसके बाद 21, 22 और 23 मार्च को लगातार मैच नहीं हो पाए।

स्टेडियम का प्रतिदिन किराया 2.5 लाख रुपये है, खेल विभाग को केवल तीन मैचों का ही भुगतान किया गया है। खेल उपनिदेशक कुमाऊं रशिका सिद्धिकी ने बताया कि जब तक खेल विभाग को पूरा भुगतान प्राप्त नहीं होता, तब तक स्टेडियम में मैचों के आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि 28 मार्च तक भुगतान की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। भुगतान विवाद के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस लीग के मुकाबले फिलहाल अनिश्चितता में हैं, जिससे खिलाड़ियों, आयोजकों और दर्शकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

गौलापार स्थित स्टेडियम।

वापस लौटे दर्शक

हल्द्वानी : मैचों को लेकर स्थिति स्पष्ट न होने के कारण दर्शकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई दर्शक मैच देखने के लिए स्टेडियम तो पहुंच रहे हैं, लेकिन उन्हें यह जानकारी नहीं मिल पा रही है कि मैच होगा या नहीं। स्टेडियम में पहुंच रहे लोग मैच न होने के कारण वापस लौट रहे हैं।

हरिद्वार में गौकशी के शक में युवक के साथ मारपीट

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: हरिद्वार में वाहन से गोवंशीय मवेशी ले जा रहे एक युवक को गौकशी के शक में कुछ युवकों ने रोक लिया और मारपीट की। खुद को ''गौ सेवक'' बताने वाले पांच युवकों ने पीड़ित युवक से नाम-पता पूछते हुए मारपीट का वीडियो भी बनाया और उसे सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

वीडियो के वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पीड़ित और आरोपियों की पहचान की तथा कनखल क्षेत्र के बैरागी कैंप निवासी पीड़ित सद्दाम की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि तहरीर के मुताबिक, 19 मार्च की रात को सद्दाम एक वाहन में दो गायें और एक बछड़ा लेकर निकटवर्ती दिनारपुर जा रहा था, जहां रास्ते में काली मंदिर के पास आरोपी युवकों ने उसे रोक लिया। युवकों ने सद्दाम पर गायों को गौकशी के लिए ले जाने का आरोप लगाते हुए उसे जबरन अपनी कार में बैठा लिया तथा मारपीट की। सद्दाम ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने दोबारा गायें ले जाते दिखने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों की पहचान पवन, पीयूष, राजन चौधरी, अभय और सौरभ के रूप में हुई है। एसपी नगर अभय प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया गया है।

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ स्कंदमाता: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:

शहर के इस पुराने मंदिर में नवरात्र के मौके पर विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया जा रहा है

नवरात्र पर सत्यनारायण मंदिर में उमड़ रहे सैकड़ों श्रद्धालु

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः कालाढूंगी रोड स्थित भोलानाथ गार्डन में स्थित सत्यनारायण मंदिर नवरात्र के अवसर पर इन दिनों श्रद्धा और भक्ति का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। करीब 63 साल पुराना यह मंदिर शहर के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक माना जाता है, जहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

मंदिर में विराजमान भगवान सत्यनारायण और माता लक्ष्मी की प्रतिमा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है। भक्तों का मानना है कि सच्चे मन से यहां की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है और माता लक्ष्मी अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाती हैं। कई श्रद्धालु तो मंदिर में घंटों बैठकर अपने आराध्य के दर्शन करते हैं। नवरात्र के दौरान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिदिन सुबह 7 बजे और शाम 4 बजे होने वाली आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर भक्ति भाव से माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। पूरे मंदिर परिसर में इन दिनों भक्ति और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिल रहा है। मंदिर से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार, यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, जिससे इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। मंदिर में पूजा करने पहुंचीं श्रद्धालु चित्रा बोरा ने बताया कि वे पिछले 13 वर्षों से नियमित रूप से यहां पूजा-अर्चना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो भी मन्नतें माता लक्ष्मी से मांगीं, वे सभी पूरी हुई हैं।

नवरात्र में लगती है भक्तों की भीड़

हल्द्वानी : नवरात्र के पावन पर्व पर सत्यनारायण मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। सुबह से लेकर शाम तक मंदिर परिसर में भक्तों का तांता लगा रहता है। पूजा-अर्चना, आरती और दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान सत्यनारायण और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। घंटियों की गूंज, भक्ति गीत और आरती के समय लगने वाले जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में बदल जाता है। श्रद्धालु सच्चे मन से पूजा कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

सैनिकों ने मां नयना देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

संवाददाता, नैनीताल

- साटा बैटरी यूनिट की डायमंड जुबली पर भव्य धार्मिक आयोजन

अमृत विचारः भारतीय सेना की प्रतिष्ठित साटा बैटरी यूनिट ने अपनी स्थापना के 60 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डायमंड जुबली समारोह धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर यूनिट के अधिकारियों व जवानों ने मां नयना देवी मंदिर में पूजा-अर्चना कर विश्व शांति और राष्ट्र की समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर परिसर में आयोजित भव्य भजन संध्या से हुआ। भक्तिमय भजनों से वातावरण आध्यात्मिक हो उठा। सैन्य कर्मियों के साथ स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इसके पश्चात विशेष पूजा-अर्चना और आरती का आयोजन किया गया तथा उपस्थित जनसमूह को प्रसाद वितरित किया गया। कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रदीप अधिकारी ने यूनिट के गौरवशाली इतिहास और सैन्य परंपराओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 60 वर्षों की यह यात्रा साटा बैटरी यूनिट के समर्पण, सेवा और उत्कृष्टता का प्रतीक है। समारोह में उप कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रहलाद पाटिल, मेजर आकाश राणा, मेजर उमेश शंकर सिंह तोमर, सूबेदार मेजर मो. नईम खान रहे।

सिटी ब्रीफ

ब्लॉक में आज लगेगा बहुउद्देशीय कैंप

हल्द्वानी : राज्य सरकार के चार वर्ष पूरा होने के अवसर पर हल्द्वानी ब्लॉक कार्यालय में बहुउद्देशीय कैंप आयोजित किया जा रहा है। जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी ने बताया कि कैंप का आयोजन 23 मार्च को सुबह साढ़े 10 बजे से किया जाएगा। कैंप में सरकार के पिछले चार वर्षों में किए विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता को दी जाएगी। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं को आच्छादित करने के उद्देश्य से जनपद स्तर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

एशियन लीजेंड्स लीग की ट्रॉफी का अनावरण

हल्द्वानी : एशियन लीजेंड्स लीग के दूसरे सीजन की रविवार को रुद्रपुर में ट्रॉफी का अनावरण किया गया। लीग का सीजन-2 आगामी 2 जून से शुरू होगा। कार्यक्रम में थिसारा परेरा, असगर अफगान, ऋषि धवन और एंजेलो परेरा सहित कई प्रमुख खिलाड़ी मौजूद रहे। खिलाड़ियों ने लीग को प्रतिस्पर्धी और रोमांचक बताते हुए नए सीजन को लेकर उत्साह जताया। लीग में इंडियन रॉयल्स, श्रीलंकन लायंस, अफगानिस्तान पठान, एशियन स्टार्स, पाकिस्तान पैंथर्स और बांग्लादेश टाइगर्स सहित छह टीमें भाग लेंगी। लीग के निदेशक नीरज कुकरेजा ने कहा ट्रॉफी के अनावरण के साथ, हमने एक बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। 2 जून से यह लीग शुरू होगी।

पिपलेश्वर महादेव मंदिर में जुटे श्रद्धालु

हल्द्वानी : शहर के पिपलेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित गृह यज्ञ कार्यक्रम के दौरान पूरे परिसर में वैदिक मंत्रोच्चारण से धार्मिक वातावरण गूंज उठा। यज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और आहुतियां देकर सुख-समृद्धि व शांति की कामना की। कार्यक्रम के दौरान आचार्यों द्वारा विधि-विधान से हवन संपन्न कराया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ भाग लिया। यज्ञ के दौरान ॐ नम: शिवाय और अन्य वैदिक मंत्रों की गूंज से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भी यज्ञ में भाग लेकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया और उपस्थित लोगों ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

कठघरिया में सड़कों की हालत खराब

हल्द्वानी : शहर से लगे कठघरिया क्षेत्र में सड़कों की स्थिति बहहाल होने से लोग परेशान हैं। सबसे बुरा हाल कठघरिया चौराहे से खीमपुर को जाने वाली सड़क का है। यह सड़क पिछले दो साल से बेहद जर्जर हाल में है। सड़क में गड्ढे होने से कई लोग चोटिल भी हो चुके हैं।

ईद के बाद अब पेट्रोल की सप्लाई प्रभावित, कई पंप हुए ड्राई

कई पंपों पर दो से तीन दिन पूर्व डिमांड देने के बाद भी डिपो से नहीं पहुंचे पेट्रोल के टैंकर, साधारण पेट्रोल के साथ ही प्रीमियम की भी आपूर्ति प्रभावित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में एलपीजी की किल्लत के बीच ईद के बाद अब पेट्रोल की आपूर्ति भी प्रभावित होने लगी है। क्षेत्रीय डिपो से समय पर तेल की सप्लाई न होने के कारण कई पेट्रोल पंपों पर संकट की स्थिति पैदा हो गई है। इसका असर अब आम लोगों पर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है।

हालांकि जिला पूर्ति अधिकारी मनोज वर्मन ने बताया कि ईद के कारण वाहन चालक अवकाश पर थे, जिससे आपूर्ति बाधित हुई। उन्होंने कहा कि जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। रामपुर रोड स्थित कुछ पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल का स्टॉक खत्म हो चुका है। जबकि अन्य में भी स्टॉक कम बचा हुआ है। हालात ऐसे हैं कि वाहन लेकर पहुंच रहे लोगों को बिना पेट्रोल के ही वापस लौटना पड़ रहा है।

समता आश्रम गली के पास स्थित एक पेट्रोल पंप संचालक ने बताया कि उन्होंने तीन दिन पहले ही डिमांड भेज दी थी, लेकिन अभी तक डिपो से पेट्रोल की गाड़ी नहीं पहुंची है। इसके चलते उनका स्टॉक पूरी तरह समाप्त हो गया है और पंप ड्राई हो चुका है। संचालक ने बताया कि पहले दो दिन का स्टॉक बचा होने पर ही डिपो से तुरंत आपूर्ति हो जाती थी, लेकिन अब एडवांस पेमेंट करने के बावजूद गाड़ियों के पहुंचने में देरी हो रही है। इसी तरह रामपुर रोड पर एसबीआई के पास स्थित इंडियन ऑयल के पेट्रोल पंप पर भी सामान्य पेट्रोल खत्म हो चुका है और केवल प्रीमियम पेट्रोल ही उपलब्ध है। यहां भी स्टॉक समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। पंप कर्मी ने बताया कि प्रीमियम का स्टॉक भी समाप्त होने की कगार पर है। यदि सोमवार को गाड़ी नहीं पहुंची तो ड्राई की स्थिति आ सकती है। पंप कर्मियों के अनुसार अब शाम 4 बजे के बाद डिपो से तेल लेकर गाड़ियां नहीं निकल रही हैं, जबकि पहले रात 8-9 बजे तक आपूर्ति जारी रहती थी।

रामपुर रोड पर समता आश्रम गली के पास स्थित पेट्रोल पंप पर छाया सन्नाटा।

जिले में 30 हजार घरेलू एलपीजी का बैकलॉग

जिले में वर्तमान में घरेलू एलपीजी का बैकलॉग करीब 30 हजार है। जो धीरे-धीरे और बढ़ रहा है। बैकलॉग के आंकड़े देखकर साफ समझा जा सकता है कि एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति अभी तक सामान्य नहीं हुई है। गैस सिलेंडर बुकिंग के बाद भी लोगों को कई दिनों तक सिलेंडर नहीं मिल रहा है। इसी तरह कमर्शियल सिलेंडर में भी उपभोक्ता एजेंसी को अपनी डिमांड भेज रहे हैं, जिसे आगे भेजा जा रहा है। इधर, डीएसओ मनोज वर्मन ने बताया कि गैस सिलेंडर की डिलीवरी घर-घर की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक उपभोक्ता को गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा।

लालकुआं-सितारगंज डिपो से होती है आपूर्ति

लालकुआं में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन का डिपो है, जिससे पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति होती है। यहां से रोजाना बड़ी संख्या में वाहन पेट्रोल-डीजल लेकर पेट्रोल पंपों तक पहुंचते हैं। इसके अलावा सितारगंज में भी ऑयल डिपो है, जिससे शहर में पेट्रो पदार्थों की आपूर्ति की जाती है।

रेस्टोरेंट में घरेलू गैस का हो रहा इस्तेमाल

नैनीताल : शहर में व्यवसायिक गैस सिलिंडरों की कमी अब गंभीर रूप लेती नजर आ रही है। हालात यह हैं कि कई रेस्टोरेंट संचालक चोरी छिपे घरेलू गैस सिलिंडरों का उपयोग कर काम चला रहे हैं। इस संबंध में सोशल मीडिया पर वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर सवाल उठने लगे हैं। व्यवसायिक सिलिंडरों की आपूर्ति बाधित होने से होटल और रेस्टोरेंट कारोबार प्रभावित हो रहा है। ऐसे में कुछ संचालक घरेलू सिलिंडरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कि नियमों के खिलाफ है। खाद्य पूर्ति निरीक्षक सुरेंद्र बिष्ट ने बताया कि उन्हें इस प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही अभियान चलाकर जांच की जाएगी।

हल्द्वानी बुद्ध पार्क में लकड़ी के चूल्हे पर खाना पकाकर विरोध जताते युवा कांग्रेस कार्यकर्ता।

युकांइयों ने लकड़ी चूल्हे पर पकाया खाना

संवाददाता, हल्द्वानी

- रसोई गैस संकट के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुद्ध पार्क में अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया

अमृत विचारः रसोई गैस संकट के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को बुद्ध पार्क में अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेसियों ने गैस सिलेंडर पर माला चढ़ाकर उसे 'श्रद्धांजलि' दी और लकड़ी के चूल्हे पर भोजन बनाकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

युवा नेता हेमंत साहू ने कहा कि गैस सिलेंडर की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से आम लोगों की रसोई का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। इसका सबसे ज्यादा असर गृहिणियों पर पड़ रहा है, जिन्हें घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कालाबाजारी के चलते गैस सिलेंडर 2500 रुपये तक में बेचा जा रहा है। कांग्रेस नेता राजेन्द्र बिष्ट और संदीप भसोड़ा ने कहा कि सरकार ने अच्छे दिनों के सपने दिखाकर जनता को बुरे दिनों में धकेल दिया है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग मजबूर होकर फिर से लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने लगे हैं। कहा कि सरकार की विदेश नीति और कूटनीति विफल होने से आज देश की जनता को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन में छात्र नेता मेहूल साह, सचिन राठौर, शाहनवाज मालिक, रेखा जाटव, ज्योति आर्या, विनीता आर्या, प्रेमा सागर, इशहाक खान, मयंक गोस्वामी, अल्का आर्या, रेनू आर्या, देवेन्द्र नेगी, हर्ष शर्मा, सौरभ कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गौलापार में गैस सिलेंडरों को लेकर बवाल, पहुंची पुलिस

संवाददाता, हल्द्वानी

- भीड़ ने वाहन चालक को घेरा, बुकिंग पर्चियां फेंकने से विवाद

अमृत विचार : गौलापार के नवाड़ खेड़ा में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब ज्वाला गैस एजेंसी (भारत गैस) का वाहन सिलेंडर लेकर गांव पहुंचा। पहले से ही बड़ी संख्या में लोग गैस सिलेंडर की डिलीवरी लेने का इंतजार कर रहे थे। वाहन के पहुंचते ही करीब 250 लोगों ने वाहन चालक को घेर लिया और जल्दी सिलेंडर देने की मांग करने लगे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सीमित सिलेंडर होने के कारण वितरण शुरू होते ही विवाद की स्थिति बन गई। लोगों का आरोप है कि गैस बांटने में पारदर्शिता नहीं बरती गई, जिससे भीड़ में नाराजगी देखने को मिली। बताया जा रहा है कि इसी बीच चालक के उपभोक्ताओं की गैस बुकिंग पर्चियां फेंक देने से लोगों का गुस्सा भड़क उठा। स्थिति बिगड़ती देख खेड़ा चौकी से पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और किसी तरह भीड़ को शांत कराया। पुलिस की मौजूदगी में भी सभी लोगों को सिलेंडर नहीं मिल सका और अधिकांश लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा। घटना के बाद ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों को फोन किया लेकिन उनका फोन ही नहीं उठाया गया।

देवी मूर्तियां चुराने का आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : अमृता आश्रम के पास मंदिर से माता की मूर्तियों समेत सामान चोरी करने वाला पेशेवर अपराधी निकला। उस पर शहर के विभिन्न थानों में 10 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के पास चोरी की गई मूर्तियों के साथ अन्य सारा सामान बरामद कर लिया है।

इस मामले में बीती 20 मार्च को पीडी कोलानी गैर वैशाली ऊंचापुल निवासी हेमचंद पंत पुत्र कैलाश चंद पंत ने मुकदमा दर्ज कराया था। उनका कहना था कि 19 से 20 मार्च के बीच मंदिर का ताला तोड़कर पीतल की मूर्ति, 6 तांबे के लोटे, पीतल की घंटी, पीतल की आरती, आर्टिफिशियल पौची, गले का मय्या, माइक व बैग चोरी कर लिए गए। चोर की तलाश में जुटी पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और दिखाई दिए संदिग्ध की तलाश शुरू की। पुलिस ने 21 मार्च को पता लगा कि शातिर कबाड़ी को चोरी का माल बेचने जा रहा है। पुलिस ने काठगोदाम बाईपास रोड से चौपला चौराहा के पास से आरोपी लाल सिंह पुत्र स्व. ओम प्रकाश सिंह निवासी कोहली कॉलोनी विठोरिया नंबर-1 मुखानी को धर दबोचा। मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि आरोपी पर पहले से ही 10 मुकदमे दर्ज हैं। उसके पास से चोरी किया गया सारा माल बरामद कर लिया गया है। पुलिस टीम में थानाध्यक्ष सुशील जोशी, एसआई रजनी आर्या, कांस्टेबल रोहित कुमार व राजेश जोशी रहे।

मुखानी पुलिस की गिरफ्त में मंदिर में चोरी करने का आरोपी।

काठगोदाम रेलवे स्टेशन में दौड़ाई कार, 3 लोग घायल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : काठगोदाम रेलवे स्टेशन में यूपी नंबर की कार को चालक ने बेहद तेज गति से दौड़ाया और कार की चपेट में आकर एक बच्ची समेत तीन लोग घायल हो गए। कार चालक को लोगों ने पकड़ लिया। जीआरपी थाना काठगोदाम ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मथुरा उत्तर प्रदेश निवासी डॉ. देवेंद्र कुमार पुत्र रघुराज सिंह ने जीआरपी थाना काठगोदाम में दी तहरीर में लिखा, 21 मार्च की सुबह पौने 11 बजे वह अपने साले तेजेरवर सिंह पुत्र भूपेन्द्र सिंह, पत्नी कनकमीत कौर और ढाई साल की बेटी अनाहत कौर के साथ काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर पहुंचे। आरोप है कि वह अपनी गाड़ी पार्किंग में पार्क करके स्टेशन के गेट की तरफ जा रहे थे। तभी एक यूपी नंबर की कार टिकट घर की तरफ से तेजी से आई। कार चालक ने पहले देवेंद्र को चपेट में ले लिया। टक्कर से देवेंद्र एक ओर और उनकी गोद में मौजूद बेटी दूसरी ओर गिरी। जिसके बाद उसने तेजेरवर और फिर कनकमीत कौर को चपेट में लिया। कनकमीत कौर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। देवेंद्र का कहना है कि घटना को अंजाम देकर कार चालक भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन लोगों की मदद से उसे पकड़ लिया गया।

जटिल सर्जरी

नवजात बच्ची का मायलोमेनिंगोसेले डिफेक्ट का ऑपरेशन किया, न्यूरोसर्जरी समेत अन्य विभागों की रही उपलब्धि

एसटीएच की टीम ने एक दिन की बच्ची की जान बचाई

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में पहली बार महज एक दिन की नवजात बच्ची का जटिल मायलोमेनिंगोसेले डिफेक्ट का सफल ऑपरेशन किया गया। समय कम होने की वजह से यह ऑपरेशन रात में ही किया गया। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को वरिष्ठ न्यूरोसर्जन डॉ. अखिलेश जोशी ने अपनी टीम के साथ मिलकर अंजाम दिया।

यह ऑपरेशन जन्म के 24 घंटे के भीतर रात में किया गया। चिकित्सकीय दृष्टि से इस बीमारी में 24 से 72 घंटे के भीतर सर्जरी बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है, जिससे शिशु के जीवित रहने और बेहतर रिकवरी की संभावना काफी बढ़ जाती है। बच्ची का जन्म अल्मोड़ा जिले में हुआ था। जन्म के बाद ही उसे ऑपरेशन के लिए एसटीएच रेफर कर दिया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यूरोसर्जन डॉ. जोशी ने एनेस्थीसिया टीम के साथ ऑपरेशन की तैयारी शुरू की। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. एके सिन्हा, डॉ. राहुल सक्सेना, डॉ. गौरव शर्मा और डॉ. मोनिका रहे। वहीं, पीडियाट्रिक केयर टीम से डॉ. गुरप्रीत सिंह और डॉ. रश्मि राणा ने ने नवजात की निगरानी की। आपात स्थिति में देर रात हुई इस सर्जरी में हर सदस्य ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। सीमित समय और उच्च जोखिम के बावजूद टीम के सामूहिक प्रयास ने इस असंभव लगने वाले कार्य को संभव बना दिया। डॉ. जोशी ने बताया कि बच्ची अब पूरी तरह से स्वस्थ्य है और अपनी मां का दूध पीना भी शुरू कर दिया है। बच्ची का परिवार पहाड़ के दुर्गम क्षेत्र से आता है।

ऑपरेशन से पहले बच्ची।

बच्ची का ऑपरेशन करने वाली टीम।

गर्भावस्था के दौरान फॉलिक एसिड की लें खुराक

हल्द्वानी : मायेलोमेनिंगोसील स्पाइना बिफिडा का सबसे गंभीर रूप है, जो एक जन्मजात न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट है। इसमें रीढ़ की हड्डी और स्पाइनल कैनाल जन्म से पहले पूरी तरह बंद नहीं होते, जिससे रीढ़ की हड्डी का हिस्सा थैलीनुमा रूप में पीठ से बाहर आ जाता है। यह आमतौर पर नसों और रीढ़ की हड्डी को नुकसान पहुंचाता है। डॉ. जोशी ने बताया कि डॉक्टर की सलाह पर गर्भवती को गर्भावस्था के दौरान फॉलिक एसिड की खुराक लेनी चाहिए। कहा कि मैं स्वयं पिथौरागढ़ जिले का रहने वाला हूं। इसलिए यह बात अच्छे से समझ सकता हूं कि पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कितनी दरकार है।

ई-रिक्शा की टक्कर से मॉर्निंग वॉकर की मौत

संवाददाता, हल्द्वानी

- ई-रिक्शा तेजी से बैक करते वक्त चपेट में आया अधेड़
- सिर में आई चोट, ऑपरेशन के बावजूद हो गई मौत

अमृत विचार : घर से सुबह सैर पर निकले अधेड़ की ई-रिक्शा की चपेट में आकर मौत हो गई। अधेड़ के सिर पर चोट आई थी। हादसे को अंजाम देने वाला ई-रिक्शा चालक ही उसे अस्पताल लेकर पहुंचा। घायल का ऑपरेशन भी हुआ, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

पुलिस के मुताबिक, चौफुला ऊंचापुल बिठौरिया नंबर एक हरिपुर नायक निवासी भूपाल सिंह (49 वर्ष) पुत्र बहादुर सिंह यहां पत्नी व दो बच्चों के साथ रहते थे। बीते शनिवार की सुबह करीब 6 बजे वह रोज की तरह घर से टहलने निकले थे। घर के पास ही एक रिक्शा से तेजी से बैक हो रहा था, तभी भूपाल सिंह उसकी चपेट में आ गए। भूपाल सिर के बल नीचे गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। रिक्शा चालक ने उन्हें फौरन नैनीताल रोड स्थित एक निजी अस्पताल ले गया। जहां उनके सिर का ऑपरेशन हुआ, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि मामले में अभी परिजनों की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती अधेड़ की मौत

हल्द्वानीः नशे की लत छुड़ाने के लिए नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती अधेड़ की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। चोट लगने पर संचालक ने उसे नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराने के बजाय एसटीएच भेज दिया और यहां पहुंचते ही उसने दम तोड़ दिया।

राजेंद्रनगर लाइन नंबर दो निवासी अनिल गुप्ता के मुताबिक, उनके 46 वर्षीय पिता रमेश गुप्ता चोरगलिया स्थित केमू स्टेशन में काम करते थे और शराब के लती थी। उन्हें 16 जनवरी को ऊधमसिंह नगर स्थित एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। बीते शनिवार की सुबह अचानक रमेश गश खाकर गिरे और उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। केंद्र संचालक ने उन्हें नजदीकी अस्पताल के बजाय डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय भेज दिया और यहां कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

पर्यटकों ने सरोवर नगरी की प्राकृतिक खूबसूरती का जमकर लिया आनंद, झील के आसपास दिखी लोगों की भीड़, पर्यटकों ने नौकायन का उठाया लुत्फ

वीकेंड पर सैलानियों की भीड़ से गुलजार रहा नैनीताल, कारोबारियों के चेहरे खिले

संवाददता, नैनीताल

अमृत विचार: ईद वीकेंड के मौके पर सरोवर नगरी नैनीताल में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी नजर आयी। ऐसे में पूरा शहर गुलजार रहा। रविवार को शहर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर दिनभर रौनक बनी रही और सैलानियों ने यहां की प्राकृतिक खूबसूरती का जमकर आनंद लिया।

नैनी झील में पर्यटकों की लंबी कतारें देखने को मिलीं, जहां लोगों ने नौकायन का लुत्फ उठाया। वहीं, नैनीताल चिड़ियाघर में भी पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ रही। सैलानियों ने बाघ समेत अन्य वन्यजीवों को देखने में खास रुचि दिखाई। इसके अलावा स्नो व्यू, टिफिन टॉप, केव गार्डन और अन्य पर्यटन स्थलों पर भी दिनभर पर्यटकों की चहल-पहल बनी रही। पर्यटकों की बढ़ती संख्या का असर स्थानीय होटल व्यवसाय पर भी साफ नजर आया। शहर के छोटे होटलों में करीब 60 प्रतिशत तक कमरे भर गए हैं, जबकि बड़े होटलों में भी बुकिंग में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। ऑनलाइन बुकिंग में तेजी आने से आने वाले दिनों में और अधिक भीड़ की संभावना जताई जा रही है।

सैलानियों ने माल रोड पर गुनगुनी धूप में टहलने का लिया आनंद। ● अमृत विचार

वीकेंड पर पर्यटकों की आमद से गुलजार दिखा नैनीताल। ● अमृत विचार

पर्यटन कारोबार से जुड़े व्यवसायियों के चेहरों पर इस रौनक से खुशी साफ झलक रही है। हालांकि, भीड़ के चलते शहर की सड़कों पर यातायात व्यवस्था प्रभावित होती नजर आई। कई स्थानों पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और ट्रैफिक धीमी गति से रेंगता हुआ दिखाई दिया। पुलिस और यातायात कर्मियों को व्यवस्था संभालने में मशक्कत करनी पड़ी। ईद वीकेंड के चलते बढ़ी इस भीड़ ने एक बार फिर नैनीताल के पर्यटन कारोबार को संजीवनी दी है। स्थानीय कारोबारियों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भी पर्यटकों की संख्या में इजाफा बना रहेगा, जिससे पर्यटन सीजन को मजबूती मिलेगी।

लौटाए गए बाइक सवार, नरीमन तिराहे पर जाम

हल्द्वानी : वीकेंड पर उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने पहले ही इंतजाम कर लिए थे, बावजूद इसके सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। काठगोदाम में सुबह से ही पहाड़ की ओर जाने वाले बाइक सवारों को रोका जाने लगा, जिससे जाम की स्थित पैदा हो गई। आलम यह था कि काठगोदाम का नरीमन तिराहे पूरे दिन जाम से जूझता रहा। तय योजना के तहत पुलिस ने अन्य जनपदों और राज्यों से आकर पर्वतीय क्षेत्र नैनीताल, भीमताल, भवाली, अल्मोड़ा, मुक्तेश्वर को जाने वाले दोपहिया वाहनों को टांडा बैरियर, बेलबाबा, कालाढूंगी में नैनीताल तिराहा, गौलापुल, खेड़ा चौराहा, नरीमन तिराहा और भीमताल तिराहा में रोका गया। उनसे पूछताछ की गई और सिर्फ उन्हीं को आगे जाने दिया गया, जिन्हें जरूरी काम था। इसी तरह सुबह 7 बजे से रात 10 बजे के बीच भारी वाहनों के आवागमन पर भी पूरी तरह पाबंदी थी, लेकिन सड़क पर इंतजाम का ज्यादा असर नजर नहीं आया। शहर में तो हालात सामान्य थे, लेकिन सभी डायवर्जन का प्वाइंट नरीमन तिराहा ज्यादा देर तक वाहनों का बोझ नहीं उठा सका। सूरज चढ़ते ही यहां वाहनों की कतार लगने लगी।

27 से होगा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन, तैयारियां पूरी

राज्य के 29 केंद्रों पर लगभग 12 लाख कॉपियां जांची जाएंगी

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं के संपन्न होने के बाद अब उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारी पूरी कर ली गई है। परिषद द्वारा 27 मार्च से 10 अप्रैल तक लगभग 12 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कराया जाएगा।

गौरतलब है कि बोर्ड परीक्षाएं 21 फरवरी से प्रारंभ होकर 20 मार्च को शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से संपन्न हुईं। राज्य भर में कुल 1261 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षाएं आयोजित की गई थीं। इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा में 1,12,266 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में 1,02,986 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। परिषद के सचिव विनोद प्रसाद सिमल्टी ने बताया कि 27 मार्च से 10 अप्रैल 2026 तक राज्य भर में बनाए गए 29 मूल्यांकन केंद्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया जाएगा। इस दौरान हाईस्कूल स्तर की 6,70,028 तथा इंटरमीडिएट स्तर की 5,14,787 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा।

उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद, रामनगर का कार्यालय।

मूल्यांकन कार्य के लिए हाईस्कूल स्तर पर 1,937 तथा इंटरमीडिएट स्तर पर 1,725 शिक्षकों की तैनाती की गई है। नियुक्ति आदेश विद्यालयों की आईडी पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिए गए हैं, जिन्हें विद्यालयों द्वारा डाउनलोड कर संबंधित शिक्षकों को प्रदान किया जाएगा। मूल्यांकन कार्य सीसीटीवी की निगरानी में कराया जाएगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक केंद्र पर 50 प्रतिशत मूल्यांकित उत्तरपुस्तिकाओं का पुनः परीक्षण भी किया जाएगा। साथ ही सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र पर एक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है, जो संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी कर परिषद को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

नाराज उपभोक्ताओं ने गैस मैनेजर का किया घेराव

रामनगर: गैस की लगातार किल्लत से परेशान उपभोक्ताओं ने रविवार को इंडेन गैस एजेंसी कार्यालय पहुंचकर हंगामा किया और गैस प्रबंधक दीपक कुमार आर्य का घेराव किया। उपभोक्ताओं का आरोप है कि डीएसी कोड आने के बाद भी एक महीने से अधिक समय से सिलेंडर नहीं मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में गैस की गाड़ी आने के बावजूद वितरण कर्मी सिलेंडर नहीं दे रहे हैं, जबकि गोदाम से भी उन्हें लौटा दिया जाता है। एक वृद्ध ने बताया कि वह कई दिनों से चक्कर काट रहे हैं और मजबूरी में होटल से खाना लाना पड़ रहा है। उपभोक्ताओं ने सिलेंडर की ब्लैक मार्केटिंग के आरोप भी लगाए और समय पर आपूर्ति न होने पर एजेंसी में ताला लगाने की चेतावनी दी। वहीं, प्रबंधक ने गैस की कमी से इनकार करते हुए जांच का आश्वासन दिया। वहीं, गैस प्रबंधक दीपक कुमार आर्य ने बताया कि गैस की कोई कमी नहीं है और वर्तमान में नगर के सभी क्षेत्रों में रोस्टर के अनुसार सिलेंडर की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की। साथ ही ब्लैक में सिलेंडर बेचने के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इसकी जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिगरी दोस्तों का एक साथ हुआ पोस्टमार्टम

- अंकित और अविराज की गेठिया में हुए हादसे में चली गई थी जान
- दोनों का रविवार को नैनीताल में हुआ पोस्टमार्टम

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जागेश्वर धाम के दर्शन के लिए निकले दो दोस्तों की यात्रा दर्दनाक हादसे में उनकी आखिरी यात्रा बन गई। बीते दिन गेठिया क्षेत्र में कार खाई में गिरने से अंकित और अविराज की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे की खबर से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

हादसे के बाद नैनीताल पहुंचे मृतकों के परिजनों ने बताया कि अंकित आरटीओ में बतौर लिपिक कार्यरत था, जबकि अविराज ठेकेदारी करता था। दोनों गहरे दोस्त थे और अक्सर धार्मिक स्थलों के दर्शन के लिए साथ जाते थे। परिजनों के अनुसार अंकित धार्मिक प्रवृत्ति का था और छुट्टियों में विभिन्न मंदिरों में दर्शन करने जाता रहता था। परिजनों ने बताया कि हादसे से पहले दोनों ने घर पर फोन कर अपनी कुशलता की जानकारी दी थी।

अविराज ने सुबह करीब सात बजे अपनी पत्नी को नैनीताल के पास पहुंचने की सूचना दी थी, लेकिन कुछ ही देर बाद हादसे की दुःखद खबर पहुंच गई। अंकित अपने पीछे पत्नी और दो बच्चों को रोता बिलखता छोड़ गया है, जबकि अविराज की शादी दो वर्ष पूर्व ही हुई थी।

पोस्टमार्टम में देरी से परिजन रहे परेशान

नैनीताल : हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के परिजन शुक्रवार शाम को नैनीताल पहुंच गए थे। शनिवार सुबह पंचनामे की कार्रवाई के बाद परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे, पौने एक बजे तक पोस्टमार्टम शुरू नहीं होने से उन्हें लंबा इंतजार करना पड़ा। परिजनों ने बताया कि वे करीब 400 किलोमीटर का सफर तय कर उन्नाव से यहां पहुंचे हैं और वापसी में भी उन्हें लगभग आठ घंटे लगेंगे, ऐसे में देरी से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान अंकित के पिता धर्मेंद्र चौधरी, ताऊ चंद्र भूषण, भाई लकी चौधरी सहित अविराज के मामा लावेश और भाई शिवा भी मौके पर मौजूद रहे।

अनुराग को मिलेगा युवा कलमकार का पुरस्कार

भीमताल: उत्तराखंड भाषा संस्थान, देहरादून द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए उत्तराखंड युवा कलमकार पुरस्कार (आयु वर्ग 18 से 25 वर्ष) के अंतर्गत अनुराग उपाध्याय के यात्रा-वृत्तांत 'दक्षिण की ओर' का चयन किया गया है। इस उपलब्धि के लिए उत्तराखंड भाषा संस्थान द्वारा उन्हें नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान 28-29 मार्च को देहरादून में प्रदान किया जाएगा।

ज्ञातव्य है कि मूल रूप से ग्राम खोली, पोस्ट भांतड़ (थल), जनपद पिथौरागढ़, उत्तराखंड के निवासी तथा वर्तमान में गोविंदपुरम, कुसुमखेड़ा, हल्द्वानी (जनपद नैनीताल) में निवास कर रहे अनुराग उपाध्याय, श्रीनगर मेडिकल कॉलेज, गढ़वाल में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के छात्र हैं। चिकित्सा शिक्षा के साथ-साथ वे साहित्य लेखन, संगीत और चित्रकला में भी रुचि रखते हैं। उनकी कई रचनाएं समय-समय पर विभिन्न मंचों पर प्रकाशित और प्रसारित होती रही हैं। अनुराग की इस उपलब्धि पर विभिन्न सांस्कृतिक संस्थाओं और उनके मित्रों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

लोनिवि ने स्टेट हाईवे से हटवाए कटे पेड़

कालाढूंगी: लोक निर्माण विभाग ने कालाढूंगी-हल्द्वानी स्टेट हाईवे के किनारे से आम के कटे पेड़ हटवा दिये हैं। रविवार को अमृत विचार अखबार के अंक में छपी खबर का संज्ञान लेते हुए एसडीएम बिपिन चंद्र पंत ने लोनिवि हल्द्वानी को खतरे का सबब बने पेडों को हटवाने को निर्देशित किया। जिसके बाद लोनिवि ने जेसीबी से दोनों कटे पेड़ों को स्टेट हाईवे से हटाया दिया है।

बताते चलें कि सप्ताह भर पहले तेज आंधी-तूफान में नव दुर्गा पैट्रोल पंप के पास विशालकाय आमों के पेड़ टूट गये थे। जिसके बाद स्वामी व ठेकेदारों ने आम के टहनियां काटकर पूरी तरह से नहीं हटाए थे। जिससे पेड़ों की टहनियों के ठूंठ सड़क की सफेट पट्टी पहुंचने से कभी भी हादसा हो सकता था।

बच्चों ने पेश किए शानदार मॉडल

- मेहरा पब्लिक स्कूल में समावेश 2026 का आयोजन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: पीरूमदारा स्थित मेहरा पब्लिक स्कूल में आयोजित "समावेश 2026" कार्यक्रम के तहत ज्ञान, कला एवं विज्ञान का अद्भुत संगम देखने को मिला। विद्यालय परिसर में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में नन्हे विद्यार्थियों ने कला, साहित्य, विज्ञान, इतिहास और सामाजिक विषयों पर आधारित 150 से अधिक स्वयं निर्मित मॉडल प्रस्तुत कर अपनी छिपी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ये कार्यक्रम न केवल बच्चों की प्रतिभा को निखारते हैं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ाते हैं। विद्यालय के प्रबंधक कुबेर सिंह मेहरा एवं निदेशक पंकज सिंह मेहरा ने कहा कि समावेश 2026 जैसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करते हैं और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करते हैं। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, पूर्व सांसद प्रतिनिधि इंदर रावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, तारा चंद्र घिल्डियाल, ग्राम प्रधान कमला भारती एवं ग्राम प्रधान ममता सनवाल, रतन सिंह मेहरा, चंद्रा मेहरा, मदन भारती, हरीश सनवाल उपस्थित रहे।

बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों का निरीक्षण करते विधायक दीवान सिंह बिष्ट। ● अमृत विचार

नियमों का उल्लंघन पर 30 का चालान

नैनीताल: ईद के बाद नैनीताल में पर्यटकों की भीड़ बढ़ने के साथ वाहनों की संख्या में भी इजाफा हो गया है। ऐसे में कई स्थानों पर यातायात नियमों का उल्लंघन देखने को मिला।

पुलिस के अनुसार, ईद और वीकेंड एक साथ पड़ने के कारण रविवार को पर्यटकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई। मॉल रोड, मल्लीताल और तल्लीताल क्षेत्रों में अवैध रूप से वाहन पार्क करने के चलते जाम की स्थिति बन रही थी, जिससे स्थानीय लोगों व पर्यटकों को परेशानी झेलनी पड़ी। पुलिस ने अभियान चलाकर सड़क किनारे खड़े वाहनों को हटाया और यातायात व्यवस्था को सुचारु किया। टीएसआई हरीश फर्त्याल ने बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 30 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़ा करने को कहा।

राजस्व ग्राम की मांग को लेकर हुई पंचायत

- सरकार से गांवों को राजस्व अभिलेखों में दर्ज करने की मांग

संवाददाता, गौलापार

अमृत विचार: राजस्व ग्राम को लेकर गोलापार के मानपुर गांव में ग्राम सभा सुंदरपुर में एक पंचायत आयोजित की गई। सभी जनप्रतिनिधियों और ग्रामवासियों ने इसमें भाग लिया। ग्रामवासियों की मुख्य मांग है कि आजादी से पहले बसे यह गांव दूरस्थ होने के कारण राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाए और इस वजह से वे सरकारी सुविधाओं से वंचित रहे हैं।

ग्रामवासियों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि उनकी बात सरकार तक पहुंचाई जाए और उन्हें जल्द से जल्द राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि अभिलेखों में दर्ज नहीं होने के कारण प्रतापपुर, हरिपुरा, थटोला, त्रिलोकपुर, दानी, जयपुर, खोलिया और मदनपुर आदि गांवों के लोगों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं वन अधिकार समिति के अध्यक्ष नंदन सिंह बिष्ट ने कहा, यह ग्राम आजादी से पहले दूरस्थ गांव होने के कारण राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाया। हमारी मांग है कि सरकार और प्रशासन इसे जल्द राजस्व अभिलेखों में दर्ज करें। उन्होंने कहा कि गांव के लोग सरकारी सुविधाओं से वंचित हैं। जिससे उन्हें परेशानी हो रही है।

आयोजन | ज्योतिबा फुले–सावित्रीबाई फुले सायंकालीन विद्यालय, सांवल्दे में बच्चों ने बनाए क्रांतिकारियों के चित्र, पेश किए देश भक्ति के गीत

शहादत की पूर्व संध्या पर याद किए गए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को ज्योतिबा फुले-सावित्रीबाई फुले सायंकालीन विद्यालय, सांवल्दे में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धापूर्वक याद किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है और मेरा रंग दे बसंती चोला जैसे देशभक्ति गीतों से हुई। इसके पश्चात विद्यालय की शिक्षिका रितु बेलवाल ने शहीदों के जीवन और उनके क्रांतिकारी योगदान पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के प्रमुख सदस्य भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी थे, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष करते हुए कम उम्र में ही देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। 23 मार्च 1931 को लाहौर षड्यंत्र केस के तहत ब्रिटिश सरकार ने उन्हें फांसी दे दी थी। उनकी शहादत को हर वर्ष 23 मार्च को शहादत दिवस के रूप में याद किया जाता है। इस अवसर पर वरिष्ठ चित्रकार सुरेश लाल ने बच्चों को तीनों शहीदों के चित्र बनाना सिखाया। उन्होंने चित्रकला में शरीर के अनुपात और रंग संयोजन के बारे में भी बच्चों को जानकारी दी। कार्यक्रम में नवेंदु मठपाल, वंदना, पावनी और सुमित कुमार रहे।

शहीद भगत सिंह के अपने बनाए चित्र दिखाते स्कूली बच्चे। ● अमृत विचार

पछास ने अमर शहीदों को किया याद

हल्द्वानी : परिवर्तनकामी छात्र संगठन (पछास) ने शहीद दिवस की पूर्व संध्या पर शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को याद किया गया। चंदन ने कहा कि आज भी मेहनतकश जनता साम्राज्यवाद के बोझ तले पिसी जा रही है और अमेरिकी साम्राज्यवाद को दुनिया की जनता का सबसे बड़ा दुश्मन बताया। मुकेश भंडारी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने अमेरिकी नीतियों के आगे समर्पण किया है, जिससे देश में बेरोजगारी, महंगाई और असमानता बढ़ी है। कैलाश पाण्डे ने विभिन्न वैश्विक युद्धों के लिए साम्राज्यवादी ताकतों को जिम्मेदार ठहराया, जबकि सुंदर लाल बौद्ध ने युवाओं से जागरूक होकर संघर्ष की राह अपनाने की अपील की। जीआर टम्टा ने कहा कि देश में संविधान की मूल भावना को कमजोर किया जा रहा है और मानवता व समानता के मूल्यों को बचाने की जरूरत है।

दमुवाढूंगा में शहीदों को श्रद्धांजलि दी

हल्द्वानी : शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस की पूर्व संध्या पर भाकपा माले द्वारा दमुवाढूंगा में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इंकलाब जिंदाबाद के नारों के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वक्ताओं ने 23 से 31 मार्च तक साम्राज्यवाद विरोधी व युद्ध विरोधी सप्ताह मनाने की घोषणा की। उन्होंने शहीदों के बलिदान को शोषण और साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष का प्रतीक बताते हुए उनके विचारों पर चलने का आह्वान किया। डॉ. कैलाश पाण्डेय, जोगेंद्र लाल, दीपक कांडपाल, मनोज सिंह आर्य, धन सिंह आदि रहे।

आंबेडकर जयंती को भव्य बनाने की तैयारी

हल्द्वानी: दमुवाढूंगा मल्ला प्लॉट में आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 5 अप्रैल को ऊंचापुल मंदिर से दमुवाढूंगा तक संविधान सम्मान दोपहिया वाहन रैली निकाली जाएगी। 14 अप्रैल को मंगल पड़ाव स्थित पार्क से डिग्री कॉलेज तक झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी।

दीपक चन्याल और दीप दर्शन ने बताया कि रैली का मकसद समाज को उनके बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान नफीस अहमद खान, संजय कुमार टम्टा, हरीश लोधी, पीआर टम्टा, विपिन बिहारी, वीर राम, जगदीश चंद्र भारती, किशन राम, हरिराम टम्टा, सुरेश चंद्र, गोपाल राम, प्रकाश चंद्र बेरी, सुरेन्द्र बेरी, जमुना प्रसाद रहे।

उत्तराखण्ड शासन
देवभूमि रजत उत्सव
जन-जन की सरकार
4 साल बेमिसाल
उत्तरोत्तर विकास पथ पर अग्रसर
उत्तराखण्ड
"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।"
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड सर्वांगीण विकास की नई मिसाल बन रहा है। स्थानीय उत्पाद, बेहतर कनेक्टिविटी, उद्योग एवं निवेश तथा हर मौसम पर्यटन सहित देवभूमि अपनी अलौकिक विरासत को संजोते हुए विकास के नए आयाम छू रही है।"
पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
विकसित भारत
सशक्त
उत्तराखण्ड
विरासत भी, विकास भी
इंफ्रास्ट्रक्चर एवं कनेक्टिविटी
• केदारनाथ-हेमकुंड साहिब रोपवे परियोजना
• दिल्ली-देहरादून एलिवेटेड रोड निर्माण
• ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन प्रगति पर
• टनकपुर-बागेश्वर रेल सर्वे स्वीकृत
• सौंग व जमरानी बांध परियोजना
• पर्वतीय जिलों में हेली सेवा विस्तार
अर्थव्यवस्था, निवेश एवं उद्योग
• ₹3.56 लाख करोड़ निवेश समझौते
• ₹1 लाख करोड़+ ग्राउंडिंग
• अर्थव्यवस्था 26 गुना वृद्धि
• ₹1.11 लाख करोड़+ वार्षिक बजट
• खुरपिया में स्मार्ट इंडस्ट्रियल टाउनशिप
• हाउस ऑफ हिमालयाज ब्रांड
GDP
हरित ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास
• 1 गीगावाट+ सौर ऊर्जा क्षमता
• 42,000+ सोलर रूफटॉप
• वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (सीमांत गांव विकास)
• महक क्रांति व मिलेट्स मिशन
संस्कृति एवं विरासत का संरक्षण
• केदारनाथ-बदरीनाथ मास्टर प्लान
• मानसखण्ड मंदिर माला मिशन
• शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ
• संस्कृत ग्राम पहल
• गीता अध्ययन पाठ्यक्रम में शामिल
• दून विश्वविद्यालय में हिंदू अध्ययन केंद्र
• स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन (गढ़वाल-कुमाऊं)
सुशासन
• 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान
• 30,000+ युवाओं को सरकारी नौकरी
• 950+ सेवाएं ऑनलाइन (अपुणि सरकार पोर्टल)
• 12,000 एकड़ अतिक्रमण मुक्त
• पेंशन योजनाओं में वृद्धि एवं मासिक भुगतान
बड़े निर्णय
• समान नागरिक संहिता
• सशक्त भू-कानून
• सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून
• नकल विरोधी कानून
• अग्निवीरों को 10% क्षैतिज आरक्षण
संकल्प से शिखर तक
उत्तराखण्ड SDG रैंकिंग में अव्वल
नेशनल लेवल रैंकिंग व प्रोत्साहन
• निर्यात तैयारी सूचकांक में प्रथम (छोटे राज्य)
• एसडीजी इंडेक्स में शीर्ष स्थान
• स्टार्टअप रैंकिंग में 'लीडर'
• खनन सुधारों में देश में दूसरा स्थान
• शहरी सुधारों हेतु ₹264.5 करोड़ प्रोत्साहन
30 से अधिक नीतियां
• औद्योगिक नीति, पर्यटन एवं योग नीति
• नई फिल्म नीति (50% तक सब्सिडी)
• मिलेट्स नीति, कीवी नीति (70% अनुदान)
• ड्रैगन फ्रूट प्रोत्साहन योजना
• महक क्रांति 2026-36
• महिला स्वरोजगार एवं लखपति दीदी योजना आदि
नीतिगत सुधार
प्रधानमंत्री जी के नौ आग्रह
स्थानीय लोगों से: बोली-भाषा का संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम, स्वच्छ जल, गांव से जुड़ाव, तिबारी वाले घरों को संवारें
पर्यटकों से: प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचें, वोकल फॉर लोकल, यातायात के नियम अपनाएं, तीर्थों की मर्यादा का पालन करें।
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

सिटी ब्रीफ

ऑटो लिफ्टर ने उड़ाया ई-रिक्शा, मुकदमा दर्ज

रुद्रपुर : सक्रिय ऑटो लिफ्टर ने ई- रिक्शा पर हाथ साफ कर लिया। बजरंग विहार कॉलोनी फुलसुंगी निवासी हरीराम ने तहरीर देकर बताया कि 17 मार्च की दोपहर एक बजे वह अपने ई-रिक्शा पर सवार होकर विशाल मेगा मार्ट स्थित एक बैंक में खाता खुलवाने गया था। उसने ई-रिक्शा को डॉक्टर कॉलोनी वाली रोड पर सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। अपना काम खत्म करने के बाद जब वह वापस आया तो ई-रिक्शा उक्त स्थान पर नहीं था। काफी खोजबीन के बाद भी ई-रिक्शा कहीं नहीं मिला। एसएसआई केसी आर्य ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली जा रही है।

तमंचा व चाकू के साथ दो युवक को पकड़ा

सितारगंज : पुलिस ने गश्त के दौरान दो युवक को तमंच व चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। रविवार को सिडकुल चौकी इंचार्ज जगत सिंह शाही के नेतृत्व में पुलिस ने सिडकुल फेस टू तिराहे के पास से प्रणाम वैद्य निवासी पूर्वी उकरौली को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा 12 बोर मय एक कारतूस बरामद किया। इधर, दूसरे बाइक सवार मंजीत सिंह निवासी पूर्वी उकरौली के कब्जे से चाकू बरामद हुआ।

नशा माफिया की 6.70 करोड़ संपत्ति होगी कुर्क

जिले की पुलिस ने चलाई आर्थिक तंत्र तोड़ने की मुहिम, नशा बेचकर माफियाओं ने जोड़ी है अकूत संपत्ति

संवाददाता,रुद्रपुर

अमृत विचार : नशा माफियाओं के खिलाफ आर्थिक तंत्र तोड़ने की मुहिम को चलाते हुए पुलिस ने रिफाकत और संजय को चिह्नित कर लिया है और लिखत पढ़त करने के बाद 6.70 करोड़ की अकूत संपत्ति को चिह्नित कर कुर्क करने की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। पुलिस का मानना है कि माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे धकेलने के बाद अब आर्थिक तंत्र भी तोड़ना बेहद जरुरी है।

बताते चलें कि एक जनवरी 2025 को थाना पुलभट्टा पुलिस ने मुठभेड़ के बाद 1060 ग्राम स्मैक के साथ नशा माफिया रिफाकत को पकड़ा था। इसके अलावा 11 अप्रैल 2025 को रुद्रपुर पुलिस ने गांजा माफिया संजय गुप्ता की गिरफ्तारी की थी। न्यायालय में पेश करने के बाद नशा माफियाओं की आर्थिक स्थिति को ध्वस्त करने के लिए एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने ऑपरेशन आर्थिक तंत्र चलाने का निर्णय लिया और रिफाकत और संजय गुप्ता को चिह्नित करते हुए संपत्ति जांच रिपोर्ट तैयार करवाई। तो पता चला कि रिफाकत ने स्मैक का धंधा कर 3.70 करोड़ रुपये, जबकि गाजा माफिया संजय गुप्ता ने तीन करोड़ की अकूत संपत्ति इकट्ठा की है। जिसके आधार पर 19 मार्च 2026 को एसएसपी के आदेश पर सक्षम प्राधिकरण नई दिल्ली पत्राचार कर कुख्यात नशा माफियाओं की अकूत संपत्ति 6.70 करोड़ रुपये अर्जित संपत्ति को कुर्क करने की अनुमति मांगी और प्राधिकरण की हरी झंडी मिलने के बाद पुलिस ने संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। अब देखना यह है कि पुलिस द्वारा संचालित ऑपरेशन आर्थिक तंत्र कितना सफल होगा। यह आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन यह तय है कि दूसरे को बर्बाद कर अकूत संपत्ति जुटाने वाले माफियाओं की आर्थिक तंत्र तोड़ दिया जाता है। तो काफी हद तक प्रदेश को नशा मुक्त प्रदेश बनाया जा सकता है।

पेशेवर नशा माफिया है रिफाकत

रुद्रपुर : मूलरूप से फतेहगंज पश्चिम बरेली निवासी रिफाकत हुसैन एक पेशेवर अपराधी के साथ साथ नशा माफिया भी है। एक जनवरी को पुलिस मुठभेड़ में घायल हुए रिफाकत का आपराधिक इतिहास खंगाला। तो पता चला कि वर्ष 2009 से लेकर 2025 तक अभियुक्त पर हत्या, गैंगस्टर, एनडीपीएस सहित जुआ अधिनियम के 18 आपराधिक मुकदमे दर्ज है और फतेहगंज बरेली और पुलभट्टा पुलिस का आदतन अपराधी है। पुलिस जांच में यह पता चला कि स्मैक की तस्करी कर अभियुक्त ने 3 .70 करोड़ की संपत्ति अर्जित कर रखी है। जो कि पुलिस के आर्थिक तंत्र ध्वस्तीकरण के लिए काफी है।

गांजे का सबसे बड़ा माफिया है संजय गुप्ता

रुद्रपुर : 11 अप्रैल 2025 को वाहन से 434 .748 किलोग्राम गांजा लाने वाला संजय गुप्ता निवासी दूधिया नगर गांजे का सबसे बड़ा माफिया माना जाता है। जो कई राज्यों से गांजा लाकर उत्तराखंड में तस्करी करता है। खुद बचाने के लिए वाहनों को कई व्यक्तियों के नाम पर संचालित करता है और गांजा बेचकर उसने कई स्थानों पर प्लांट, दुकानें और आवासीय भवन सहित कई वाहनों भी जुटा रखे है। संजय इतना शातिर है कि गांजा माफिया होने के बाद कभी पकड़ा नहीं गया, लेकिन उसके माफिया होने की चर्चाएं उत्तराखंड के अलावा यूपी के कई जिलों में देखा जा सकता है। सेफिमा एनडीपीएस नई दिल्ली ने दोनों ही माफियाओं की संपत्ति को अपने कार्यालय में रजिस्टर्ड कर लिया है।

क्या है सेफिमा का अर्थ

रुद्रपुर : सेफिमा का मतलब है तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर कर्ता यानी संपति की जब्ती। अधिनियम 1976 में यह कानून तस्करों, विदेशी मुद्रा के अवैध कारोबार व उनके रिश्तेदारों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त करने का अधिकार देता है। ताकि समाज से नशा माफिया समाप्त हो सके। सेफिमा में प्रावधान यह है कि किसी भी नशा माफिया के खिलाफ पुलिस आपराधिक इतिहास बताते हुए संपत्ति रिपोर्ट भेजी गई और सेफिमा ने उसका संज्ञान लेते हुए अपने यहां रजिस्टर्ड कर माफियाओं को नोटिस भेजकर जवाब तलब करेगी। यदि माफिया द्वारा संपत्ति का वैध ब्यौरा पेश कर देता है। तो संपत्ति जब्त नहीं होगी। यहीं कारण है कि सेफिमा ने रिफाकत व संजय की संपत्ति को अपने यहां दर्ज कर ली है।

बोले एसएसपी : आर्थिक तंत्र को तोड़ना है मकसद

रुद्रपुर। एसएसपी अजय गणपति कुंभार ने बताया कि ऊधमसिंह नगर को नशामुक्त जिला बनाना ही उनका मकसद है। इसके लिए माफियाओं के आर्थिक तंत्र पर प्रहार करना जरूरी है। यहीं कारण है कि रिफाकत और गांजा माफिया संजय गुप्ता की अकूत संपत्ति का ब्यौरा सिफाफा एनडीपीएस नई दिल्ली को भेजा गया था। सक्षम प्राधिकरण ने पुलिस के पत्राचार व रिपोर्ट को रजिस्टर्ड करते हुए नशा माफियाओं से 25 मार्च तक संपत्ति के दस्तावेज मांगे है। इकट्ठा संपत्ति किस-किस के नाम पर दर्ज है और परिवार के सदस्य क्या करते है। इन सभी सवालों का जवाब भी सक्षम प्राधिकरण ने मांगा है। पुलिस जांच में माफियाओं के पास संपत्ति के ठोस दस्तावेज नहीं है और ऑपरेशन आर्थिक तंत्र जारी रहेगा।

मंदिर के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण

सौंदर्यीकरण कार्य का फीता काटकर लोकार्पण करते विधायक शिव अरोरा।

संवाददाता, रुद्रपुर

- श्री राधा गोविंद मंदिर में 10 लाख रुपये की लागत से हुए हैं कार्य

अमृत विचार : विधायक शिव अरोरा ने पिपलिया संख्या-2 स्थित श्री राधा गोविंद मंदिर में 10 लाख रुपये की लागत से हुए सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर आशीर्वाद लिया और क्षेत्रवासियों को विकास कार्यों की सौगात दी।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक शिव अरोरा ने कहा कि रुद्रपुर विधानसभा का सर्वांगीण विकास ही उनका मुख्य ध्येय है। पिपलिया क्षेत्र की जनता की मांग पर उन्होंने मुख्यमंत्री से वार्ता कर विधायक निधि से इस सौंदर्यीकरण कार्य के लिए बजट स्वीकृत कराया था। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश विश्वास, मन्नू चौधरी, गोविंद स्वर्णकार, कमल मंडल, रमेश मंडल, कार्तिक हलदार, कन्हाई लाल, ओमप्रकाश, कार्तिकेय गौतम आदि मौजूद रहे।

भरत गोयल बने अराइज उत्तराखंड के अध्यक्ष

संवाददाता, रुद्रपुर

भरत गोयल।

मनोज खेड़ा।

अमृत विचार : वाराणसी में आयोजित ''एसोसिएशन फॉर रीइन्वेटिंग स्कूल एजुकेशन'' (अराइज़) के दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में रुद्रपुर के दो प्रमुख शिक्षाविदों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए भरत गोयल को ''अराइज़'' उत्तराखंड का अध्यक्ष और मनोज कुमार खेड़ा को सह-अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

अराइज़ एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संगठन है, जो स्कूली शिक्षा में नवाचार, आधुनिक तकनीक और सुधार के लिए कार्य करता है। नवनियुक्त अध्यक्ष भरत गोयल और कोलंबस पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक व सह-अध्यक्ष मनोज कुमार खेड़ा अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धतियों के लिए जाने जाते हैं। इस साझा मंच के माध्यम से अब वे प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करेंगे। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अरुणा सिंह ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में उत्तराखंड में शिक्षा विभाग और सरकार के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह टीम छात्र-केंद्रित शिक्षा और आधुनिक नवाचारों को धरातल पर उतारने में सफल होगी।

तमंचा लहराने वाला युवक धरा

रुद्रपुर: रुद्रपुर की कोतवाली पुलिस ने क्षेत्र में दहशत फैलाने और अवैध हथियार का प्रदर्शन करने वाले एक 19 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शांति कॉलोनी निवासी अंकुश उर्फ अंकित शर्मा के रूप में हुई है। कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि 21 मार्च की शाम रंपुरा चौकी प्रभारी धीरज टम्टा पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान किच्छा हाईवे पर सूचना मिली कि एफएसएल मार्ग पर एक युवक राहगीरों को तमंचा दिखाकर डरा रहा है। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। पूछताछ में युवक ने कुबूल किया कि उसने नानकमत्ता मेले में अपने एक दोस्त से 6,000 में यह तमंचा खरीदा था। जांच में सामने आया कि आरोपी अक्सर चर्चा में रहने के लिए सार्वजनिक स्थानों और शादी समारोहों में तमंचा लहराता था।

15.74 करोड़ की लागत से हाईटेक होगा नगर निगम

जर्जर नगर निगम का कार्यालय। ● अमृत विचार

नए नगर निगम भवन का डिजाइन। ● फाइल

संवाददाता, रुद्रपुर

- जर्जर भवन से मिलेगी मुक्ति, कामकाज में आ रही थी बाधा

अमृत विचार : रुद्रपुर नगर निगम के कर्मचारियों और शहरवासियों को जल्द ही जर्जर कार्यालय से निजात मिलने वाली है। महापौर विकास शर्मा की पहल पर धामी सरकार ने नए आधुनिक निगम भवन के लिए 15.74 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। वर्ष 1942 में बनी पुरानी नगरपालिका और 2013 में बने नगर निगम का वर्तमान ढांचा अत्यंत खस्ताहाल है, जिससे कामकाज में बाधा आ रही थी।

7 फरवरी 2025 को कार्यभार संभालने के बाद महापौर विकास शर्मा ने पहली बोर्ड बैठक में ही नए भवन का प्रस्ताव रखा था। सरकार से बजट जारी होने के बाद अब निविदा (टेंडर) प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह नया भवन तीन मंजिला और पूर्णतः भूकंपरोधी होगा। इसका डिजाइन उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों और सांस्कृतिक पहचान को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। भवन में विशाल स्टिल्ट पार्किंग, आधुनिक रिसेप्शन, वेटिंग एरिया और हाईटेक टैक्स कलेक्शन काउंटर होंगे।

ग्राउंड और प्रथम तल पर निगम के प्रशासनिक कार्यालय चलेंगे, जबकि द्वितीय तल और छत पर बने विशाल हॉल का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

महापौर के अनुसार, इस पारदर्शी और सुविधायुक्त इमारत के बनने से नगर निगम की कार्यप्रणाली सुदृढ़ होगी और जनता को बेहतर नागरिक सेवाएं मिल सकेंगी। उम्मीद है कि कुछ ही महीनों में इसका लोकार्पण कर दिया जाएगा।

बोले महापौर : सीएम धामी ने दिया चार साल का तोहफा

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने बताया कि सीएम धामी ने चार वर्ष पूर्ण होने पर रुद्रपुर नगर निगम को 15 .74 करोड़ रुपये देकर नये भवन का तोहफा दिया है। नये भवन के निर्माण के बाद जनता के मुद्दों और कार्यों को गतिमान बनाने का काम किया जाएगा। प्रदेश का पहला नगर निगम होगा, जो हाईटेक होगा। जल्द ही निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी को जनता की समस्याओं के समाधान का टारगेट दिया जाएगा।

पूर्व विधायक ने दी अनशन की धमकी

संवाददाता, रुद्रपुर

थाना प्रभारी से मिलते पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : ट्रांजिट कैंप थाना क्षेत्र से पिछले 12 दिनों से लापता एक 13 वर्षीय नाबालिग लड़की का सुराग न लगने पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कड़ा रोष जताया है। उन्होंने थाना प्रभारी मोहन पांडेय से मुलाकात कर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और जल्द बरामदगी न होने पर थाने में अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करने की चेतावनी दी है।

पूर्व विधायक ने बताया कि पीड़िता एक विधवा महिला है, जो सिडकुल में दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार पालती है। 12 दिन पहले जब वह काम पर गई थी, तब एक 30 वर्षीय युवक उसकी 13 साल की बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया। आरोप है कि तहरीर देने के इतने दिन बीत जाने के बाद भी दरोगाओं ने जांच में सुस्ती बरती है। ठुकराल ने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि कुछ सत्ताधारी नेता पीड़ित महिला पर समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने थाना प्रभारी की कार्यशैली पर भरोसा जताया। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी ने आश्वासन दिया है कि टीम गठित कर जल्द ही नाबालिग को बरामद कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट के मामले में छह नामजद

खटीमा: पुलिस ने मुंडेली में दो पक्षों में हुई मारपीट के मामले में एकपक्ष की पीड़िता की तहरीर पर आधा दर्जन के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नगरपालिका वार्ड संख्या 17, भुजिया नंबर तीन निवासी राजकुमारी पत्नी धनपत ने पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि बीते दिवस शनिवार को रात्रि करीब सवा नौ बजे मुड़ेली चौराहे पर अयोध्या प्रसाद उसकी पत्नी सुनीता, बेटा राज कुमार सहित काजल, उषा, सोनी निवासी भुजिया नंबर तीन ने एक राय होकर मुझे और मेरे पति को लाठी डंडों और लात घूसों से बुरी तरह से मारा पीटा और जान से खत्म कर देने की धमकी देते हुए गया। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

मेट्रोपोलिस रेजिडेंट वेलफेयर एसो. की चुनाव प्रक्रिया शुरू

संवाददाता,रुद्रपुर

बैठक करते सोसाइटी के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : शहर की पॉश कॉलोनी मेट्रोपोलिस रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिसको लेकर सोसाइटी पदाधिकारियों की एक बैठक हुई और तिथियों की घोषणा की गई। निर्णय लिया कि इस बार चुनाव प्रक्रिया तहसीलदार की मौजूदगी में प्रारंभ होगी।

रविवार को पदाधिकारियों की एक बैठक हुई और काफी मंथन के बाद निर्णय लिया गया कि 23 मार्च से चुनाव प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी तहसीलदार दिनेश कुटोला होगी। तहसीलदार ने बताया कि सोसाइटी में 1700 परिवार रहते हैं और 649 मतदाता हैं। चुनाव अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव सहित चार सदस्यों के पदों पर होगा। बताया कि 23 मार्च सोमवार से नामांकन पत्र जमा होंगे। 24 मार्च को प्रपत्रों की जांच होगी। 25 मार्च को नामांकन पत्र वापसी के अलावा 29 मार्च को क्लब में मतदान होगा। बताया कि मतदान सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे होगा और दोपहर तीन बजे के बाद मतगणना प्रारंभ होगी। चुनाव अधिकारी ने बताया कि चुनाव पारदर्शी कराने की सभी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं।

ज्ञानदीप की श्रेया का नवोदय के लिए चयन

श्रेया बोरा।

खटीमा: ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांगी की छात्रा श्रेया बोरा का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हो गया है। वहीं विद्यालय के सातवीं कक्षा के छात्र प्रियांशु राज का चयन इंस्पायर अवार्ड के लिए हुआ है। दोनों बच्चों की सफलता पर प्रबंधक/प्रधानाचार्य दिगंबर सिंह बोरा, वीर सिंह, नन्दन सिंह बसेड़ा, अभिषेक कुमार, प्रताप सिंह, राहुल चौहान, राज किरण सिंह, संजय सिंह, मीना भट्ट, दीपा बोरा, ज्योति कन्याल, रश्मि गहतोड़ी, उर्मिला मारकोना, सोनिया रावत, लक्ष्मी नेगी, रिया कन्याल आदि ने बधाई दी है।

कार्यक्रम विश्व जल दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम और गोष्ठी

‘जल है तो कल है’ के साथ जल संरक्षण की शपथ

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में जल संरक्षण की शपथ लेते पीएमश्री अटल उत्कृष्ट जीआईसी के कैडेट्स। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विश्व जल दिवस पर पीएमश्री अटल उत्कृष्ट थारू राजकीय इंटर कॉलेज में एनसीसी कैडेट्स द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जल की घटती मात्रा एवं स्वच्छ जल के संकट पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते जल संरक्षण के प्रभावी उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में जल संकट और भी गंभीर हो सकता है। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें अपने दैनिक जीवन में जल का सदुपयोग और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। एनसीसी कैडेट्स द्वारा जल संरक्षण की शपथ भी ली गई।इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी नरेंद्र सिंह रौतेला, डॉ. रामजी वर्मा, जागेश तिवारी, स्वाति बिष्ट, मनीषा कल्पसी, विवेक जोशी आदि मौजूद रहे।

इधर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विश्व जल दिवस पर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए शिविर आयोजित किया गया। जिसमें जल के महत्व कानूनी अधिकार, जल संरक्षण, भूजल प्रबंधन और स्वच्छ जल के प्रति जनता को जागरूक किया गया। जल संस्थान में आयोजित शिविर में अध्यक्षता करते हुए सहायक अभियंता आनंद बल्लभ जोशी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को जल दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य है कि लोगों को पानी के महत्व और जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने कहा कि समय रहते पानी का बचाव करना है नहीं तो भविष्य में जल संकट और भी बढ़ सकता है। अंत में " जल है तो कल है " जल संरक्षण की शपथ ग्रहण कराई गई। इस मौके पर एम इलियास सिद्दीकी, आरबी सिंह राणा, माया देवी, पिंकी राणा, कमल किशोर जोशी, दीनदयाल, सहायक अभियंता कमलेश सिंह रावत, संजय गहतोड़ी, अभिषेक मनराल, आशा मेहरा, कल्पना उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

जमीन को लेकर भाइयों में मारपीट

सितारगंज : जमीनी विवाद को लेकर तीन भाइयों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट में एक भाई की पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। वहीं, मामले में पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है।

गांव तुर्कातिसौर निवासी मुरली प्रसाद ने बताया कि संपत्ति विवाद के चलते उसके भाई, उससे व उसके परिवार से आपसी रंजिश रखते हैं। 21 मार्च को वह किसी काम से घर से बाहर गया हुआ था। उसका बेटा भी घर पर नहीं था। तभी उसके दोनों भाई अपने बेटों के साथ उसके घर पहुंचे। वहां उसकी पत्नी उर्मिला देवी पर जानलेवा हमला कर दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उसकी जान बचाई।

निर्माणाधीन सड़क पर पलटा वाहन

- पुलिया धंसने से हुआ हादसा चालक गंभीर रूप से घायल

संवाददाता, दिनेशपुर

दिनेशपुर रामबाग गांव के निकट पुलिया से टकराकर पलटा वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गदरपुर-मटकोटा निर्माणाधीन डबल लेन मार्ग पर रामबाग गांव के पास सड़क पर बनी पुलिया धंसने से मिक्सर सामग्री ले जा रहा एक वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया की दीवार तोड़ता हुआ पलट गया। घटना में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल चालक गोपाल सिंह को निकाल कर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

रविवार को मटकोटा- गदरपुर मार्ग पर प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक वाहन मिक्सर प्लांट से निर्माण सामग्री लेकर हल्द्वानी रोड की ओर जा रहा था। इसी दौरान सड़क के किनारे बनी पुलिया अचानक धंस गई। वाहन संतुलन खो बैठा और पलट गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में भारी अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिया का निर्माण बेहद घटिया सामग्री से किया गया है। जिससे पुलिया भारी वाहन के भार सहन नहीं कर सकी। इधर लोक निर्माण विभाग के अपर सहायक अभियंता हरीश बसेड़ा ने आरोपों को खारिज करते हुए हादसे के लिए ओवरलोड वाहन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि फिलहाल सड़क का सिंगल लेन निर्माण कार्य चल रहा है। इस दौरान अधिक भार से लदा वाहन पुलिया से टकरा गया, जिससे कारण दुर्घटना हुई है।

ब्रीफ न्यूज

साहित्यकार कुमुद को राज्यपाल ने किया सम्मानित

खटीमा : देहरादून में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्यपाल गुरमीत सिंह ने अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रदेश अध्यक्ष साहित्यकार डॉ .जगदीश पंत कुमुद को साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए ने सम्मानित किया गया। डॉ . पंत फार्मेसी अधिकारी के पद पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चकरपुर में सेवारत हैं। कुमुद की इस उपलब्धि पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ केसी पंत, डॉ वीपी सिंह, डॉ . सिद्धेश्वर सिंह, वरुण अग्रवाल, महेन्द्र प्रताप पांडे नन्द, डॉ . रूप चंद्र शास्त्री, रामरतन यादव, दीपक फुलेरा, हिमांशु बिष्ट, हेमा परिहार, हरीश शर्मा, सौरभ पाण्डे, पूर्व विधायक डॉ प्रेम सिंह राणा आदि ने बधाई दी है।

अवैध मांस बिक्री की कवरेज करने गए पत्रकार पर हमला

बाजपुर : नवरात्र के दौरान प्रतिबंध के बावजूद अवैध मांस बिक्री की वीडियो बनाने पर एक न्यूज चैनल के पत्रकार मोहम्मद जलीस के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। रविवार सुबह मुड़िया पिस्तौर के पास एक मकान में पशु वध की सूचना पर कवरेज करने पहुंचे पत्रकार पर मांस विक्रेताओं ने धारदार औजारों से हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने पत्रकार का मोबाइल छीनकर वीडियो डिलीट करने का प्रयास किया और जान से मारने की धमकी दी। शोर मचने पर स्थानीय लोगों ने बीच-बचाव किया। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

सुलह की कोशिशों के बीच महिला और बच्चों को पीटा

बाजपुर : बरहैनी क्षेत्र में पारिवारिक विवाद सुलझाने के दौरान मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति, देवर और देवरानी पर खुद और अपने दो मासूम बच्चों के साथ लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना के अनुसार, रविवार सुबह करीब 11 बजे महिला का दामाद पति-पत्नी के बीच सुलह करा रहा था। आरोप है कि इसी बीच देवर और देवरानी ने दखल देकर विवाद बढ़ा दिया, जिसके बाद तीनों आरोपियों ने महिला और बच्चों पर हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए पड़ोसियों से भी अभद्रता की गई।

मारपीट में दो घायल

बाजपुर : बरहैनी क्षेत्र में रविवार को किसी बात को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। घटना में एक महिला सहित दो लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार चनकपुर निवासी 45 वर्षीय अफरोज जहां पत्नी सफदर अली और उसका 17 वर्षीय बेटा अरमान विवाद के दौरान घायल हो गए।

सौतेले पिता ने बेटी से किया दुष्कर्म, केस दर्ज

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार : सितारगंज क्षेत्र में एक सौतेले पिता द्वारा अपनी ही बेटी को हवस का शिकार बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने न केवल पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया, बल्कि वीडियो बनाकर उसे लंबे समय तक ब्लैकमेल भी किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता के अनुसार, 2010 में पिता की मौत के बाद उसकी मां ने नानकमत्ता निवासी व्यक्ति से दूसरी शादी की थी। 2019 में मां की मौत और भाई के बाहर जाने के बाद वह घर में सौतेले पिता के साथ अकेली रह गई। आरोप है कि एक दिन नहाते समय आरोपी ने उसका वीडियो बना लिया और फिर लोक-लाज का डर दिखाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि 2021 में उसकी शादी उत्तर प्रदेश में हो गई, लेकिन जब भी वह मायके आती, आरोपी उसके साथ छेड़खानी करता। हद तो तब हो गई जब इसी साल 11 जनवरी 2026 को पीड़िता के पति की मौत हो गई। आरोप है कि 21 जनवरी को जब पीड़िता अपने बच्चों के साथ कमरे में थी, तब आरोपी ने वहां पहुंचकर फिर से छेड़छाड़ की। अब आरोपी उसे फोन और मैसेज कर लगातार परेशान कर रहा है। क्षेत्राधिकारीबीएस धौनी ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा-राजा जगतदेव का जीवन त्याग, पराक्रम और जनसेवा की मिसाल है

राजा जगतदेव की दिव्य प्रतिमा का अनावरण किया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : ग्राम खंबारी स्थित श्रद्धेय राजा जगतदेव बहुद्देशीय भवन परिसर में रविवार को राजा जगतदेव महाराज की भव्य अश्वारूढ़ प्रतिमा का अनावरण एवं लोकार्पण अत्यंत श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। 24.50 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस दिव्य प्रतिमा का अनावरण नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने वैदिक मंत्रोच्चारण और पुष्प वर्षा के बीच किया। इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने के लिए बड़ी संख्या में जनजाति समाज और क्षेत्र के लोग उमड़े।

मुख्य अतिथि यशपाल आर्य ने प्रतिमा पर तिलक कर नमन किया।

राजा जगतदेव की नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य।

जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रतिमा का अनावरण नहीं, बल्कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का शंखनाद है। उन्होंने राजा जगतदेव महाराज को मानवता और न्याय का संरक्षक बताते हुए कहा कि उनका जीवन त्याग, पराक्रम और जनसेवा की मिसाल है। जनजाति समाज में आज भी उनके स्मरण के बिना कोई भी शुभ कार्य अधूरा माना जाता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा को प्राथमिकता देने और अपनी जड़ों से जुड़े रहने का आह्वान किया।

भव्य कलश यात्रा और झांकियों ने मोहा मन

मुख्य कार्यक्रम से पूर्व बरहैनी से कार्यक्रम स्थल तक करीब दो किलोमीटर लंबी मंगल कलश शोभायात्रा निकाली गई। सैकड़ों महिलाओं ने सिर पर कलश रखकर भजनों के बीच यात्रा पूरी की। घोड़े पर सवार राजा जगतदेव की झांकी और श्रीराधा-कृष्ण के रूप में सजे कलाकारों का नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। श्रद्धालुओं ने पूरी राह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया।

समरसता भोज का आयोजन किया

कार्यक्रम के अंत में एक विशाल समरसता भोज का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने जाति-पाति का भेद भुलाकर एक साथ प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, पूर्व विधायक संजीव आर्य, पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते, हरमिंदर सिंह ढिल्लो, जोरावर सिंह भुल्लर सहित भारी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और श्रद्धालु उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण श्रद्धा और भक्ति के जयकारों से सराबोर रहा।

अंबेडकर चौक बंद करने के विरोध में सड़क पर उतरे विधायक बेहड़

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों का पुतला फूंका, उग्र आंदोलन की चेतावनी दी

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : बरेली मार्ग स्थित अंबेडकर चौक (दरऊ चौक) को बंद किए जाने के विरोध में रविवार को जमकर हंगामा हुआ। क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ के नेतृत्व में दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एनएचएआई और जिला प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए चौराहे पर ही टेंट लगाकर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान आक्रोशित कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों का पुतला भी दहन किया।

धरने को संबोधित करते हुए विधायक तिलक राज बेहड़ ने प्रशासन की कार्रवाई को ''तुगलकी फरमान'' करार दिया। उन्होंने कहा कि अंबेडकर चौक शहर का मुख्य केंद्र है, जहां से दर्जनों ग्रामीण क्षेत्रों और स्कूली बच्चों का आवागमन होता है। राजनीतिक षड्यंत्र का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मुख्य चौक को बंद कर 200 मीटर की दूरी पर कट खोल दिए गए हैं, जिससे व्यापारियों, ग्रामीणों और

किच्छा में धरना प्रदर्शन करते विधायक तिलक राज बेहड़ एवं कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

प्रदर्शन में ये जनप्रतिनिधि रहे शामिल

प्रदर्शन के दौरान निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेश प्रताप सिंह, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुनीता कश्यप, युवा कांग्रेसी भूपेंद्र पपनेजा उर्फ बंटी, हाजी सरवर यार खान, गुलशन सिंधी, छोटेलाल कोहली, दिलीप बिष्ट, मेजर सिंह, ओम प्रकाश दुआ, हरभजन सिंह, दानिश मलिक, फजील खान, संतोष अधिकारी, एन यू खान, राजीव अग्रवाल, धर्मेंद्र सिंधी आदि मौजूद रहे।

वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

विधायक बेहड़ ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन ने जल्द ही चौराहे को यातायात के लिए सुचारू नहीं किया, तो वे उच्च न्यायालय की शरण लेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वाले अधिकारियों को भी इस मामले में पक्षकार बनाकर कठघरे में खड़ा किया जाएगा। कांग्रेसियों की मुख्य मांग है कि अंबेडकर चौक का सौंदर्यीकरण कर इसे विशाल बनाया जाए और यहां ट्रैफिक लाइट की व्यवस्था की जाए।

विवाहिता ने घर में फांसी लगाकर जान दी

शक्तिफार्म : सुरेंद्रनगर निवासी विवाहिता ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रीना (फाइल फोटो)।

सुरेंद्रनगर निवासी 28 वर्षीय रीना मंडल, पत्नी दिलीप मंडल ने शनिवार शाम करीब छह बजे अपने कच्चे घर में लकड़ी के खंभे से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। घटना के समय घर पर कोई नहीं था। पति बाजार गया था, जबकि सास व तीनों बच्चे भी घर से बाहर थे। शाम को जब बच्चे घर लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। दूसरे कमरे से अपनी मां को फांसी पर लटका देख बच्चों ने शोर मचा दिया। आसपास के लोग मौके पर पहुंच दरवाजा तोड़ा और महिला को नीचे उतारा। तत्काल महिला को उप जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर कोतवाल सुंदरम शर्मा एवं चौकी प्रभारी ललित चौधरी ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई एवं शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतका अपने पीछे रोते बिलखते तीन बच्चों को छोड़ गई है।

हमलावरों की नहीं हो सकी गिरफ्तारी, रोष

पुलिस को ज्ञापन सौंपते बंगाली समुदाय के लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार : ढाई माह पूर्व बंगाली कल्याण समिति के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं कथावाचक पर अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए जानलेवा हमले के आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। नाराज लोगों ने चौकी पुलिस को ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र खुलासे की मांग की।

छह जनवरी को बंगाली कल्याण समिति के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं कथावाचक रामचंद्र राय पर अज्ञात हमलावरों ने जानलेवा हमला किया था। आरोप है कि हमलावरों ने रामचंद्र राय को जान से मारने की नीयत से फायर भी झोंक दिया था। परंतु वह बाल बाल बच गए। उस दौरान रामचंद्र राय ने चौकी पुलिस को अज्ञात के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुए कार्रवाई की मांग की थी । घटना के ढाई महीने बीतने के बावजूद पुलिस अभी तक अज्ञात हमलावरों की तलाश एवं गिरफ्तारी कर नहीं सकी। जिससे लोगों में पुलिस के प्रति खासा रोष है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठने लगा है। रविवार को पूर्व जिला पंचायत सदस्य उत्तम आचार्य की अगुवाई में लोगों ने चौकी पहुंचकर प्रभारी ललित चौधरी को ज्ञापन देकर हमलावरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में उत्तम आचार्य, विनय विश्वास, अमित सरकार, सुमिंदर यादव, सागर मंडल, प्रशांत मंडल, श्रीकांत मिस्त्री, मोतीलाल राजभर, विभूति प्रसाद मौजूद रहे।

भाजपा नेता के बेटे ने कार से युवक को कुचला

संवादाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: शहर के वरिष्ठ भाजपा नेता के बेटे द्वारा नशे की हालत में नेपाली युवक को कार से रौंदने का मामला सामने आया है। नेपाली न्यूज़ में चली इस खबर में रुद्रपुर में चर्चा को तेज कर दिया है। बताया जा रहा है कि युवक की मौत हो चुकी है और नेपाल प्रहरी ने भाजपा नेता के बेटे को गिरफ्तार भी कर लिया है।

बताते चलें कि रविवार को नेपाल से एक न्यूज आई कि महेन्द्र नगर के कंचनपुर के पूर्व पश्चिम मार्ग पर एक कार ने भीमदत्त नाम के युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की दर्दनाक मौत हो गई। खबर यह भी है कि युवक रुद्रपुर के सीनियर, बंगाली नेता और पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष का बेटा हैं। जो कि एक दो दिन पहले ही नेपाल गया था। जहां उसने कैसिनो में मौज मस्ती की। जमकर शराब का सेवन कर वह कार चला रहा था। जिसकी चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि नेपाल प्रहरी यानि नेपाली पुलिस ने भाजपा नेता के बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और नेपाल कानून के हिसाब से युवक पर 30 लाख का हर्जाना देने का प्रस्ताव रखा है। नेपाली कानून में फंसे बेटे की खबर मिलते ही भाजपा नेता पिता के नेपाल रवाना होने की चर्चा तेज है।

दिनेशपुर में इलेक्ट्रिक चूल्हे की बढ़ी मांग

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: एलपीजी सिलेंडर की किल्लत के चलते उपभोक्ताओं को इलेक्ट्रिक चूल्हा और लकड़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है। रेस्टोरेंट में कॉमर्शियल गैस उपलब्ध न होने से अधिकांश दुकानदार इलेक्ट्रिक चूल्हा और लकड़ियों के सहारे अपनी रसोई और प्रतिष्ठान चला रहे हैं। किल्लत के चलते नगर में कई चाय व पकौड़ी के खोखे बंद हो गए।

सुखिजा इलेक्ट्रिकल एंड इनवर्टर प्रतिष्ठान के स्वामी युवा व्यापारी नेता चेतन सुखीजा ने कहा कि चैत्र नवरात्र के चलते एलपीजी सिलेंडर व कॉमर्शियल गैस सिलेंडर न मिलने से उपभोक्ताओं की इलेक्ट्रिक चूल्हा की मांग बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि आम लोगों और रेस्टोरेंट स्वामियों द्वारा इलेक्ट्रिक चूल्हा जमकर खरीदा जा रहा है। जबकि उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर के मुताबिक विद्युत मूल्य अधिक होने से महंगा पड़ रहा है। किसान नेता गोविंद सिंह कोरंगा ने बताया कि एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा लकड़ी के सहारे चूल्हा में खाना बनाया जा रहा है। यही हाल रहा तो लकड़ियों के दाम भी बढ़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि एलपीजी व कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत से रेस्टोरेंट व ढाबे स्वामियों ने सामान का रेट बढ़ा दिए हैं। समाजसेवी अनिल रौतेला ने बताया कि प्रशासन को एलपीजी गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकनी चाहिए। सिलेंडर ब्लैक में 2500 से 3000 रुपये तक मिल रहा है।

दिनेशपुर में इलेक्ट्रिक चूल्हा खरीदता उपभोक्ता। ● अमृत विचार

गैस सिलेंडरों की होम डिलीवरी ठप

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : बाजपुर क्षेत्र में रसोई गैस वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आलम यह है कि उपभोक्ता तड़के चार बजे से ही अनाज मंडी स्थित वितरण स्थल पर लंबी कतारों में लगने को मजबूर हैं। घंटों इंतजार के बाद भी सिलेंडर न मिलने से लोगों का धैर्य जवाब दे गया है, जिसके चलते रविवार को उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन किया।

रविवार को स्थिति तब और गंभीर हो गई जब सुबह से लाइन में लगे दर्जनों ग्रामीणों को दोपहर एक बजे तक भी गैस वाहन के दर्शन नहीं हुए। चकरपुर, मुड़िया कलां, लखनपुर और केलाखेड़ा जैसे दूर-दराज के गांवों से आए लोग खाली सिलेंडर लेकर मायूस होकर लौट गए। उपभोक्ता जाकिर हुसैन ने बताया कि 11 मार्च को बुकिंग और भुगतान के बावजूद एक सप्ताह बाद भी उन्हें सिलेंडर नहीं मिला है।

बाजपुर में अनाज मंडी स्थित वितरण स्थल पर प्रदर्शन करते उपभोक्ता।

प्रदर्शनकारी उपभोक्ताओं—राकेश, यूसुफ, जरीना और शकीला आदि ने वितरण कर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शनिवार को उन्हें गाड़ी न आने की बात कहकर लौटा दिया गया, जबकि बाद में गुपचुप तरीके से कुछ लोगों को सिलेंडर बांट दिए गए। रविवार को भी लोग इस उम्मीद में भूखे-प्यासे खड़े रहे कि शायद वाहन आ जाए, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी।

किच्छा में 5 करोड़ से बनेगा कम्युनिटी हॉल

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ के सतत प्रयासों के बाद किच्छा को आधुनिक कम्युनिटी हॉल की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस परियोजना के लिए 4 करोड़ 99 लाख 74 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत कर दी है। इस घोषणा से खुश कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दीनदयाल चौक पर आतिशबाजी व मिष्ठान वितरण कर जश्न मनाया।

विधायक बेहड़ ने बताया कि वह वर्ष 2022 से लगातार इस मांग को उठा रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री और गन्ना मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शुगर फैक्ट्री परिसर में भूमि उपलब्ध करा दी गई है। इस हॉल के निर्माण से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को विवाह व सामाजिक कार्यक्रमों के लिए एक सुलभ स्थान मिल सकेगा। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने विधायक का भव्य स्वागत किया। इस मौके पर सुनीता कश्यप, गुलशन सिंधी, दर्शन कोहली, राजेश प्रताप सिंह, मेजर सिंह, छोटे लाल कोली, दिलीप सिंह बिष्ट, बंटी पपनेजा, नजाकत खान, संतोष ठाकुर, जस्सी देओल, एनयू खान, धर्मेंद्र सिंधी, लियाकत अंसारी आदि मौजूद रहे।

उत्साह | धामी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां व उपलब्धियां गिनाईं

प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा का भव्य स्वागत

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार : भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा के बेरिया रोड स्थित सूरी फार्म पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं के साथ उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों और उत्तराखंड के विकास मॉडल पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुखीजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के युवा नेतृत्व में प्रदेश प्रगति के नए सोपान तय कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़कों और हाईवे का जो मजबूत जाल बिछाया गया है, उससे न केवल दूरियां कम हुई हैं, बल्कि पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी नई संजीवनी मिली है। गुंजन सुखीजा ने प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि जहां दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही है, वहीं भारत ने अपने मजबूत प्रबंधन से महंगाई और वैश्विक दबाव को नियंत्रित रखा है। उन्होंने पीएम मोदी के जीवन को समर्पण की मिसाल बताते हुए कहा कि उनके हर निर्णय में राष्ट्रहित सर्वोपरि होता है। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में हो रहे निरंतर विकास कार्यों के दम पर वर्ष 2027 में भी जनता का भारी समर्थन भाजपा को मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री गोल्डी सूरी, जिला मंत्री बिट्टू चौहान, मुकेश बाबा, बिट्टू सिंह डब, शिवम दिवाकर और अंकुश सूरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाजपुर में भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा का स्वागत करते कार्यकर्ता।

पूर्णागिरि दर्शन को जा रही महिला की मौत

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : मां पूर्णागिरि के दर्शन की अभिलाषा लेकर घर से निकले एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले से पति और बेटे के साथ बाइक पर जा रही एक महिला की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जनपद पीलीभीत, तहसील पूरनपुर के ग्राम सुआभोज निवासी बुद्धसेन अपनी पत्नी ज्ञान देवी (35 वर्ष) और 8 वर्षीय पुत्र शेखर के साथ बाइक से पूर्णागिरि जा रहे थे। झनकईया थाने से लगभग दो किलोमीटर पहले अचानक बुद्धसेन की बाइक अनियंत्रित हो गई। इस दौरान पीछे बैठी ज्ञान देवी छिटककर सड़क पर गिर गईं और उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं। पीछे से आ रहे गांव के अन्य यात्रियों ने तत्काल आपातकालीन सेवा 108 और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से घायल महिला को उप जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतका के पति और बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है। ज्ञान देवी अपने पीछे पति और दो बेटों, अमित व शेखर, को रोता-बिलखता छोड़ गई हैं।

नखासा बाजार में बिकने पहुंचा 10 लाख का घोड़ा

चैती मेले में नखासा बाजार का शुभारंभ, मारवाड़ी घोड़ा बना आकर्षण का केंद्र, विभिन्न नस्लों के घोड़े बिकने पहुंचे हैं मेले में

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर में प्रतिवर्ष मां भगवती बाल सुंदरी देवी के मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक चैती मेले में लगने वाला नखासा बाजार अपने चरम पर है। साथ ही यह मेले के प्रमुख आकर्षण केंद्रों में से है। किंवदंती है कि इस मेले में कभी चंबल के डाकू अपनी पसंद का घोड़ा खरीदकर ले जाते थे। बताया जाता है कि चैती मेला में नखासा बाजार करीब 400 वर्ष पूर्व रामपुर निवासी घोड़ों के बड़े व्यापारी हुसैन बख्श ने शुरू किया था। मेले में इस बार हजारों से लेकर लाखों रुपये की कीमत तक के घोड़े बिक्री के लिए पहुंचे हैं।

चैती मेले में लगने वाला नखासा बाजार सैकड़ों वर्षों से लगता आ रहा है। यह बाजार चैती मेले के उद्घाटन के दिन से शुरू होकर सातवें दिन मां बाल सुंदरी देवी के चैती मंदिर में डोला आने तक लगता है। इस बाजार में घोड़ा व्यापारी पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान, गुजरात, पंजाब आदि से घोड़े बेचने आते हैं और यहां बिक्री करके अपने घोड़े की अच्छी कीमत वसूलकर जाते हैं। इस बार भी यह बाजार अपने पूरे शबाब पर है। खरीददार यहां घोड़ों को दौड़ाकर व उनके करतब देखकर सही तरीके से जांच परखकर घोड़े खरीदते हैं। इस बार इस घोड़ा बाजार में सिंधी, अरबी, मारवाड़ी तथा अवलक सहित अमृतसरी, वल्होत्रा, नुखरा, अफगानी हर प्रजाति के घोड़े आये हैं। यहां लुधियाना व पंजाब और राजस्थान से लाए घोड़ों की काफी डिमांड खरीदार करते हैं। काशीपुर के मां बाल सुंदरी देवी मंदिर में लगने वाले इस चैती मेले में हर साल लगने वाले नखासा बाजार का अनुमान इसी से ही लगाया जा सकता है कि अपने समय का मशहूर डाकू सुल्ताना भी अपने लिए इसी नखासा बाजार से घोड़ा खरीदकर ले जाता था। उस समय घोड़े 5 रुपये से लेकर 50 रुपये तक और अच्छे से अच्छा घोड़ा 100 और 150 रुपये में मिल जाता था। इस बाजार में 10 से 12 नस्ल के घोड़े बिकने आते हैं। मेले के नखासा बाजार में उत्तराखंड, यूपी समेत कई प्रदेशों से लोग घोड़े खरीदने आते हैं। इस घोड़ा बाजार को 135 से 140 साल हो गए हैं। पूर्व में यह घोड़ा बाजार पूरे भारत में अपना महत्व रखता था। यहां पूरे भारत से व्यापारी और खरीदार आते थे। यहां तक कि मेरठ, बाबूगढ़ छावनी, रानीखेत छावनी और गौशाला तक से घोड़े खरीदने आते थे।

इस बार काशीपुर में सबसे महंगा घोड़ा 10 लाख रुपये की कीमत का है जो काशीपुर के कुंडा क्षेत्र के ग्राम बैतवाला निवासी सरनजीत सिंह लाए हैं, जो सिर झुकाकर नमस्ते करता है।

काशीपुर के चैती मैदान में लगे नखासा बाजार में पहुंचे घोड़े। ● अमृत विचार

कभी घोड़ा खरीदने आता था सुल्ताना डाकू

- चैती मेले में लगने वाले नखासा बाजार में उमड़ रही भीड़
- 400 वर्ष पूर्व रामपुर के घोड़ा व्यापारी हुसैन बख्श ने की थी शुरूआत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर में प्रतिवर्ष मां भगवती बाल सुंदरी देवी के मंदिर परिसर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक चैती मेले में लगने वाला नखासा बाजार अपने चरम पर है। साथ ही यह मेले के प्रमुख आकर्षण केंद्रों में से है। किंवदंती है कि इस मेले में कभी चंबल के डाकू अपनी पसंद का घोड़ा खरीदकर ले जाते थे। बताया जाता है कि चैती मेला में नखासा बाजार करीब 400 वर्ष पूर्व रामपुर निवासी घोड़ों के बड़े व्यापारी हुसैन बख्श ने शुरू किया था। मेले में इस बार हजारों से लेकर लाखों रुपये की कीमत तक के घोड़े बिक्री के लिए पहुंचे हैं।

चैती मेले में लगने वाला नखासा बाजार सैकड़ों वर्षों से लगता आ रहा है। यह बाजार चैती मेले के उद्घाटन के दिन से शुरू होकर सातवें दिन मां बाल सुंदरी देवी के चैती मंदिर में डोला आने तक लगता है। इस बाजार में घोड़ा व्यापारी पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के अलावा राजस्थान, गुजरात, पंजाब आदि से घोड़े बेचने आते हैं और यहां बिक्री करके अपने घोड़े की अच्छी कीमत वसूलकर जाते हैं। इस बार भी यह बाजार अपने पूरे शबाब पर है।

काशीपुर के मां बाल सुंदरी देवी मंदिर में लगने वाले इस चैती मेले में हर साल लगने वाले नखासा बाजार का अनुमान इसी से ही लगाया जा सकता है कि अपने समय का मशहूर डाकू सुल्ताना भी अपने लिए इसी नखासा बाजार से घोड़ा खरीदकर ले जाता था। इस बार काशीपुर में सबसे महंगा घोड़ा 10 लाख रुपए की कीमत का है जो काशीपुर के कुंडा क्षेत्र के ग्राम बैतवाला निवासी सरनजीत सिंह लाए हैं, जो सिर झुकाकर नमस्ते करता है।

राजस्थान से लाए घोड़े डिमांड में

खरीददार यहां घोड़ो को दौडाकर व उनके करतब देखकर सही तरीके से जांच परखकर घोड़े खरीदते हैं। इस बार इस घोड़ा बाजार में सिंधी, अरबी, मारवाड़ी तथा अवलक सहित, अमृतसरी, वल्होत्रा, नुखरा, अफगानी हर प्रजाति के घोड़े आये हैं। यहां लुधियाना व पंजाब और राजस्थान से लाए घोड़ो की काफी डिमांड खरीदार करते हैं।

कभी अच्छी नस्ल का घोड़ा 100 रु. में मिलता था

उस समय घोड़े 5 रुपए से लेकर 50 रूपए तक और अच्छे से अच्छा घोड़ा 100 और 150 रुपये में मिल जाता था। इस बाजार में 10 से 12 नस्ल के घोड़े बिकने आते हैं। मेले के नखासा बाजार में उत्तराखंड, यूपी समेत कई प्रदेशों से लोग घोड़े खरीदने आते हैं। इस घोड़ा बाजार को 135 से 140 साल हो गए हैं। पूर्व में यह घोड़ा बाजार पूरे भारत मे अपना महत्व रखता था। यहां पूरे भारत से व्यापारी और खरीददार आते थे। यहां तक कि मेरठ, बाबूगढ़ छावनी, रानीखेत छावनी और गौशाला तक से घोड़े खरीदने आते थे।

मेला परिसर में निशुल्क रेडक्रॉस शिविर शुरू

काशीपुर में शिविर का शुभारंभ करतीं पूर्व महापौर ऊषा चौधरी। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: मां बाल सुंदरी देवी के ऐतिहासिक चैती मेला परिसर में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी काशीपुर शाखा इकाई के तत्वावधान में 15 दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व महापौर ऊषा चौधरी ने दीप प्रज्वलित एवं रेडक्रॉस ध्वजारोहण कर किया।

इससे पूर्व सोसायटी सदस्यों द्वारा मुख्य अतिथि समेत अतिथियों का बुके और फूल मालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान संचालन कर रहे पूर्व सचिव हरीश जोशी ने स्वास्थ्य, सेवा और मैत्री भाव से चलने वाले 15 दिवसीय निशुल्क शिविर संचालन की जानकारी दी। वहीं मुख्य अतिथि पूर्व महापौर चौधरी ने शिविर आयोजकों और निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य में लगे चिकित्सकों की सराहना करते हुए कहा कि मरीज को समय पर चिकित्सा उपचार, आपातकालीन सेवाएं और आवश्यक चिकित्सा सामग्री के माध्यम से मेले में दूर-दूराज से आए लोगों को शिविर में तैनात चिकित्सकों के माध्यम से निःशुल्क चिकित्सा उपचार मिलना निश्चित सेवा और पुनीत कार्य है। वहीं पंडा परिवार ने शिविर के सफल संचालन के लिए मां भगवती से कामना की। वहां पर संरक्षक जेपी अग्रवाल, मुख्य पंडा विकास अग्निहोत्री, पंडा कृष्ण गोपाल अग्निहोत्री, पंडा मनोज अग्निहोत्री, पंडा संदीप अग्निहोत्री, कोषाध्यक्ष अरविंद सक्सेना, जिला कोर कमेटी सदस्य सरोज ठाकुर, कौशलेश गुप्ता, संजीव शर्मा, डॉ. अकील हुसैन, मो. आरिफ, डॉ. जैड रहमान, अमरीक सिंह, गौरव रस्तोगी, जगदीश राना, जगदीश पनेरु, डॉ. रवि यादव आदि मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

दो के खिलाफ बिजली चोरी की रिपोर्ट दर्ज

काशीपुर : ऊर्जा निगम के उप खंड अधिकारी द्वितीय शैलेंद्र कुमार सैनी ने अवर अभियंता विनोद कुमार, लाईनमैन सुरेंद्र सिंह के साथ गढ़ीनेगी के आदर्श नगर में बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान टीम ने आदर्श नगर निवासी निशान सिंह व राजविंदर सिंह के घरों में विद्युत मापक यंत्र से पहले कटिया डालकर विद्युत चोरी करते पकड़ लिया। टीम ने मौके से विद्युत केबल को कब्जे में ले लिया।

खौलता तेल गिरने से बच्चा झुलसा

काशीपुर : खौलता तेल गिरने से एक बच्चा झुलस गया। बाजपुर रोड आलू फार्म निवासी ओमकार का तीन वर्षीय बच्चा माधव घर पर ही गर्म तेल गिरने से झुलस गया। परिजनों ने उसे इलाज के लिए एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

बाइक खड़ी करने को लेकर लाठी-डंडे चले

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बाइक खड़ी करने को लेकर हुए विवाद में जमकर लाठी डंडे चले। जिसमें दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला अल्ली खां निवासी अरमान ने पुलिस में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि बीती 20 मार्च की शाम लगभग साढ़े छह बजे वह अपने ताऊ रईस के बेटे फईम निवासी मोहल्ला अल्ली खां के घर पर आया था। वह अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी कर रहा था। वहां पर नसीम निवासी सुनहरी मस्जिद के पास मोहल्ला थाना साबिक, जो कि उसके तहेरे भाई के घर के बाहर गोश्त के समोसे का ठेला लगाता है। उसने वहां पर बाइक खड़ी करने को मना किया। तब उसने कहा कि वह दस मिनट में चला जाएगा। इस बात पर वह अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर नसीम, वसीम व इंतजार हुसैन ने उसे लाठी से मारना शुरू कर दिया। बचाने पहुंचे तहेरा भाई फईम पर भी हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। नसीम, वसीम व इंतजार हुसैन ने उसे जान से मारने की धमकी दी। अरमान ने कहा कि उसे उक्त लोगों से जान का खतरा है। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की। मामले की जांच एसआई देवेंद्र सामंत को सौंपी गई है।

बुद्ध वंदना का किया आयोजन

काशीपुर: आंबेडकर पार्क जनकल्याण सेवा समिति की ओर से हर घर बुद्ध हर घर धम्म अभियान के तहत बुद्ध वंदना एवं धम्म देशना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को ग्राम बरखेड़ा पांडे स्थित कृपाल बौद्ध व रानी बौद्ध के निवास पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ बुद्ध के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया। वक्ताओं ने गौतम बुद्ध और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार, बुद्ध वंदना का अर्थ पाली से हिंदी भाषा में समझाया। साथ ही बौद्ध धम्म के महत्व, सम्राट अशोक के योगदान, संवैधानिक बौद्ध पंचशील, अष्टांगिक मार्ग आदि पर प्रकाश डाला। वहां पर समिति अध्यक्ष चंद्रहास गौतम, रेविराम बौद्ध, सरस्वती बौद्ध, ऋषिपाल, रवि कृपाल सिंह, रंजन बौद्ध मौजूद रहे।

काशीपुर-रामनगर रोड का बुरा हाल

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: करीब एक साल से काशीपुर-रामनगर से रोजाना कई अधिकारी गुजरते हैं, लेकिन किसी ने इस खस्ताहाल सड़क निर्माण की पहल नहीं की। नैनीताल स्थित हाईकोर्ट जाने के विभागीय अधिकारी इसी मार्ग से गुजरते हैं। देहरादून से हाईकोर्ट जाने वाले आला अधिकारी भी इसी सड़क से जाते हैं, बावजूद इसके सड़क दुर्दशा सुधारने की कोई पहल किसी अधिकारी ने नहीं की।

करीब एक साल से इस सड़क की मरम्मत नहीं की गई। 28 किलोमीटर लंबी यह सड़क नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधीन है। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक इस मार्ग पर 16 किलोमीटर लंबा फोरलेन बनाया जाएगा। इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। इस मार्ग से हजारों वाहन गुजरते हैं लेकिन सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू ही नहीं की गई। एसडीएम अभय प्रताप सिंह ने बताया कि काशीपुर रामनगर रोड की मरम्मत के लिए लगातार नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया से पत्राचार चल रहा है। फोर लेन के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। उम्मीद है कि जल्द इस मार्ग की मरम्मत हो जाएगी। वहीं कांग्रेस के कांग्रेस प्रदेश महासचिव अनुपम शर्मा ने कहा कि काशीपुर से रामनगर जाने वाली सड़क की हालत एक साल से खस्ताहाल है। आठ साल हो गए अभी तक फ्लाईओवर का निर्माण पूरा नहीं हुआ। तमाम पर्यटक इससे गुजरते हैं।

काशीपुर में खस्ताहाल रामनगर मार्ग से गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में उमड़ी भीड़

काशीपुर : एस्कॉर्ट फार्म, कुंडेश्वरी में परिवर्तन सोशल वेलफेयर सोसायटी द्वारा रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें जोड़ों से संबंधित रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं प्रदान की। सरबरखेड़ा स्थित पेट्रोल पंप के पास आयोजित शिविर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जहां पर वरिष्ठ घुटना एवं कूल्हा प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. तरूण सोलंकी ने परामर्श दिया। सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी और सभी ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों की एक्स-रे जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया गया। साथ ही आवश्यक दवाइयां भी नि:शुल्क वितरित की गईं। विशेष रूप से जोड़ों के दर्द, गठिया एवं अन्य संबंधित समस्याओं से पीड़ित मरीजों को इस शिविर से काफी राहत मिली। यह शिविर केवीआर अस्पताल के सहयोग से आयोजित हुआ। इस दौरान संस्था के समन्वयक अभय मंझारिया मौजूद रहे।

तमिलनाडु से पहुंचे परिजन ले गए शव

- मिल में काम के दौरान हुई थी असिस्टेंट शिफ्ट इंचार्ज की मौत

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: एक पेपर मिल में मशीन की चपेट में आकर हुई तमिलनाडु निवासी असिस्टेंट शिफ्ट इंचार्ज की मौत के बाद काशीपुर पहुंचे परिजनों को पुलिस ने शव सौंप दिया है।

मुरादाबाद रोड स्थित कुंडा कोतवाली क्षेत्र की एक पेपर मिल में कविन राज एस (24) पुत्र सेंथिल कुमार निवासी जिला करूल तमिलनाडु पेपर मिल असिस्टेंट शिफ्ट इंचार्ज कार्यरत थे। वह यहां पर मिल की ओर से मिले रूम में रहकर नौकरी करते थे। बीते शनिवार की शाम लगभग पांच बजे ड्यूटी के दौरान पैर फिसलने के कारण वह फ्रंट रोल मशीन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था। तब मिल अधिकारियों ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दी। रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे मृतक के छोटे भाई एस नितिश ने बताया उनके भाई ने बीती 18 जनवरी को पेपर मिल में पेपर मिल असिस्टेंट शिफ्ट इंचार्ज के पद पर नौकरी ज्वाइन की थी। तब से वह यहां रह रहे थे। वहीं सूचना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। उन्होंने बताया वह लोग हवाई जहाज से दिल्ली पहुंचे और वहां से टैक्सी करके काशीपुर पहुंचे हैं।

क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अहम निर्णय

बाजपुर : क्षेत्रीय भवन धर्मशाला में रविवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर उदयराज सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और चुनाव प्रक्रिया को लेकर कई बड़े प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से मुहर लगाई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 9 मई को सभी स्थानीय इकाइयां अपने-अपने नगरों में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाएंगी। इसके अलावा, संस्था के वार्षिक आय-व्यय के ब्योरे की पुष्टि की गई और डॉ. एमएम सिंह चौहान को नए आजीवन सदस्य के रूप में शामिल करने पर आभार व्यक्त किया गया। चूंकि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है, इसलिए नई टीम के गठन के लिए 17 मई को चुनाव कराने का प्रस्ताव पारित किया गया है। संगठन के सचिव को चुनाव संबंधी तैयारियों के निर्देश दिए गए हैं।

माता निर्मला देवी के जन्मदिवस पर साप्ताहिक ध्यान केंद्र में सहजयोगियों ने काटा केक।

माता निर्मला देवी का 103वां जन्मदिवस मनाया

बाजपुर : सहजयोग की संस्थापिका माता निर्मला देवी का 103वां जन्मदिवस रविवार को बाजपुर में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कॉलेज स्थित साप्ताहिक ध्यान केंद्र में एकत्र हुए सहजयोगियों ने केक काटकर अपनी खुशी साझा की। कार्यक्रम के दौरान सहजयोगियों ने विशेष रूप से इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यू जर्सी (न्यू मिलफर्ड) के मेयर कार्यालय द्वारा उनके 103वें जन्मदिवस को ''श्री माता जी निर्मला दिवस'' घोषित किया गया है। उत्तराखंड सहजयोग के पूर्व स्टेट कोआर्डिनेटर धर्मेंद्र सिंह बसेड़ा ने बताया कि माता जी का जन्म 21 मार्च 1923 को मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में हुआ था। उन्होंने 5 मई 1970 को सहजयोग की स्थापना की थी। इस अवसर पर केंद्र समन्वयक चंद्र प्रकाश, मनोज चौबे ''रिंकू'', पुष्पा, चंद्रभामा और रोहित सक्सेना उपस्थित रहे।

ट्रांसफार्मर में धमाके के साथ लगी आग

बाजपुर: नगर के मोहल्ला मझरा प्रभु (वार्ड नंबर-एक) में शनिवार देर रात एक ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग लग गई। जोरदार धमाके के साथ उठी आग की लपटों से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात करीब 9 बजे ट्रांसफार्मर से तेज चिंगारियां निकलने लगीं और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के मकानों को भी खतरा महसूस होने लगा। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। आग की सूचना मिलते ही सभासद प्रतिनिधि आदित्य चानना, चीनू यादव, विकास कश्यप और आकाश सहित अन्य युवकों ने आग पर काबू पाया। ऊर्जा निगम की टीम भी मौके पर पहुंची।

ईद पर खाना बनाते वक्त सिलेंडर में लगी आग

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: ईद की तैयारियों के बीच काशीपुर क्षेत्र में एक बड़ा हादसा हो गया, जब रसोई में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर के रेगुलेटर लीक होने से घर में भीषण आग लग गई। हादसे के दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई, हालांकि स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बड़ा नुकसान होने से बच गया।

जानकारी के अनुसार ग्राम इस्लामनगर बसई निवासी फरते अली के घर ईद के मौके पर मेहमान आए हुए थे। परिवार के सदस्य और मेहमान नाश्ता कर रहे थे और रसोई में खाना तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक गैस सिलिंडर पर लगा रेगुलेटर लीक होने लगा, जिससे आग की लपटें उठने लगीं। आग की चपेट में आने से मकान की दूसरी मंजिल को भारी नुकसान पहुंचा। छत का प्लास्टर, दीवारों की पुट्टी, टाइल्स, बिजली फिटिंग और खिड़कियों के शीशे तक जलकर या टूटकर क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के दौरान इशरत अली ने ऊपर रखे गैस सिलेंडर को भीगी बोरियों और कंबलों की मदद से सीढ़ियों के रास्ते नीचे लाकर बड़ा खतरा टाल दिया। इसी दौरान वे हल्का झुलस गए। सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई, लेकिन उनके आने तक ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। पीड़ित फरते अली के अनुसार इस हादसे में करीब डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

अवसर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों के इतिहास पर प्रकाश डाला, एकजुटता का आह्वान

राष्ट्रीय स्वयंसेवकों ने प्रतिपदा पर्व पर किया पथ संचलन

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: गुरु द्रोणाचार्य उपनगर के तत्वावधान में पर्व प्रतिपदा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवकों ने सैनिक कॉलोनी, पशुपति विहार रुद्राक्ष गार्डन, गोलू गार्डन दुर्गा कॉलोनी, मंगल बाजार समेत विभिन्न मार्गों पर बड़ी संख्या में पथ संचलन किया।

इससे पूर्व मंगल बाजार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग कार्यवाह नैनीताल रमेश ओली ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों के इतिहास और समाज में बढ़ाते हुए इसके प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पंच परिवर्तन के साथ भारत को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए हम सब संकल्पित हैं। आज हर हिंदू के मन मस्तिष्क में राष्ट्र समर्पण की भावना के साथ सनातन संस्कृति का भाव जागृत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता समाज के लिए बेहद जरूरी है।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रंजन शर्मा ने की। इस अवसर पर संघ संचालक अमित मित्तल, नगर कार्यवाह आदर्श चौधरी, नगर सह कार्यवाह सुरेन्द्र कोठारी, नगर प्रचारक जगदीश, बस्ती प्रमुख पवन जोशी, ज्योतिर्मय बिष्ट, राजेन्द्र सिंह, महेश अग्रवाल, गोविंद नेगी, प्रभाकर दुबे, पार्षद संजय शर्मा, जयदीप समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक मौजूद रहे।

जसपुर में पथ संचलन करते स्वयं सेवक। ● अमृत विचार

जसपुर में भगवा ध्वज के साथ किया पथ संचलन

जसपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भगवा ध्वज के साथ नगर में भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। अनुशासित ढंग से कदमताल करते हुए स्वयंसेवकों ने नगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए अपनी शक्ति और एकता का प्रदर्शन किया। रविवार को धर्मशाला प्रांगण में स्वयं सेवक एकत्रित हुए, यहां से संचलन का शुभारंभ हुआ। पूर्ण गणवेश में सजे स्वयंसेवक हाथों में दंड लिए और घोष की धुन पर कदम से कदम मिलाकर चल रहे थे। संचलन मेन बाजार, बारी चौक, ठाकुर मंदिर चौक, पण्डो वाला कुआं, मोहल्ला चौहानान से होता हुआ वापस अपने गंतव्य पर संपन्न हुआ। पूरे मार्ग में स्थानीय नागरिकों द्वारा स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की गई। जगह-जगह संचलन का स्वागत किया गया। इस दौरान खड़क सिंह चौहान, अशोक खन्ना, जितेंद्र सिंह, संजय अग्रवाल, शिवनंदन, शीतल जोशी, धर्मेंद्र सिंह, भावेश मित्तल, अनिल जोशी, कमल गिरी आदि मौजूद रहे।

समाज के प्रति दायित्वों का बोध कराया

- आरएसएस ने हर्षोल्लास के साथ मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार : गंगापुर रोड स्थित शैल भवन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का वर्ष प्रतिपदा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एजीपी कंपनी के सीईओ अनिल कुमार दीक्षित ने की। मुख्य वक्ता, प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र ने स्वयंसेवकों को नव वर्ष की बधाई देते हुए समाज के प्रति उनके बढ़ते दायित्वों का बोध कराया।

डॉ. शैलेंद्र ने संघ के शताब्दी वर्ष हेतु निर्धारित ''पंच परिवर्तन'' (सामाजिक समरसता, पर्यावरण, परिवार प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य और स्वदेशी) पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की मजबूती के लिए हर नागरिक में स्वदेशी का भाव और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी होनी अनिवार्य है। साथ ही, उन्होंने संकुचित होते परिवारों के दौर में ''आदर्श परिवार'' की संकल्पना को जीवंत करने पर जोर दिया।

बौद्धिक सत्र के उपरांत स्वयंसेवकों ने सामूहिक योग और शारीरिक प्रदर्शन किए। इसके पश्चात पूर्ण गणवेश में भव्य पथ संचलन निकाला गया, जो शहर के मुख्य मार्गों से होता हुआ वापस शैल भवन पहुंचकर संपन्न हुआ।

रुद्रपुर में पथ संचलन करते आरएसएस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

246 ने दी फार्मासिस्ट भर्ती की लिखित परीक्षा

अल्मोड़ा : उत्तराखंड चिकित्सा चयन बोर्ड ओर से आयोजित फार्मासिस्ट भर्ती परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई। इस दौरान कुल 246 छात्र-छात्राएं परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा केंद्रों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। रविवार को उत्तराखंड चिकित्सा चयन बोर्ड की ओर से फार्मासिस्ट भर्ती परीक्षा हुई। जिले में इसके लिए सोबन सिंह जीना राजकीय आयुर्विज्ञान व शोध संस्थान (मेडिकल कॉलेज) को केंद्र बनाया गया था। सुबह 11 बजे से परीक्षा शुरू हुई और एक बजे तक चली। परीक्षा में कुल 275 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थे। इनमें से 246 परीक्षा देने के लिए पहुंचे। परीक्षा के नोडल अधिकारी और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सीपी भैसोड़ा ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

चरस के साथ युवक धरा

रामनगर : पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक कार सवार युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि रविवार सुबह पुलिस टीम हल्द्वानी मार्ग बेलगढ़ क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक कार सवार युवक पुलिस को देख भागने लगा, जिसे पुलिस ने दबोच लिया। उसके पास से 317 ग्राम चरस बरामद की गई। आरोपी की पहचान राज सागर पुत्र भारत सागर, निवासी नई बस्ती गूलरघट्टी के रूप में हुई।

नवरात्र के चौथे दिन भक्तों ने मां कुष्मांडा की पूजा कर मांगी मन्नत

स्याही देवी मंदिर में कथा सुनने उमड़े लोग, मां के दर्शन कर सुख समृद्धि की कामना की

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को भक्तों ने देवी मां के तीसरे स्वरूप कुष्मांडा का पूजन किया। भक्तों ने सुबह सवेरे ही घरों और मंदिरों में पूजन के बाद खासतौर पर मंदिरों में जाकर माता रानी के दर्शन किए और सुख समृद्धि की कामना की।

चैत्र नवरात्र पर अल्मोड़ा नगर और पूरे जिले में श्रद्धालु देवी मां की भक्ति में डूबे हुए है। घरों और मंदिरों में मां भगवती के भजन-कीर्तन का सिलसिला जारी है। पुरोहित पंडित विजय जोशी ने बताया कि पूजन के चौथे दिन कुष्माण्डा देवी के स्वरूप की उपासना की जाती है। इस दिन साधक का मन 'अनाहत' चक्र में अवस्थित होता है।

इस दिन उसे अत्यंत पवित्र और अचंचल मन से कुष्माण्डा देवी के स्वरूप को ध्यान में रखकर पूजा-उपासना के कार्य में लगना चाहिए। इधर, नगर के नंदादेवी, उल्का मंदिर, देवी मंदिर खत्याड़ी, वन देवी मंदिर, बानरदेवी, स्याही देवी, कसार देवी आदि मंदिर में माता के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ रही। घंटों लाइन में लगकर भक्तों ने मां के दर्शन किए।

उधर स्याही देवी मंदिर में कथा ज्ञान जारी है। इस रोजाना मंदिर में माता के दर्शन को लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे है।

अल्मोड़ा के थाना बाजार में माता की चौकी में भजनों पर झूमते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

माता की चौकी में नव दुर्गा का गुणगान

अल्मोड़ा : अल्मोड़ा में शनिवार देर रात थाना बाजार में माता की चौकी का आयोजन किया गया। चौकी में रात भर माता के भजनों में लोग झूमते रहे। कलाकारों ने माता के भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर माहौल भक्तिमय कर दिया। थाना बाजार में सजे पंडाल में माता की चौकी की शुरुआत श्री गणेश वंदना करते हुए मां भगवती का गुणगान किया गया। माता की चौकी में भजन गायक सनी चड्ढा ने आ जा मां आ तुझे दिल ने पुकारा..., शेर पर सवार होकर आई शेरा वाली मां..., छोटा लख्खा ने चलो बुलाआ आया है, माता ने बुलाया है..., आदि भजनों का गुणगान कर चौकी में अपनी हाजिरी लगवाई। माता के भजनों पर बच्चे और महिलाएं देर रात तक झूमते नजर आए। वहीं, माता की चौकी आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमे रहे। इससे पूरा पंडाल महामाई के जयकारों से गूंज उठा।

रंगदारी मांगने के आरोप में गोपाल वनवासी गिरफ्तार

बागेश्वर: होटल व्यवसायी से रंगदारी मांगने के आरोप में आरोपी गोपाल वनवासी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पहले से भी रंगदारी के दो मामले दर्ज हैं और वह पूर्व में जेल जा चुका है। वर्तमान में वह जमानत पर बाहर था।

होटल व्यवसायी विक्रम सिंह दानू ने हाल में पुलिस को शिकायत दी थी कि गोपाल वनवासी उसके होटल की इमारत को अवैध निर्माण बताकर ध्वस्तीकरण कराने की धमकी दे रहा है। आरोप है कि वह अब तक 40 हजार रुपये वसूल चुका है और अब ढाई लाख रुपये की रंगदारी की मांग कर रहा था।

शिकायत के आधार पर कोतवाली बागेश्वर में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने विवेचना के दौरान गोपाल चंद्र वनवासी उर्फ गोपाल राम, निवासी रीठा कंधार गरुड़, बागेश्वर को धारा 308(5) बीएनएस के तहत शनिवार सायं गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी पर अन्य रंगदारी के मामले भी दर्ज हैं। उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

राज्यपाल ने किया रीता गहतोड़ी को सम्मानित

देहरादून में रीता गहतोड़ी को सम्मानित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह।

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार: देहरादून में आयोजित समारोह में उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने लोहाघाट निवासी तीलू रौतेली पुरस्कार प्राप्त रीता गहतोड़ी को सम्मानित किया।

यह सम्मान मानव तस्करी रोकथाम, नशा उन्मूलन, मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्तियों की सहायता तथा अन्य सामाजिक क्षेत्रों में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। राज्यपाल ने रीता की सराहना करते हुए कहा कि विपरीत और विषम परिस्थितियों में रीता ने हर चुनौती का डटकर सामना किया है। बिना किसी परवाह के उन्होंने साहसिक कार्य किए हैं। उन्होंने उनके दृढ़ संकल्प और समाज के प्रति समर्पण को प्रेरणादायक बताया। रीता गहतोड़ी वर्षों से सामाजिक न्याय, महिला सुरक्षा, नशामुक्ति अभियान और अन्य लोक कल्याणकारी कार्यों में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं। उन्होंने अपनी बहनों के साथ अपने पिता और माता की अर्थी को कंधा और चिता को मुखाग्नि देकर सामाजिक बंधनों को तोड़कर विशिष्ट पहचान बनाई है। बड़ी पुत्री होने के नाते वे अपने स्वर्गीय पिता और माता का श्राद्ध कर्म भी खुद करती हैं।

गुलदार ने महिला पर किया हमला, घायल

संवाददाता, लोहाघाट/चम्पावत

अमृत विचार: विकास खंड लोहाघाट के धौनी सिलिंग के डकला तोक में गुलदार ने महिला पर हमला कर घायल कर दिया। गनीमत रही कि साथी महिला ने शोर मचाकर और पत्थर फेंक कर गुलदार को भगा दिया।

घायल गीता देवी।

रविवार सुबह डकला निवासी गीता देवी (28) पत्नी दिवान राम एक अन्य महिला सीता देवी के साथ चारा पत्ती लेने के लिए जंगल की ओर जा रही थी। घर से कुछ दूर जाते ही घात लगाए गुलदार ने गीता देवी पर हमला बोल दिया। गुलदार का हमला होते ही साथ में चल रही सीता देवी ने शोरगुल कर गुलदार की ओर पत्थर फेंके, जिससे घबराकर गुलदार जंगल की ओर भाग गया। गुलदार के हमले से मुंह और कंधों पर पंजों के निशान लगने से गीता घायल हो गई। पूर्व ग्राम प्रधान युगल किशोर धौनी और अन्य लोग महिला को उपचार के लिए उपजिला अस्पताल लाए। उपचार कर रहे डा. हिमांशु शरन ने बताया कि महिला खतरे से बाहर है। उपचार के बाद उसे अस्पताल चम्पावत भेज दिया गया है। इस हमले के बाद क्षेत्र में दहशत पैदा हो गई है। लोगों ने वन विभाग से गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है। वन विभाग के रेंजर नारायण पांडेय ने बताया कि विभाग की टीम मौके पर गई है।

शिविरार्थियों को दी विविध जानकारियां

बागेश्वर: सुमित्रानंदन पंत राजकीय महाविद्यालय गरुड़ का सात दिवसीय एनएसएस शिविर जारी है। शिविर के बौद्धिक सत्र में साहित्यकार व प्राध्यापक डॉ. हेम चंद्र दुबे ने कहा कि साहित्य सामाजिक चेतना का परिचायक है।

बौद्धिक सत्र में डॉ. हेम चंद्र दुबे ने शिकहा कि साहित्य ही समाज को सही दिशा देता है। कहा कि विद्यार्थियों को लगातार अध्ययन करते रहना चाहिए। अध्ययन करने से बौद्धिक स्तर बढ़ता है। इससे पूर्व शिविरार्थियों ने गागरीगोल क्षेत्र का आर्थिक-सामाजिक सर्वे किया। विशिष्ट अतिथि पत्रकार चंद्रशेखर बड़सीला ने कहा कि जीवन में अनुशासन जरूरी है। शिविरार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डीएन तिवारी तथा संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवधेश तिवारी ने किया।

सड़क के सुदृढ़ीकरण को 12.15 करोड़ स्वीकृत

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री की घोषणा के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत लोहाघाट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत किमतोली से रौशाल मोटर मार्ग के सुदृढ़ीकरण (हॉटमिक्स कार्य) के लिए 12.15 करोड़ रूपया की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस परियोजना के अंतर्गत 1212.16 लाख की धनराशि सड़क सुधार कार्यों तथा 2.60 लाख की धनराशि गैर-सड़क सुधार कार्यों के लिए निर्धारित की गई है। लगभग 20 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण मोटर मार्ग के सुदृढ़ीकरण से क्षेत्र के ग्रामीणों को सुगम, सुरक्षित एवं तेज आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा पर्यटन विकास को भी नई गति मिलने की संभावना है।

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि कार्य प्रारंभ करने से पूर्व सभी आवश्यक तकनीकी, प्रशासनिक एवं पर्यावरणीय औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के उच्च मानकों के अनुरूप किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के दौरान दोनों ओर समुचित जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकतानुसार वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के मानकों का पूर्ण पालन किया जाए। कहा कि कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं होगी।

शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन

बागनाथ मंदिर में आयोजित भजन-कीर्तन कार्यक्रम में शामिल महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार : भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष रुचि भट्ट के निर्देश पर नगर के बागनाथ मंदिर प्रांगण में शक्ति पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कन्या पूजन और भजन-कीर्तन का भव्य आयोजन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष रेखा गोस्वामी मौजूद रहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हमेशा महिलाओं का सम्मान किया है और उनकी शक्ति को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किया है।

प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र की बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। देर सायं तक भजन-कीर्तन का आयोजन चलता रहा। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने माता रानी और अन्य देवी-देवताओं पर आधारित भजनों का गायन किया। कार्यक्रम के अंत में कन्या पूजन कर आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष रजनी बिष्ट, भावना रावत, लीला आर्या, उमा गुरूरानी, उर्वशी गढ़िया, कविता फर्स्वाण, कमला चौबे, जिला महामंत्री सुनीता टम्टा, भावना गढ़िया, आशा फुलारा, विमला कपकोटी सहित भाजपा नगर मंडल के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हल्द्वानी

बच्चों ने जाना औषधीय पौधों का महत्व

- सिंथिया के एनएसएस स्वयंसेवकों ने किया नर्सरी का भ्रमण
- पूर्व रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने दी उपयोगी जानकारी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सिंथिया इंटरनेशनल स्कूल के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर के स्वयंसेवकों का दल रविवार को गांधी आश्रम स्थित ग्रो मोर नर्सरी पहुंचा। इस दौरान छात्रों ने औषधीय पौधों और उनके व्यावसायिक महत्व की जानकारी प्राप्त की।

भ्रमण के दौरान पूर्व रेंजर मदन सिंह बिष्ट ने छात्रों को रोजगारपरक औषधीय पौधों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जड़ी-बूटी एवं औषधीय खेती स्वरोजगार का एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। एनएसएस स्वयंसेवकों को वाणिज्यिक महत्व के औषधीय पौधों के उपयोग, उनकी खेती तथा बाजारीकरण की संभावनाओं से अवगत कराया गया।

उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि औषधीय पौधों की खेती से न केवल आय के साधन बढ़ाए जा सकते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान है। इस अध्ययन भ्रमण में कुल 43 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। उनके साथ विद्यालय के शिक्षक त्रिभुवन जोशी, नीता पालीवाल, नेहा बिष्ट, कैथरीन, ईशा जंगपांगी और नितिन पालीवाल भी उपस्थित रहे।

नर्सरी के भ्रमण के लिए पहुंचे सिंथिया स्कूल के एनएसएस स्वयंसेवक।

एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना

- तेज हवाओं के साथ ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात होगा

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: शहर में रविवार को मौसम सामान्य बना रहा। अधिकांश समय धूप खिली रही। इधर एक और पश्चिम विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। जिसका आंशिक असर रहने का पूर्वानुमान है।

नगर में सुबह से ही धूप खिली रही तो ठंड जरा भी महसूस नहीं हुई, अलबत्ता शाम के समय हल्की ठंड रही। दिन में बादलों का आना जाना भी लगा रहा। मगर मौसम में असर नहीं डाल सके। शाम के समय थोड़ी देर के लिए कोहरा आया, जो जल्द ही छंट गया।

इधर मौसम विभाग देहरादून के निदेशक डॉ. सीएस तोमर के अनुसार एक और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। सोमवार से इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। चमोली, उत्तरकाशी, बागेश्वर, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना रहेगी, जबकि प्रदेश के अन्य हिस्सों में असर आंशिक रहेगा। इस दौरान तेज हवाएं चलेंगी, जबकि 3 हजार मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात की संभावना रहेगी। जीआईसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 20 व न्यूनतम 10 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

स्टेट फुटबॉल लीग के लिए एंट्री शुरू

हल्द्वानी: उत्तराखंड स्टेट फुटबॉल एसोसिएशन ने उत्तराखंड स्टेट फुटबॉल लीग के आयोजन की तैयारी शुरू कर दी गई है। एसोसिएशन के महासचिव अख्तर अली ने बताया कि प्रदेश के जनपदों के जो भी फुटबॉल क्लब और अकादमियां पंजीकृत हैं, वे अपनी आवेदन भेज सकते हैं।

इच्छुक टीमें अपना आवेदन एसोसिएशन की आधिकारिक ईमेल आईडी पर भेज सकती हैं या अधिक जानकारी के लिए इस मोबाइल नंबर 9528621288, 8954137550 पर संपर्क कर सकते हैं। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित की गई है। आगे अख्तर अली ने बताया कि इस लीग का उद्देश्य राज्य में फुटबॉल के स्तर को सुधारना और स्थानीय खिलाड़ियों को बड़ा मंच प्रदान करना है।

रिवर्स पलायन वाले लोग भी हों जनगणना में शामिल

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: अपनी गणना, अपना गांव अभियान के तहत उत्तराखंड के मुख्य संयोजक जोत सिंह बिष्ट ने अपील की है कि रिवर्स पलायन कर गांव लौटे लोग आगामी जनगणना में अपने गांव में ही शामिल हों। नैनीताल क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि 2027 की जनगणना पूरी तरह डिजिटल होगी।

उन्होंने कहा कि 2001 के परिसीमन में पर्वतीय जिलों की विधानसभा सीटें 40 से घटकर 34 रह गई थीं और लगातार पलायन से भविष्य में और कमी का खतरा है। उन्होंने बताया कि 2027 की जनगणना पूरी तरह डिजिटल और पेपरलेस होगी, जिससे आंकड़े तेजी से सार्वजनिक हो सकेंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार टिहरी जिले की जनसंख्या में करीब 5 प्रतिशत और पौड़ी में 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं पर्वतीय क्षेत्रों में जहां लगभग 4 प्रतिशत जनसंख्या घट रही है, वहीं मैदानी क्षेत्रों में 18 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है। कहा लॉकडाउन के दौरान बड़ी संख्या में लोग गांव लौटे, जिन्हें अब वहीं जनगणना करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पलायन जारी रहा तो बजट और राजनीतिक प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है। इस दौरान पूर्व सैनिक सोहन लाल खंडूरी और धना बिष्ट मौजूद रहे।

गर्मी से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग चलाएगा अभियान

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: गर्मी और पर्यटन सीजन से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग नैनीताल में विशेष अभियान चलाने की तैयारी कर रहा है। इस अभियान के तहत होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। अनियमितताएं मिलने या खाद्य सामग्री में मिलावट पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय सिंह ने बताया कि गर्मियों के पर्यटन सीजन में नैनीताल में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाएंगे, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। यदि किसी भी नमूने में मिलावट या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है, तो संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने होटल और रेस्टोरेंट संचालकों से स्वच्छता बनाए रखने तथा केवल मानक अनुरूप खाद्य सामग्री का उपयोग करने की अपील की है।

सीएम धामी ने ऑनलाइन किए मां झूमाधुरी के दर्शन

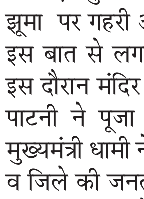

लोहाघाट: चैत्र नवरात्र के मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधानसभा जनपद चम्पावत के लोहाघाट के झूमाधूरी मंदिर के ऑनलाइन वीडियो कॉल में मां झूमा के दर्शन करने के साथ पूजा पाठ किया ।

सीएम पुष्कर सिंह धामी की मां झूमा पर गहरी आस्था का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है इस दौरान मंदिर पुजारी उमेश चंद्र पाटनी ने पूजा अर्चना की..वही मुख्यमंत्री धामी ने मां झूमा से प्रदेश व जिले की जनता के सुख समृद्धि की कामना करतें हुए नवरात्रि की बधाई भी दी। और जल्दी ही मां झूमा के दर्शन करने आने की बात मुख्यमंत्री धामी ने कही।

आयोजन

हीरानगर उत्थान मंच से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से कालू सिद्ध होते हुए पुन : उत्थान मंच में पहुंचकर हुआ संपन्न

वर्ष प्रतिपदा पर आरएसएस स्वयंसेवियों ने किया पथ संचलन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पथ संचलन निकाला। हीरानगर स्थित पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कालूसिद्ध मंदिर तक गया और पुनः उत्थान मंच पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

इस दौरान सहप्रांत प्रचारक चन्द्रशेखर ने वर्ष प्रतिपदा के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के बारे में बताया। चन्द्रशेखर ने बौद्धिक देते हुए बताया कि जब-जब भारत में राष्ट्र पुनर्जागरण की जरूरत हुई तब-तब महापुरुषों ने अपने जीवन की आहुति देकर समाज को एक नई दिशा दी। कहा कि डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार भी ऐसे ही एक महान विभूति थे। उनका जन्म राष्ट्र को पुनः जागृत करने की एक विचारधारा के रूप में हुआ था। उन्होंने भारतीय नववर्ष की परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और संगठन की शक्ति पर जोर देते हुए सभी से राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर जिला प्रांत संघचालक डॉ. बहादुर सिंह बिष्ट, जिला संघचालक डॉ. नीलांबर भट्ट, नगर संघचालक विवेक कश्यप, जिला प्रचारक जितेंद्र, नगर प्रचारक प्रभाकर, विभाग प्रचार प्रमुख उमेश साह, सह जिला प्रचार प्रमुख भुवन, मुख्य शिक्षक कमल, नगर कार्यवाह प्रकाश पांडे, सह नगर कार्यवाह तनुज गुप्ता, प्रहलाद मेहरा, जिला शारीरिक प्रमुख सूरज तिवारी, जिला सहबौद्धिक प्रमुख कमलेश त्रिपाठी, नगर, नगर बौद्धिक प्रमुख मनोज, प्रचार प्रमुख डॉ. नवीन शर्मा आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी में रविवार को पथ संचलन करते आरएसएस के स्वयंसेवक। ● अमृत विचार

अमृत विचार

सोमवार, 23 मार्च 2026

अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।
–चार्ली चैपलिन, हॉलीवुड अभिनेता

इस छूट के मायने

अमेरिका द्वारा ईरान से सीमित अवधि के लिए तेल खरीद की छूट विरोधाभासी है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके तेल राजस्व को रोकने की कोशिश की गई, उसी को अचानक "राहत" क्यों? यह निर्णय किसी उदारता से अधिक जटिल भू-राजनीतिक गणित का परिणाम है। लक्ष्य है ऊर्जा बाजार को तात्कालिक झटके से बचाना, आपूर्ति की कमी से कीमतों को काबू में रखना और समुद्र में फंसा तेल चीन की ओर न चला जाए इसकी व्यवस्था। इसीलिए विरोधाभास से आंखें मूंदकर यह फैसला लेना पड़ा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पश्चिम एशिया में तनाव, शिपिंग जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल गैस आपूर्ति को इतना संवेदनशील बना दिया कि इस मामले ऐसी रियायत देनी पड़ी। सीमित समय सीमा मात्र इसलिए ताकि यह "नियंत्रित वाल्व" की तरह काम करे। थोड़ी अतिरिक्त आपूर्ति आए, तेल बाजार में कीमतें नरम पड़ें, पर स्थायी ढील न बने, पर इससे कीमतें लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रहने वाली।

समुद्र में फंसे लगभग 170 मिलियन बैरल तेल को बाजार तक लाने से अल्पकालिक राहत ही मिलेगी स्थायी समाधान नहीं। अगर भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है, तो यह राहत कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों से ज्यादा टिकाऊ नहीं होगी। ऊपर से ईरान का यह कहना कि उसके पास "सरप्लस तेल नहीं है", संकेत देता है कि उपलब्ध अतिरिक्त आपूर्ति सीमित है या तो तेल पहले ही अनुबंधित है या ऐसे व्यवस्थागत ढांचे में है, जिसे तुरंत मोड़ा नहीं जा सकता। इससे वास्तविक आपूर्ति बनाम अपेक्षा के बीच अंतर पैदा होगा, जो कीमतों में अस्थिरता बनाए रख सकता है। रूस पर प्रतिबंध और ईरान को छूट की दोहरी नीति का आरोप अमेरिका पर भले लगे, लेकिन व्यवहार में यह परिस्थिति-आधारित रणनीति है। रूस के मामले में उद्देश्य उसके युद्ध वित्त को बाधित करना था, वहीं ईरान के मामले में लक्ष्य तत्काल आपूर्ति झटके को कम करना और ईरानी तेल तक चीन की निर्बाध पहुंच को संतुलित करना है। यानी यहां सिद्धांत नहीं, हित-आधारित लचीलापन काम कर रहा है। भुगतान और लेन-देन की शर्तें महत्वपूर्ण होंगी।

व्यवहार में कई शर्तें वॉशिंगटन की रूपरेखा के अनुसार होंगी। अमेरिकी निगरानी में लेन-देन होने से डॉलर, यूरो या विशेष एस्क्रो व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। "शैडो फ्लीट" पर लदे तेल के कारण बीमा, ट्रैकिंग और भुगतान जोखिम बढ़ते हैं, इसलिए खरीदार देशों को प्रशासनिक अनुपालन और जोखिम प्रबंधन में सावधानी रखनी होगी। भारत के लिए यह अवसर के साथ परीक्षा भी है। भारतीय रिफाइनरियां सीमित मात्रा में ईरानी ग्रेड्स, जो तकनीकी रूप से उपयुक्त और कभी-कभी प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलते हैं, उसका लाभ उठा सकती हैं, पर उन्हें अमेरिकी दिशा-निर्देशों, भुगतान चैनलों और बीमा शर्तों का पालन करना ही होगा। रूस के तेल की तुलना में ईरानी तेल हर बार सस्ता हो, यह तय नहीं, पर लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता और अनुबंध शर्तों के आधार पर यह आकर्षक विकल्प बन सकता है। भारत को चाहिए कि वह इस मौके का उपयोग आपूर्ति विविधीकरण, रणनीतिक भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा में तेज निवेश के साथ करे। क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी उत्तर बाजार की दया पर नहीं, नीतिगत दूरदृष्टि और आत्मनिर्भरता पर टिका होता है।

प्रसंगवश

शहीद दिवसः क्या राष्ट्रप्रेम अब प्रतीक भर रह गया है

भारत हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में अंकित वह क्षण है, जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर इतिहास को अमर कर दिया। आज, जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पार कर चुका है, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम उस बलिदान की अग्नि को अपने भीतर जीवित रख पाए हैं या वह केवल औपचारिक स्मरण तक सिमट गई है? आधुनिक भारत की हाईटेक और डिजिटल होती पीढ़ी के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह उन अनगिनत क्रांतिकारियों की कीमत पर मिली, जिन्होंने अपने जीवन, अपने सपने और अपने परिवार तक को राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया।

भगत सिंह महज 23 वर्ष के थे, जब उन्होंने फांसी को गले लगाया। यह वही उम्र है, जब आज का युवा अपने करियर, सुविधाओं और निजी आकांक्षाओं के बारे में सोचता है। ऐसे में यह तुलना स्वयं में एक

अरविंद रावल
लेखक

प्रश्न बन जाती है कि क्या हमारे समय का युवा उस युग के युवा के समान अर्थ रखता है? साइमन कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय पर हुए निर्मम लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भारतीय युवाओं के मन में क्रांति की ज्वाला भड़का दी। इसी ज्वाला का परिणाम था सांडर्स वध, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को यह संदेश दिया कि भारत का युवा अब अन्याय सहने को तैयार नहीं है। इसके बाद केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना, जिसे भगत सिंह ने "बहरों को सुनाने का प्रयास" बताया था। सिर्फ एक विस्फोट नहीं था, बल्कि विचारों का उद्घोष था। बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर उन्होंने गिरफ्तारी दी ताकि उनका संदेश पूरे देश में गूंज सके। जब अंग्रेजी हुकूमत ने इन युवाओं को फांसी की सजा सुनाई, तब पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हो गया। चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, परंतु अल्फ्रेड पार्क में लड़ते हुए उन्होंने भी अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंततः 23 मार्च 1931 की शाम, नियत तिथि से पहले ही, अंग्रेजों ने भयवश तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी। यह केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना और भी अधिक जागृत हो उठी। आज स्थिति बदल चुकी है। राष्ट्रप्रेम अब कई बार प्रतीकों और अवसरों तक सीमित दिखाई देता है। सोशल मीडिया के स्टेटस, औपचारिक समारोह और दो चार देशभक्ति गीतों तक। सबसे अधिक चिंताजनक यह है कि समाज में एक विभाजनकारी मानसिकता पनप रही है, जहां समृद्ध वर्ग अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक भविष्य चाहता है, जबकि सीमाओं की रक्षा का दायित्व मानो केवल सामान्य या मध्यम वर्ग पर छोड़ दिया गया है। यह सोच न केवल असंतुलित है, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए भी खतरा है।

राष्ट्रप्रेम कोई अवसर विशेष की भावना नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है। यह जाति, धर्म, वर्ग और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का दृष्टिकोण है। यदि आज की पीढ़ी इस मूल भावना से दूर होती गई, तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्र का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। इसलिए, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह देखने का कि क्या हम उस स्वतंत्रता के योग्य नागरिक बन पाए हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने का अवसर देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नाटो से बाहर हो सकता है अमेरिका

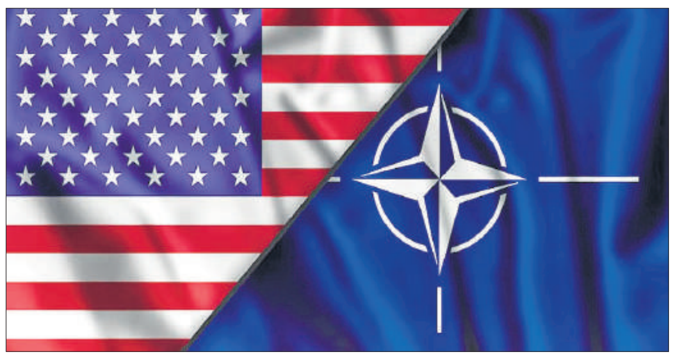

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और अब ईरान पर हमला करके उन्होंने खाड़ी देशों को युद्ध की आग में झोंक दिया। वे यहीं नहीं रुके हैं। उनका अगला निशाना क्यूबा और ग्रीन लैंड होगा। यह बात पूरी दुनिया को पता है। यही वजह है कि नाटो के सदस्य देश अब न सिर्फ ट्रंप की मनमानी को रोकना चाहते हैं, बल्कि खुद की सैन्य शक्ति को बढ़ाकर रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ईरान की बढ़ती आक्रमकता के बाद ट्रंप ने नाटो सदस्य देशों से अपने युद्धपोत होर्मुज में भेजने के लिए कहा था, पर सबने मनाकर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आए और उन्होंने अपने बेस से ईरान पर हमले की इजाजत ट्रंप को देदी।

परिणाम यह हुआ कि ईरान ने डिएगो गासिर्या पर हमला कर यह बता दिया कि जो भी देश अमेरिका के साथ खड़ा होगा उसके वहां उसकी मिसाइलें गिरेंगी और तबाही मचाएंगी। डिएगो गार्सिया पर चार हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल से ईरान के प्रहार ने न सिर्फ नाटो देशों में सकते में ला दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अमेरिका और इजरायल ने अब बड़ी गलती कर दी है, क्योंकि ईरान का मकसद अब युद्ध को न सिर्फ लंबा खींचना है, बल्कि एक के बाद एक अमेरिकी सहयोगी देश पर हमला करके इस युद्ध को व्यापक बनाना है। यही वजह है कि अब नाटो बिखरता हुआ दिख रहा है और ट्रंप नाटो से बाहर आने के संकेत दे रहे हैं।

हमले से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। यदि वह परमाणु बम का परीक्षण कर लेगा तो फिर इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। उन्होंने इसका डर अमेरिकी जनता के साथ ही यूरोपीय और खाड़ी देशों को भी दिखाया। जबकि पिछले साल जब अमेरिका और इजराइल ने हमला किया था, तो यह दावा किया था कि उसकी एयर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जबकि अमेरिकी सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को दी गई अपनी लिखित गवाही में अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने यह स्वीकार किया है कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई थी। परिणाम स्वरूप ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को दोबारा शुरू करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की। इस रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति ट्रंप आलोचनाओं में घिर गए हैं, पर वे युद्ध की इस कार्रवाई को सही ठहराने में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिक और वहां के थिंक टैंक का आरोप है कि इजरायल के प्रधानमंत्री के कहने पर ट्रंप ने अमेरिका को बिना वजह युद्ध में शामिल किया। इस बात की कसक फ्रांस समेत कई नाटो देशों को भी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का गठन जब हुआ था तब तय किया गया था कि नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो सदस्य देश उसकी मदद को आगे आएंगे। तुर्किए नाटो का सदस्य है।

अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान ने तुर्किए पर मिसाइल व ड्रोन से प्रहार किया, लेकिन एक भी नाटो सदस्य देश उसके बचाव में आगे नहीं आया। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा तेल और गैस लदे जहाजों पर हमले के बाद भी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ग्रीस जैसे देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने से मनाकर दिया। इन देशों को पता है कि यदि वे वहां अपने युद्धपोत भेजते हैं, तो ईरान जो हाल सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई का कर रहा है, वही उनका भी करेगा। ईरान उनके यहां भी एयरपोर्ट, सैनिक ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर तबाही मचाएगा। इस तबाही की भरपाई मुश्किल होगी। डिएगो गासिर्या पर प्रहार से पहले ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिटेन को धमकी दी थी कि यदि वह अमेरिका की मदद करेगा, तो फिर इसका अंजाम बुरा होगा, लेकिन ब्रिटेन ने इस धमकी को नजरअंदाज किया। परिणाम स्वरूप डिएगो गार्सिया पर हमला करके ईरान ने बता दिया कि उसकी मिसाइलों की जद में फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम नाटो देश हैं, जहां वह कभी भी हमला कर सकता है। हालांकि फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी जैसे देश पहले ही डोनाल्ड ट्रंप से साफ कह चुके हैं कि वे इस युद्ध में अमेरिका की कोई मदद नहीं करेंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस इनकार की कई वजहें हैं। ट्रंप अब मनमानी पर उतर आए हैं। वे फ्रांस, जापान समेत तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों को बात-बात पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। नाटो से निकलने की धमकियां देते हैं और बिना वजह युद्ध करना चाहते हैं। ऐसे में कोई भी देश उनका साथ देने को तैयार नहीं है। रही बात इजराइल की तो वह इस्लामिक राष्ट्रों से घिरा हुआ है और उसे अपना अस्तित्व बचाना है इसलिए वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध हो उसमें शामिल होगा।

नाटो देशों द्वारा मदद से इनकार से ट्रंप बौखलाए हुए हैं और नाटो का अस्तित्व समाप्त होने की धमकी दे रहे हैं, पर ब्रिटेन के अलावा कोई भी अन्य देश उनकी गीदड़ भभकी में नहीं आया। ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है और वह अंतिम दम तक लड़ेगा। युद्ध लंबा खिंचेगा तो इसके बारूद की आग कई और देशों को अपनी चपेट में लेंगी, जो किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होगा। सदस्य देशों से नाराज डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नाटो से बाहर आने की फाइल पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ऐसी आशंका है।

> ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है।

आमने

आरजी कॉलेज की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी बंगाल में नहीं जीतेगी। हर जगह बीजेपी वोट की चोरी कर के जीत हासिल करती है। इतिहास में पहली बार चुनावों के दौरान बंगाल से 50 से ज्यादा अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।
–शत्रुघ्न सिन्हा,
सांसद, टीएमसी

सामने

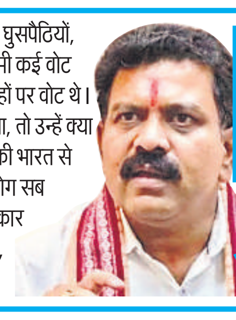

एसआईआर में जो वोट काटे गए, वे घुसपैठियों, दिवंगत लोगों के थे। वहां, एक आदमी कई वोट डालता था, एक आदमी के कई जगहों पर वोट थे। अगर ऐसे आदमी का वोट काटा गया, तो उन्हें क्या एतराज है? क्या आप बंगाल को बाकी भारत से अलग करना चाहते हैं? बंगाल के लोग सब देख रहे हैं और वहां बीजेपी की सरकार जरूर बनेगी। **– विजय कुमार शर्मा,**
डिप्टी सीएम, छत्तीसगढ़

दिखावटी चुनाव में एक तानाशाह की बल्ले-बल्ले

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15 वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने न कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंग का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हां में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है।

ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी, लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है। वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं।

इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया, जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं, जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज-पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया, तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे। मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या न कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी, तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कइयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्राध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56 वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है।

सोशल फोरम

सकारात्मक संकेत

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ईरान और पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ईरान इजरायल के कारण बढ़ते तनाव और क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थितियों ने भारत की प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति श्रृंखला को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। खाड़ी क्षेत्र के बढ़ते तनाव और हालिया

आर एन शाही
गोरखपुर

क्षेत्रीय अस्थिरता से पहले, भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात के माध्यम से पूरी करता रहा है। भारत के प्रमुख गैस आपूर्ति भागीदारों में कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता (कुल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत रहा। यह पूरी आपूर्ति फिलहाल ठप है और बहाल होने में लंबा समय लगने की आशंका है, क्योंकि ईरानी हमले से इसके प्लांट संयंत्रों को भारी क्षति पहुंची है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी गैस आयात में भारी वृद्धि की है। ऑस्ट्रेलिया दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से एक स्थिर स्रोत बनकर उभरा है, जो लंबे समय तक राहत देगा। अन्य देशों में अंगोला, नाइजीरिया और ओमान जैसे देश हैं, जिनकी आपूर्ति जारी रहने वाली है। हालांकि भारत पाइपलाइन (आईपीआई पाइपलाइन) के माध्यम से ईरान से सीधे गैस नहीं ले पा रहा था, लेकिन ईरान 'फारस की खाड़ी' और 'होर्मुज जलडमरूमध्य का द्वार है, जहां से भारत की 60 प्रतिशत से अधिक गैस आपूर्ति गुजरती है। यह पूरी की पूरी आपूर्ति फिलवक्त अवरोध और अनियमितता का शिकार है। हालिया संघर्षों के कारण सीधे तौर पर गैस के कुओं से उत्पादन कम होने की अपेक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में बड़ी बाधाओं के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। अनुमान है कि लाल सागर और फारस की खाड़ी में तनाव के कारण भारत की कुल गैस आपूर्ति का लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्सा अनिश्चितता के घेरे में आया है। मुख्य रूप से उन देशों से आने वाली सप्लाई प्रभावित हुई है, जो लाल सागर मार्ग का उपयोग करते हैं, जैसे कुछ यूरोपीय स्रोत और अल्जीरिया। युद्ध के खतरे के कारण जहाजों के समुद्री बीमा में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जिससे लैंडिंग लागत बढ़ गई है। भारत ने अपनी रणनीति को "विविधीकरण" पर केंद्रित किया है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया से हटकर अफ्रीका और अमेरिका की ओर रुख कर रहा है, जो भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह किसी भी सरकार के लिए चाहे भारत हो या चीन, जादू की छड़ी घुमाने जैसी कोई चमत्कारिक कार्यवाही नहीं है।

– फेसबुक वॉल से

सामयिकी

मार्च में सर्दी-गर्मी जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

प्रकृति का अपना एक निश्चित अनुशासन और संतुलन होता है। सदियों से पृथ्वी पर ऋतुओं का क्रम तय रहा है। वसंत की मधुरता, ग्रीष्म की तपिश, वर्षा की हरियाली, शरद की शांति, हेमंत की ठंडक और शीत ऋतु की सिहरन। भारत जैसे देश में यह ऋतुचक्र केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और कृषि व्यवस्था का आधार रहा है। किंतु हाल के वर्षों में यह संतुलन तेजी से बिगड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने इस असंतुलन को स्पष्ट कर दिया। हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। विशेष रूप से सरसों और गेहूं जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, क्योंकि यह समय उनके पकने का होता है। ऐसे में मौसम की थोड़ी-सी भी अनियमितता उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है।

राजेश जैन
लेखक

किसान अपनी खेती का समय ऋतुओं के अनुसार तय करता है और त्योहार व परंपराएं भी मौसम से गहराई से जुड़ी होती हैं, लेकिन जब मौसम ही अनिश्चित हो जाए, तो पूरी जीवन व्यवस्था प्रभावित होती है। यह असामान्य मौसम केवल संयोग नहीं, बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या जलवायु परिवर्तन का संकेत है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। रबी फसलों- जैसे गेहूं, चना और सरसों के लिए मार्च का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान तापमान अचानक बढ़ जाए, तो दानों का विकास प्रभावित होता है और उत्पादन घट जाता है। वहीं, अचानक बारिश, ठंड या ओलावृष्टि तैयार फसल को नष्ट कर सकती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। अचानक बदलते मौसम के कारण शरीर को अनुकूलन का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित होते हैं। कई बार अचानक बढ़ती गर्मी हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं भी इसी असंतुलन का संकेत हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, जंगलों में आग और भूस्खलन जैसी घटनाएं अब अधिक बार देखने को मिल रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के प्रवाह और जलस्तर में बदलाव आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में जल संकट और भी गहरा सकता है। इस असंतुलन के पीछे मानव गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या और विकास की दौड़ में हमने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण ने पर्यावरणीय संतुलन को कमजोर कर दिया है। पेड़-पौधों की कमी के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान नियंत्रित रखने वाली प्राकृतिक प्रणाली प्रभावित हो रही है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ असंतुलन का परिणाम मानव को ही भुगतना पड़ता है। यदि समय रहते हमने अपनी जीवनशैली और विकास की दिशा में सुधार नहीं किया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा।)

हाथ की उंगलियों में पहनी जाने वाली खूबसूरत अंगूठियां

अंगूठी एक ऐसा आभूषण है, जो सदियों से सुंदरता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने हाथों की उंगलियों में अंगूठी पहनना पसंद करते हैं। यह केवल सजावट का साधन नहीं है, बल्कि कई बार यह प्यार, रिश्ते और भावनाओं का प्रतीक भी होती है। खासकर सगाई और शादी में अंगूठी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। आजकल बाजार में अंगूठियों की बहुत सारी सुंदर डिजाइन मिलती हैं। सोने, चांदी, हीरे और अलग-अलग रंगों के पत्थरों से बनी अंगूठियां हाथों की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती हैं। कुछ लोग साधारण और हल्की अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग भारी और डिजाइनर अंगूठियां पहनना पसंद करते हैं। हर व्यक्ति अपनी पसंद और स्टाइल के अनुसार अंगूठी चुनता है।

नूर हिना खान
लेखिका

अंगूठियों की डिजाइन

अंगूठियों की डिजाइन समय के साथ बदलती रहती है। पहले साधारण गोल डिजाइन अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन आजकल फ्लावर डिजाइन, हार्ट शेप, क्राउन डिजाइन और मिनिमल स्टाइल की अंगूठियां बहुत ट्रेंड में हैं। खासकर युवतियां पतली और स्टाइलिश अंगूठियां पहनना पसंद करती हैं, जो उनके हाथों को और भी आकर्षक बनाती हैं। आज के समय में अंगूठियां केवल आभूषण नहीं रह गई हैं, बल्कि यह फैशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी भी पार्टी, शादी या खास अवसर पर एक सुंदर अंगूठी पूरे लुक को और भी खास बना देती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अंगूठी छोटी जरूर होती है, लेकिन इसकी सुंदरता और महत्व बहुत बड़ा होता है।

साधारण अंगूठी

यह हल्की और सादी डिजाइन की होती है। इसे रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। ऑफिस, घर या सामान्य काम करते समय ऐसी अंगूठियां सबसे अच्छी रहती हैं।

डिजाइनर अंगूठी

डिजाइनर अंगूठियों में अलग-अलग स्टाइल, नक्काशी और नए फैशन की डिजाइन होती हैं। इन्हें पार्टी, शादी, त्योहार या किसी खास मौके पर पहनना ज्यादा अच्छा लगता है।

फैशन अंगूठी

फैशन अंगूठियां ट्रेंड के अनुसार बनाई जाती हैं। आजकल पतली, मिनिमल और स्टैकिंग (एक साथ कई अंगूठियां पहनना) स्टाइल बहुत लोकप्रिय है। युवतियां इन्हें कैजुअल और पार्टी दोनों में पहनती हैं।

स्टोन या रत्न वाली अंगूठी

इन अंगूठियों में अलग-अलग रत्न लगे होते हैं, जैसे पन्ना, माणिक, मोती या नीलम। कई लोग इन्हें ज्योतिष के अनुसार पहनते हैं, क्योंकि माना जाता है कि सही रत्न जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सगाई या शादी की अंगूठी

यह सबसे खास अंगूठी मानी जाती है। सगाई और शादी में जो अंगूठी पहनाई जाती है वह रिश्ते और प्यार का प्रतीक होती है। अक्सर इसमें हीरा या सुंदर पत्थर लगा होता है।

कैसे चुनें अच्छी अंगूठी

अच्छी अंगूठी चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले अंगूठी का साइज सही होना चाहिए ताकि पहनने में आराम रहे। दूसरा, उसकी डिजाइन आपके हाथों और स्टाइल पर सूट करनी चाहिए। तीसरा, उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि वह जल्दी खराब न हो। कुल मिलाकर अंगूठी एक छोटा सा आभूषण है, लेकिन यह व्यक्ति की खूबसूरती और व्यक्तित्व को और भी निखार देती है। सही अंगूठी सही समय पर पहनी जाए, तो हाथों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

67 साल बाद एक गीत की वापसी

Choo, choo train, a-chugging down the track
Gotta travel on, never coming back
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues
Bye, bye love, my baby's leaving me
Now lonely teardrops are all that I can see
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues

यह गीत हाल के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 67 साल बाद अचानक फिर से वायरल हो गया है, जो यह दर्शाता है कि संगीत की कोई समय सीमा नहीं होती। 1959 में नील सेडका द्वारा लोकप्रिय बनाया गया यह गीत अपने भावनात्मक बोल और मधुर धुन के कारण पहले भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना चुका था, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया ने इसे एक नई पहचान दी है। आजकल सोशल मीडिया पर सैकड़ों की संख्या में इसके एआई वर्जन और लोगों द्वारा बनाई गई रील्स वायरल हैं।

इस गीत के वायरल होने का सबसे बड़ा कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम और टिक टॉक हैं, जहां लोग पुराने गानों को नए ट्रेंड्स के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। खासतौर पर रील्स और शॉर्ट वीडियो में इस गाने के इस्तेमाल ने इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाया, जो शायद पहले इस गीत से परिचित नहीं थी।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

गीत की धुन में एक तरह की उदासी और सादगी है, जो आज के तेज-तर्रार और शोर-भरे संगीत के बीच एक अलग ही सुकून देती है। यही कारण है कि लोग इसे बार-बार सुनना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, इस गाने के बोल, जो एकतरफा प्रेम और बिछड़ने की पीड़ा को व्यक्त करते हैं, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। यह भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी लोकप्रियता का मूल कारण है। वायरल होने का एक और पहलू यह है कि लोग अब रेट्रो चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पुराने गाने, फैशन और स्टाइल एक बार फिर ट्रेंड में आ रहे हैं और One Way Ticket to the Blues इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। यह नॉस्टैल्जिया और नवीनता का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। अंततः इस गीत का दोबारा लोकप्रिय होना यह साबित करता है कि अच्छी कला कभी पुरानी नहीं होती। समय बदलता है, माध्यम बदलते हैं, लेकिन भावनाएं और सच्चा संगीत हमेशा जीवित रहते हैं। यह वायरल ट्रेंड न केवल एक पुराने गीत को नया जीवन देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नई पीढ़ी भी क्लासिक संगीत को उतनी ही सराहना देती है।

पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए पंजाबी आवाज वाले गायक जसपाल

जिंदगी का सफर

होली के हिंदी फिल्मी गीतों के संग्रह में शायद ही किसी के पसंदीदा गानों में 'जोगी जी धीरे-धीरे...' न हो! इसे या 'नदिया के पार' के अन्य गीतों को सुनते हुए अक्सर ख्याल आता था कि भारत के पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए यह सरल, जादुई आवाज किसकी है, जो यूपी-बिहार के गांवों की भाषा और भावों को इतनी सहज और सुंदर अभिव्यक्ति देती है।

फिर जब यह पता चला कि यह मधुर आवाज एक पंजाबी गायक जसपाल सिंह जी की है तो और ताज्जुब होना ही था। एक पंजाबी पृष्ठभूमि की आवाज और भारत के पूर्वी क्षेत्र की भाषाई मिठास इतनी खूबसूरती से संजोये हुए। फिर लगा शायद हिंदी क्षेत्र से कोई संबंध रहा हो। मगर ऐसा भी कोई उल्लेख कहीं मिला नहीं।

उनका जन्म 23 मार्च 1943 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उन्हें स्कूल और कॉलेज के दिनों में ही गायन का शौक हो गया था। वे पढ़ाई के दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। जसपाल जी मोहम्मद रफी साहब के बहुत बड़े प्रशंसक थे और बचपन से ही उनके गाने-सुनते और मौका मिलते ही गाते थे। गायन के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए वे मुंबई चले गए, जहां उनकी बहन रहती थीं।

अभिषेक मिश्र
लेखक

उनकी प्रतिभा को सर्वप्रथम 1968 में प्रसिद्ध महिला गायिका और संगीतकार ऊषा खन्ना जी ने पहचाना और पहला ब्रेक दिया। इनके संगीत निर्देशन में इन्होंने 'बंदिश' और 'अनजान है कोई' फिल्मों में गाने गए। मगर न इन फिल्मों को ज्यादा सफलता मिली न इन्हें कोई विशेष पहचान। मगर इनका सही वक्त अभी आना शेष था। राजश्री की फिल्म 'गीत गाता चल' में संगीतकार रविन्द्र जैन जी के निर्देशन में उनकी आवाज पूरे देश में छा गई। इसके बाद उन्होंने 'नदिया के पार', 'अंखियों के झरोखों से', 'सावन को आने दो' जैसी कई हिट बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया। चूंकि उस समय के सभी ख्यात गायक अलग-अलग लोकप्रिय नायकों के साथ जुड़े हुए थे। इस कारण नायक सचिन को ब्रेक देने वाली आवाज के रूप में पार्श्व गायन करने के लिए नए गायक जसपाल सिंह को चुना गया था। मगर यह सफलता उनके राह की बाधा भी बन गई। नायक के रूप में सचिन का कैरियर बहुत सफल और लंबा नहीं रहा, जबकि जसपाल जी सचिन की आवाज के रूप में सीमित पहचान में बंधते चले गए। आने वाला दौर हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायन के स्तर में गिरावट का भी रहा, जो जसपाल जी जैसे प्रतिभावान गायकों के लिए अनुकूल नहीं रहा और वो इस नए दौर में गुमनामी में खोते गए।

उनके कंठ से निकले कुछ यादगार गीतों में-धरती मेरी माता, पिता आसमान, गीत गाता चल ओ साथी गुनगुनाता चल, मंगल भवन अमंगल हारी (फिल्म- गीत गाता चल), कौन दिशा में लेके चला रे, साची कंहे तोरे आवन से हमरे (फिल्म- नदिया के पार), जब-जब तू मेरे सामने आए (फिल्म- श्याम तेरे कितने नाम), सावन को आने दो (फिल्म- सावन को आने दो) आदि शामिल हैं। सफलता-असफलता से परे उनके दिल से गाए गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं और आगे भी उनकी उपस्थिति का अहसास बन फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

फिल्म समीक्षा

नए भारत की कूटनीति को बयां करती फिल्म

धुरंधरः द रिवेंज, एक ऐसी फिल्म, जिसे आप दम साधे पूरी देखना चाहेंगे। कोई डिस्टरबेंस आप को पसंद नहीं आएगा, आप की नजरें रुपहले पर्दे पर ही टिकी होगी, जिज्ञासा चरम पर होगी इसके बाद क्या? आप बस यही सोचेंगे, इसके सिवाय कुछ नहीं... यदि आप ने धुरंधर का पहला भाग देखा है, तो आप अनुभूत करेंगे कि ये उस से कहीं बेहतर है, फिल्म की एडीटिंग गजब की है, स्क्रिप्ट भी बेहतरीन और एक्टिंग तो ऐसी की, भाई सभी कलाकारों को सैल्यूट करने को जी करता है। ये भारतीय सिनेमा की सफल और बेहतरीन फिल्मों की सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएगी।

डॉ.संजय अनंत
समीक्षक

सन 2014 के बाद का भारत, अब केवल बदला नहीं लेता, घर में घुसकर मारता भी है। मोदी जी, टीवी पर नोटबंदी की घोषणा करते हैं और बर्बाद पाकिस्तान होता है, ये फिल्मी शोशा नहीं, हकीकत थी। कराची में आईएसआई के इशारे पर बड़े पैमाने पर फेक करेंसी यानी नकली नोट बड़े पैमाने पर छपते और ये नेपाल या कश्मीर के रास्ते से भारत लाया जाता। ठीक है फिल्म की कहानी में कुछ नाटकीयता है, किंतु इसके बाद भी ये फिल्म, कराची के इस सदी के प्रथम दशक की कहानी बयां करती है। रॉ के लोग पहले भी पाकिस्तान में सक्रिय थे, वे सूचना भेजते, किंतु उस पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती थी, पर अब अजीत डोभाल देश की सुरक्षा संभाल रहे है, जो स्वयं कभी पाकिस्तान में भारत के जासूस रहे है, अब जो इनपुट हमारे एजेंट्स वहां से भेजते हैं, उस पर तुरंत कार्यवाही होती है। यूपी के माफिया अतीक अहमद, पाकिस्तान की संस्थाएं, दाऊद सबका गठबंधन सच्चाई है और यही इस फिल्म का आधार है। बीते वर्ष में अनेक मोस्ट वांटेड आतंकी या उनके अन्नदाता जो पाकिस्तान में थे, अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा कत्ल कर दिए गए।

यही है नया भारत। जमील साहब यानी राकेश बेदी साहब की एक्टिंग तो कमाल की है, आर माधवन, सान्याल साहब के रूप में, संजय दत्त एसपी चौधरी के रूप में, फिल्म का हीरो रणवीर सिंह, सब ने अपने रोल के साथ न्याय किया है, अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) क्रूरता घृणा चेहरे से झलकी, गजब की एक्टिंग, दो कमियां भी बताते चलूं, अत्याधिक वीभत्स हिंसक सीन और कुछ अश्लील संवाद, इसलिए सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, निर्देशक इसके बिना भी यदि फिल्म बनाते तो वो उतनी ही प्रभावशाली होती, इसकी जरूरत नहीं थी। यह फिल्म निश्चित ही सुपरहिट होगी और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में अपना स्थान बनाएगी। निर्देशक और पटकथा लेखन, दोनों आदित्य धर ने किया, वे निश्चित ही बधाई के पात्र हैं और पुरस्कार के भी।

जंजीर जिसने बदल दी अमिताभ बच्चन की तकदीर

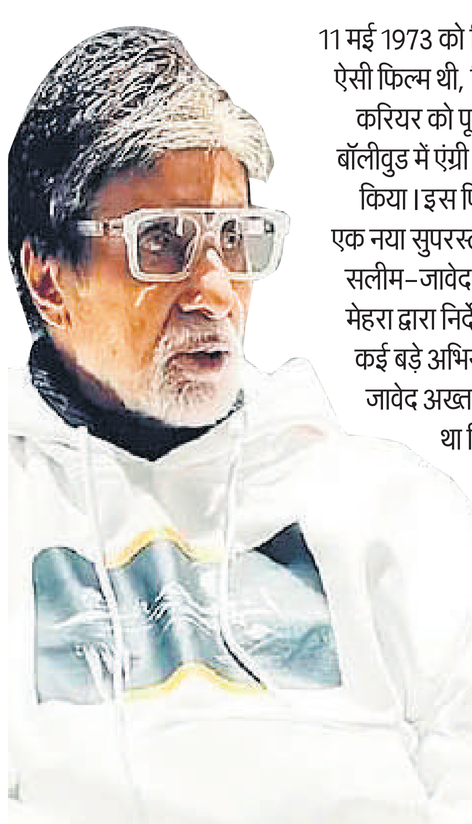

11 मई 1973 को रिलीज हुई 'जंजीर' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को पूरी तरह से बदलकर, उन्हें बॉलीवुड में एंग्री यंग मैन के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म ने फिल्म इंडस्ट्री को एक नया सुपरस्टार दिया। गौरतलब है कि सलीम-जावेद द्वारा लिखित और प्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को पहले कई बड़े अभिनेताओं ने ठुकरा दिया था। जावेद अख्तर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जंजीर धर्मेंद्र को लेकर लिखी गई थी, लेकिन धर्मेंद्र ने किन्हीं कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था।

अमिताभ बच्चन ने 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उनकी 11 फिल्में रिलीज हुई, जिनमें भुवन सोम, परवाना, रेशमा और शेरा, प्यार का घर आदि शामिल हैं, पर कोई भी बड़ी हिट साबित नहीं हुई। 1971 में आई फिल्म आनंद जरूर सफल रही पर सारा क्रेडिट राजेश खन्ना ले गए।

जंजीर में इंस्पेक्टर विजय खन्ना के किरदार ने अमिताभ बच्चन को एक गुस्सैल, कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया, जिसे तब के युवा दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन की तकदीर बदल गई और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गया गाना 'यारी है ईमान मेरी' आज भी बहुत पसंद किया जाता है।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

अमिताभ बच्चन को जंजीर इतनी आसानी से नहीं मिली। वे इस फिल्म के लिए पहली पसंद तो कतई नहीं थे। इससे पहले उनकी कई फिल्में फ्लॉप हो चुकी थीं। धर्मेंद्र के बाद राजकुमार और देवानंद ने भी निजी कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था। एक दिन प्रकाश मेहरा 'मुंबई टू गोवा' फिल्म देख रहे थे। अमिताभ की एक्टिंग देख उन्होंने तय किया कि उनकी फिल्म के हीरो वही होंगे। कहते हैं कि प्राण ने भी प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया था।

जंजीर की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर की मशहूर जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म की कहानी, डायलॉग और सीन लोगों को इतने पसंद आए की फिल्म सुपरहिट साबित हुई और अमिताभ भी रातों-रात स्टार बन गए। इसके बाद इस जोड़ी ने अमिताभ के साथ कई हिट फिल्में दीं, जिनमें शोले, दीवार, काला पत्थर, शान, त्रिशूल, डॉन आदि शामिल हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन इंस्पेक्टर विजय खन्ना के रोल में थे, जबकि जया बच्चन उनकी प्रेमिका माला तथा प्राण ने शेर खान का रोल निभाया था। इनके अतिरिक्त इस फिल्म में अजीत, ओमप्रकाश, इफ्तिखार, केस्टो मुखर्जी, बिंदु आदि कलाकार भी शामिल थे। फिल्म में संगीत कल्याण जी आनंद जी का था।

यह फिल्म लगभग 90 लाख की बजट में बनी थी और इस फिल्म ने 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जंजीर के लिए उस साल अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार बॉबी के लिए ऋषि कपूर को मिला था।

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा

मुंबई। पिछले सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आंकलन करेंगे। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृहद आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है।

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2565, राज श्री 2020, फ़ॉर्चून कि. 2600, रविन्द्रा 2575, फॉर्चुन 13 किग्रा 2300, जय जवान 2155, सचिन 2300, सूरज 2155, अवसर 2080, उजाला 2190, गृहणी 13 किग्रा 2145, क्लासिक (किग्रा) 2455, मोर 2360, चक्र टिन 2535, ब्लू 2395, आशीर्वाद मस्टर्ड 2430, स्वास्तिक 2520

किराना : निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किशमिश पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा, 5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200, लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7350–9200, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10000–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी : पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के जेवर 147500, गिन्नी 143500, **चांदी प्रति किलो :** पक्की 222900 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3200, मसूरी 1000, बासमती 7000–7600 परमल–1000–3200

दाल दलहन : काला चना 1800–3200 साबुत चना दाल 1000, मूंग साबुत 5400, राजमा 7200–11800, दाल उड़द 5600, साबुत मसूर दाल 2800, मसूर दाल 1200, उड़द साबुत 10300, काबुली चना 5600–10200 अरहर दाल 10400–12200, लोबिया/करमानी 1600–3000

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर, निर्माण और उर्वरक क्षेत्र पर बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो भारत पर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकता है। सेमीकंडक्टर और निर्माण क्षेत्रों पर असर पड़ने के साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत भी बढ़ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है और इसका असर खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैफ्था, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट

- उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत के बढ़ने की भी आशंका

प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है राजकोषीय घाटा

प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है।

दो महीने संघर्ष जारी रहा तो देश में आ सकती है मंदी

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को पैकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव झेलना पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्त्र, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों पर लागत बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने का असर पड़ेगा, हालांकि कुछ क्षेत्रों को अल्पकालिक इन्वेंट्री लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि संघर्ष दो महीने से अधिक समय तक जारी रहता है, तो इससे गंभीर आपूर्ति संकट, लागत में वृद्धि और वैश्विक तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक मंदी का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12% बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोदरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है।

इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण कई उद्योगों पर पड़ रहा प्लास्टिक महंगा होने का असर

एसी की मांग में आ सकती है कमी

देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। उन्हें आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी।

उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें बढ़ने पर ग्राहक महंगे मॉडल के बजाय सस्ते या कम क्षमता वाले उत्पाद खरीद सकते हैं।

एथनॉल उद्योग ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए की 20% से ज्यादा आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का कहना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई 20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से

- पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होने का किया दावा

सरकार को सुझाव

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण का लक्ष्य 30 प्रतिशत तक बढ़ाएं

भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मोदी सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए।

एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव को दें बढ़ावा

इसके अलावा एआईडीए ने केंद्र सरकार से ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स-ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च को कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की ङी मांग की है। एआईडीए ने कहा है, इससे संकट और कम होगा।

ऑल न्यू रेनॉल्ट डस्टर 2026 का अनावरण, खूबियां गिनाई

बरेली। शहर के प्रमुख ऑटोमोबाइल डीलर अंबे मोटर्स में रविवार को रेनॉल्ट की बहुप्रतीक्षित और प्रतिष्ठित एसयूवी, 'ऑल-न्यू रेनॉल्ट डस्टर 2026' को एक समारोह आयोजित कर लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में राजनीति, समाज सेवा और ऑटोमोटिव उद्योग से जुड़ी कई हस्तियों ने शिरकत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर डॉ. उमेश गौतम, क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पारुल डी. मलिक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। संस्थान के निदेशक आनंद प्रकाश, सचिन भसीन, मनीष सहगल, अनमोल अग्रवाल, नवनीत प्रकाश और अरविंद अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में हस्तियों में भाजपा जिलाध्यक्ष अधीर सक्सेना, पूर्व विधायक विजय पाल सिंह. प्रशांत पटेल, राजा चावला, प्रखर चंद्रा, आदित्य मूर्ति, मन्त्र अरोड़ा और आकाश अरोड़ा भी मौजूद रहे।

- रेनॉल्ट के प्रमुख डीलर अंबे मोटर्स की ओर से आयोजित हुआ कार्यक्रम

लॉन्चिंग के दौरान बताया गया कि नई रेनॉल्ट का शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन ड्राइविंग के अनुभव को और बेहतर बनाता है। अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित 10.1-इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट और डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले है। इसके साथ 6 एयरबैग और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम जैसे हाईटेक सुरक्षा फीचर्स हैं। इसका पैनोरमिक सनरूफ और विशाल बूट स्पेस इसे लंबी यात्राओं के लिए आदर्श बनाता है। अंबे मोटर्स के सेल्स हेड विकास वर्मा ने बताया कि नई डस्टर के लिए बुकिंग शुरू हो चुकी है।

स्कोडा ऑटो का बिक्री में 12% वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उत्पादों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने कहा, 'कंपनी ने मध्यम आकार के मॉडल एसयूवी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है।

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था।

नेगी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

भारतीय कंपनियां एआई अपनाने में आगे, पर विशेषज्ञता में काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियां कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के मामले में अपने वैश्विक समकक्षों से आगे निकल रही हैं। हालांकि, एआई को तेजी से अपनाने के बावजूद इसमें एक महत्वपूर्ण क्षमता अंतराल भी दिखाई देता है, क्योंकि भारत में वैश्विक औसत की तुलना में एआई विशेषज्ञता का स्तर काफी कम है।

डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ज्यादातर संगठन अगले साल अपने एआई बजट में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।वर्ष 2026 की ''स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियां परीक्षण के दौर से आगे बढ़ते हुए प्रमुख कार्यों में बड़े पैमाने पर एआई को अपना रही हैं। डेलॉयट ने कहा, बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग उत्पाद विकास (62 प्रतिशत), रणनीति और संचालन (56 प्रतिशत), विपणन और बिक्री (55 प्रतिशत) और आपूर्ति श्रृंखला (48 प्रतिशत) में सबसे मजबूत है। इससे

- डेलॉयट ने अपनी रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज' में साफ की स्थिति

संकेत मिलता है कि एआई तेजी से उन कार्यों में शामिल हो रहा है जो विकास, दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ावा देते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाताओं ने महत्वपूर्ण या पूर्ण एआई उपयोग की जानकारी दी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 28 प्रतिशत है। रिपोर्ट में 200 से अधिक व्यापारिक और प्रौद्योगिकी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। दूसरी ओर डेलॉयट ने पाया कि केवल 0-4 प्रतिशत भारतीय कंपनियों के पास उच्च स्तर की एआई विशेषज्ञता है, जो 2-8 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी पीछे है।

छोटे शहरों में ईवी विंडसर की बिक्री बढ़ाएगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल विंडसर की बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान गैर महानगरों का है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है इसी का लाभ उठाकर और जागरूकता बढ़ाकर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अपनी बिक्री बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

एमजी विंडसर को अक्टूबर, 2024 में पेश किया गया था। तब से अब तक इस मॉडल की कुल बिक्री लगभग 65,000 इकाई रही है। इस मॉडल की कुल बिक्री में से चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई का हिस्सा 30 प्रतिशत रहा है। शेष भारत ने इसमें 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस रुख पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री शुरू में महानगरों में ही थी, जिसका मुख्य कारण कम जागरूकता और ऐसे उत्पाद की कमी थी जो सच में आम लोगों को पसंद आते । उन्होंने दावा किया, एमजी विंडसर के आने से यह माहौल बदल गया और यह मॉडल गैर-महानगर शहरों में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह सही समय पर पेश किया गया सही उत्पाद था। इन बाजारों में ग्राहकों को एक टिकाऊ ड्राइविंग का अनुभव दिया गया है, जिससे उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 5 का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।

असल स्थिति अभी परिदृश्य में नहीं

कच्चे तेल का अदृश्य संकट

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई जैसे वैश्विक बेंचमार्क तेल बाजार की वास्तविक कमी और संकट को पूरी तरह नहीं दर्शा रहे हैं। यानी यह संकट उससे भी ज्यादा गहरा है जो वर्तमान में दिख रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कच्चे तेल का वास्तविक संकट वैश्विक स्तर पर परिलक्षित होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन यह जब सामने आएगा तो वर्तमान संकट से भी ज्यादा गहरा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की जो कीमतें फिलहाल स्क्रीन पर दिख रही हैं, वे जमीनी हकीकत से काफी अलग हैं। केवल ब्रेंट या डब्ल्यूटीआई चार्ट देखकर समझना कि तेल बाजार शांत है, भूल हो सकती है। असली महंगाई और किल्लत उन स्थानीय बाजारों और रिफाइंड प्रोडक्ट्स में दिख रही है, जो वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं।

इन्वेंट्री डेटा

बेंचमार्क कीमतें अक्सर साप्ताहिक इन्वेंट्री रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करती हैं। यह डेटा पिछला होता है। वास्तविक समय में समुद्र में टैंकरों की आवाजाही, लोडिंग में देरी या किसी टर्मिनल पर तकनीकी खराबी जैसी भौतिक कमियों को ये बेंचमार्क कुछ दिनों की देरी से पकड़ते हैं।

बेंचमार्क बनाम फिजिकल मार्केट

- ब्लूमबर्ग और जेपी मॉर्गन का तर्क है कि ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई वायदा बाजार की कीमतों में क्षेत्रीय इन्वेंट्री और पॉलिसी हस्तक्षेप के कारण स्थिरता दिख रही है। लेकिन फिजिकल मार्केट जहां वास्तविक तेल खरीदा-बेचा जाता है, वहां स्थिति गंभीर है।
- मध्य पूर्व के बेंचमार्क जैसे दुबई और ओमान के नकद दाम 155 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। यह अंतर बताता है कि खाड़ी देशों से आने वाले तेल की भारी कमी है, जो वैश्विक बेंचमार्क में अभी पूरी तरह प्राइस इन नहीं हुई है।

रिफाइंड उत्पादों में भारी महंगाई

- कच्चा तेल तो फिर भी 110 डॉलर के करीब है, लेकिन वास्तविक अर्थव्यवस्था जिस चीज का उपयोग करती है, जैसे डीजल, गैसोलीन और बंकर फ्यूल, उनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं।
- सिंगापुर में बंकर फ्यूल की कीमतें 140 से 175 डॉलर तक पहुंच गई हैं। इसे ऑयल क्राइसिस- 2.0 कहा जा रहा है, जहां कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पाद के बीच का पारंपरिक संबंध टूट गया है।

अदृश्य संकट के कारण

- मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके नतीजे आने बाकी हैं।
- शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम बढ़ गया है, जिससे तेल की वास्तविक कीमत बहुत अधिक हो गई है।

क्षेत्रीय सीमाओं का असर

- डब्ल्यूटीआई अमेरिका के ओक्लाहोमा में पाइपलाइन और स्टोरेज की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर वहां स्टोरेज फुल है, तो कीमतें गिर सकती हैं, जबकि शेष दुनिया में तेल की भारी किल्लत हो सकती है।
- ब्रेंट उत्तरी सागर के तेल क्षेत्रों से जुड़ा है, जिनका उत्पादन धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह पूरी दुनिया (खासकर एशिया और मध्य पूर्व) के 'हैवी' और 'सोर' क्रूड की कमी को सटीक रूप से नहीं दर्शाता।

जयशंकर भारत-रूस व्यापार पर केंद्रित सम्मेलन को संबोधित करेंगे

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के उनके समकक्ष सर्गेई लावरोव सोमवार को डिजिटल तरीके से एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के विशेषज्ञ खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ईरान का बंदर अंजली बंदरगाह मुंबई और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करने वाले गलियारे पर स्थित प्रमुख बंदरगाह है। यह स्वेज नहर को दरकिनार करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। इस बंदरगाह को 18 मार्च को अमेरिका-इजराइल द्वारा किए गए मिसाइल हमले में नुकसान पहुंचा था।

- दोनों पक्ष खाड़ी क्षेत्र में तनाव से उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों पर करेंगे विचार

भारत-रूस दोनों ने इस गलियारे पर उम्मीदें टिका रखी हैं कि इससे द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जैसा कि मोदी और पुतिन ने दिसंबर में नई दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। 'रूस और भारतः द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नए एजेंडे की ओर' सम्मेलन दोनों देशों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने को रोडमैप तैयार करेगा।

आर्थिक उथल-पुथल

भारतीय शेयरों में फिलहाल विश्वास नहीं, इक्विटी में भी घटाया निवेश

विदेशी निवेशकों ने इस महीने निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था।

एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 2,911.27 करोड़ रुपये कम हुआ। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे।

एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है।

आज एफपीआई निपटान नियमों में ढील पर विचार करेगा सेबी बोर्ड

नई दिल्ली। सेबी बोर्ड सोमवार को एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है। इसमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कोष निपटान नियमों को आसान बनाने और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामकीय ढांचे में बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं। एजेंडा का एक प्रमुख हिस्सा एफपीआई को उसी दिन के नकद बाजार व्यापार के लिए 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव है। मौजूदा ढांचे के तहत, एक एफपीआई को इक्विटी नकद बाजार सौदों का निपटान सकल आधार पर करना होता है। यानी प्रत्येक खरीद लेनदेन के लिए अलग से फंड देना होता है, भले ही उसी दिन कोई बिक्री लेनदेन भी हुआ हो। सेबी ने ''फंड नेटिंग'' की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एफपीआई उसी दिन की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग खरीद देनदारियों को चुकाने के लिए कर सकेंगे। इससे उन्हें केवल शुद्ध देय राशि ही चुकानी होगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंका में फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कोलंबो। श्रीलंका ने अमेरिका-इज़रायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के प्रभावों का सामना करने के लिए दो हफ़्तों में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमत 317 श्रीलंकाई रुपये से बढ़कर 398 रुपये प्रति लीटर हो गयी है, जबकि डीज़ल की कीमत 79 रुपये बढ़कर 382 रुपये के चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गयी है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस ताज़ा बढ़ोतरी से ईंधन की खपत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

पांडिचेरी विवि में पद्मश्री पलानिवेल का सम्मान

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम के मशहूर विशेषज्ञ पद्मश्री पलानिवेल को तमिलनाडु की देसी मार्शल विरासत को बचाने और बढ़ावा देने में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्हें इस कला के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण और योगदान और युवा पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर सांस्कृतिक संयोजक प्रो. श्रीकला ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का जश्न मनाने में इस कार्यक्रम की अहमियत पर ज़ोर दिया।

ईरान ने जापानी के एक नागरिक को किया रिहा

तोक्यो। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने 'फूजी टेलीविजन' के एक 'टॉक शो' में कहा कि यह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है। जो व्यक्ति ईरान में अब हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता का एक पत्रकार है।

ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची

काहिरा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, रमजान समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी है।

कतर में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, छह लोगों की मौत

- एक व्यक्ति लापता, बचाव अभियान अभी जारी

दोहा, एजेंसी

कतर के क्षेत्रीय समुद्री जलक्षेत्र में तकनीकी खराबी के कारण हुए हेलीकॉप्टर हादसे में तुर्की के तीन नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सात में से छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके एक सैनिक और हथियार बनाने वाली कंपनी आसेलसन के दो तकनीशियनों सहित सात लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना के कारण का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। कतर के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पहले बताया था कि नियमित ड्यूटी के दौरान कतर के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से वह समुद्र में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने कुछ घंटों बाद जानकारी दी कि जारी तलाशी अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सात में से छह लोगों को खोज लिया गया है, जिनकी मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। शेष एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना के बाद व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

जंग में अमेरिका को लगा तगड़ा झटका

आधुनिक युद्धक विमानों के इतिहास में 19 और 20 मार्च, 2026 की तारीखें एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में दर्ज की गई हैं। जिसे दुनिया आसमान का भूत कहती थी और जिसे अजेय मानकर अमेरिकी वायुसेना अपनी श्रेष्ठता का दंभ भरती थी, उस एफ-35 के सुरक्षा कवच में ईरान ने सेंध लगा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि एक एफ-35 विमान को ईरानी हमले के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लेकिन ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने दावा है कि उन्होंने विमान को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है और इसके क्रैश होने की संभावना बहुत अधिक है। यह घटना केवल एक विमान के क्षतिग्रस्त होने की खबर नहीं है, बल्कि उस अरबों डॉलर की स्टेल्थ टेक्नोलॉजी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब तक कोई भी रडार पकड़ने में नाकाम रहा था।

एफ-35 का मारा जाना

एफ-35 की अजेयता का रहस्य

- अदृश्य स्टेल्थ : इसके डिजाइन में सपाट सतहों और समकोणों को खत्म कर दिया गया है ताकि रडार की तरंगें टकराकर वापस न जाएं। इस पर एक विशेष रडार-अवशोषक सामग्री (रैम) की कोटिंग होती है जो इसे रडार स्क्रीन पर एक चिड़िया जितना छोटा दिखाती है।
- सेंसर फ्यूजन : एफ-35 को फ्लाइंग कंप्यूटर कहा जाता है। यह अपने रडार, इन्फ्रारेड और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से मिलने वाले डेटा को एक साथ जोड़कर पायलट को 360-डिग्री की जानकारी देता है।
- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर : इसमें एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है जो दुश्मन के रडार को जाम कर सकती है, जिससे इसे निशाना बनाना लगभग असंभव माना जाता था।

ईरान की तकनीक : कैसे किया शिकार

- स्वदेशी तकनीक : ईरान ने दावा किया है कि उसने एफ-35 को गिराने के लिए अपनी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने पैसिव इन्फ्रारेड सेंसर तकनीक का उपयोग किया है।
- हीट ट्रैकिंग : रडार की जगह ईरान के एडी-08 माजिद एयर डिफेंस सिस्टम ने विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को ट्रैक किया।
- बिना सिग्नल का हमला : रडार आधारित सिस्टम तरंगें भेजते हैं जिससे विमान को पता चल जाता है कि उसे ट्रैक किया जा रहा है। लेकिन पैसिव इन्फ्रारेड सिस्टम कोई तरंग नहीं छोड़ता, इसलिए एफ-35 के पायलट को पता ही नहीं चला कि वह निशाने पर है।
- पहले का अनुभव : इस तरह की तकनीक का उपयोग यमन में हूतियों द्वारा भी किया जा चुका है, जहां उन्होंने अमेरिकी ड्रोनों को निशाना बनाया था।

किन देशों के पास है ऐसा विमान

- एफ-22 रैप्टर (अमेरिका) : यह दुनिया का सबसे बेहतरीन एयर-सुपीरियरिटी फाइटर माना जाता है, लेकिन इसे अमेरिका किसी भी दूसरे देश को नहीं बेचता।
- जे-20 माइटी ड्रैगन (चीन) : चीन का पांचवीं पीढ़ी का विमान जो एफ-35 का मुख्य प्रतिस्पर्धी है।
- एसयू-57 फेलान (रूस) : रूस का स्टेल्थ फाइटर जो अपनी गति और चपलता के लिए जाना जाता है।
- जे-35 (चीन) : यह चीन का नया स्टेल्थ विमान है।

साख को क्षति

- एफ-35 का शिकार होना अमेरिका के लिए एक वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक छवि का संकट है। दुनिया यह मानने लगी है कि अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक को सस्ते और स्वदेशी हीट-सीकिंग मिसाइलों से भी भेदा जा सकता है।

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा

यूएन महिला आयोग : अमेरिका की जिद पर उत्पन्न हुआ तीखा गतिरोध, हुई वोटिंग

- यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर रही तल्खी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) का हालिया सत्र महिलाओं के अधिकारों और न्याय तक पहुंच जैसे गंभीर विषयों पर गहरे कूटनीतिक विभाजन का गवाह बना। दशकों से चली आ रही आम सहमति की परंपरा तब टूट गई, जब जेंडर की परिभाषा और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच तीखा गतिरोध पैदा हो गया।

अमेरिका के पेश किए गए संशोधनों और उस पर बेल्जियम के लाए गए नो एक्शन मोशन ने माहौल को तल्खियों से भर दिया। इसके परिणामस्वरूप मुख्य निष्कर्षों को सर्वसम्मति के बजाय मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इस ऐतिहासिक खींचतान के बीच, भारत सहित छह देशों ने मतदान से दूरी बनाए रखी, जो वैश्विक मंच पर सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों और बहुपक्षवाद के भविष्य पर उठते बड़े सवालों की ओर इशारा करता है। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) के हाल ही में आयोजित 70वां सत्र मुख्य रूप से जेंडर की परिभाषा, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और संप्रभुता जैसे विषयों पर सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। सत्र की शुरुआत में ही एक अभूतपूर्व घटना घटी। इस वर्ष का मुख्य विषय सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना और उसे मजबूत करना था। आमतौर पर आयोग के निष्कर्ष सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन पेश किए गए संशोधनों को इस बार अमेरिका के खारिज करने के बाद, निष्कर्षों को मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इसमें 37 देशों ने पक्ष में मतदान किया, जबकि अमेरिका ने विरोध में और भारत समेत छह देशों ने मतदान नहीं किया। सत्र के अंतिम दिन पाकिस्तान, नाइजीरिया और सेनेगल जैसे देशों ने मतदान के जरिये निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चिंता जताई। इन देशों का मानना था कि मतदान से निष्कर्ष निकालना बहुपक्षवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रस्ताव का वह समर्थन करता है, लेकिन यह सभी देशों की साझा सहमति को नहीं दर्शाता। वहीं, वेटिकन ने 'जेंडर' और 'प्रजनन अधिकार' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर अपनी पुरानी आपत्तियों को दोहराया।

अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के किया खारिज

सत्र के दौरान सबसे बड़ा विवाद अमेरिका के पेश किए गए प्रस्ताव को लेकर हुआ। इसमें जेंडर शब्द की सीमित और रूढ़िवादी व्याख्या करने की कोशिश की गयी थी। बेल्जियम ने यूरोपीय संघ की ओर से इस पर नो एक्शन मोशन पेश किया। इसका अर्थ था कि इस प्रस्ताव पर कोई चर्चा ही न की जाए। बेल्जियम का तर्क था कि यह प्रस्ताव 30 साल पहले बीजिंग घोषणापत्र में तय की गई परिभाषाओं को बदलने और वैश्विक प्रगति को पीछे ले जाने की कोशिश है। अंतत: 23 मतों के साथ इस मोशन को मंजूरी मिली और अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के खारिज कर दिया गया।

भारत का रुख सुस्पष्ट रहा

सत्र के दौरान न्याय तक पहुंच से जुड़े मुख्य निष्कर्षों पर भारत का पारंपरिक और सुस्पष्ट रुख यह रहा है कि महिलाओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील वैश्विक विषयों पर निर्णय मतदान के बजाय आम सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए, क्योंकि मतदान सदस्य देशों के बीच विभाजन पैदा करता है। भारत ने महिलाओं के उत्थान के मूल उद्देश्यों का तो समर्थन किया, लेकिन जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जैसी शब्दावलियों पर थोपी जाने वाली परिभाषाओं और मतभेदों के कारण खुद को मतदान से दूर रखा।

ईओडब्ल्यू का अधिकारी बनकर 9.5 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 9.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए। इस संबंध में प्रार्थी ने अपने परिचित धर्मेन्द्र को जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में रोप-वे ट्राली टूटी, एक महिला की मौत

- महासमुंद जिले में खल्लारी मंदिर में हुए हादसे में छह अन्य

महासमुंद, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। बागबाहरा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नमिता मारकोले ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ, जब पहाड़ी से सात यात्रियों को नीचे लाते समय ट्रॉली का केबल टूट गया।

इससे पहले ट्रॉली में आठ लोगों के सवार होने की सूचना दी गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए। अधिकारियों के अनुसार ट्रॉली करीब 200 से 300 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरी। घटना नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान बागबाहरा तहसील के खल्लारी (भीमखोज) गांव स्थित खल्लारी माता मंदिर में हुई। लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। एसडीएम ने बताया कि रायपुर निवासी आयुषी सतकार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ऋषभ धवरे और रिश्तेदार छायांश धवरे समेत छह लोग घायल हो गए। अन्य घायलों की पहचान गोविंद स्वामी , नमिता स्वामी और कुष्मिता स्वामी तथा मानशवी गोदारिया के रूप में हुई है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूडान के अस्पताल पर हमले में 64 लोगों की मौत

जिनेवा/खार्तूम। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्वी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-दईन स्थित अल-दईन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे, दो महिला नर्स, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसुस ने कहा कि इस घटना के साथ ही सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों में मरने वालों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। संगठन के अनुसार, करीब तीन साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक 213 हमलों में 2036 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा हमले में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें आठ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हमले में अस्पताल के शिशु, मातृत्व और आपातकालीन विभागों को भारी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।

पांच राज्यों में होंगे विस चुनाव महासंग्राम

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत गठबंधन से अलग हुई टीवीके

- सत्ताधारी दल के बड़े भाई वाले रवैये का किया विरोध

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में तमिलगा वाझवुरिमई काची' (टीवीके) ने रविवार को सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। टीवीके ने सत्ताधारी दल के 'बड़े भाई' वाले रवैये का विरोध किया और स्टालिन सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया।

वहीं, मार्क्सवादी पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में लड़ने के लिए दी गयी पांच सीटों की पेशकश पर कोई फैसला नहीं लिया है। मार्क्सवादियों और दलित संगठन 'विदुथलाई चिरुथाइगल काची' (वीसीके) की ओर ज़्यादा सीटों की मांग के चलते द्रमुक के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में 'वन्नियार' समुदाय का चेहरा माने जाने वाले टीवीके के संस्थापक-अध्यक्ष टी. वेलमुरुगन ने यहां कहा कि हमारे प्रति द्रमुक का रवैया 'बड़े भाई' जैसा था। हम अपनी पार्टी के साथ इस तरह के बर्ताव को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम गठबंधन इसलिए नहीं छोड़ रहे हैं कि पिछली बार के मुकाबले ज़्यादा सीटों की हमारी मांग ठुकरा दी गई, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार नहीं किया गया। तमिल राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाली टीवीके का जनाधार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वन्नियार समुदाय के बीच है, खासकर कुड्डालोर, नेवेली और चिदंबरम के साथ-साथ विलुप्पुरम ज़िलों में। यह पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ चुनावी समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। कुड्डालोर ज़िले के पनरुति से मौजूदा विधायक टी. वेलमुरुगन ने हम 2019 के लोकसभा चुनावों से ही द्रमुक के साथ हैं। सीटों के बंटवारे पर पहली बातचीत के दौरान द्रमुक ने हमें सिर्फ़ एक सीट देने की पेशकश की थी, लेकिन हमने और सीटों की मांग की। हमने अपनी मांगों का एक चार्टर भी सौंपा था, जिसमें तमिल लोगों को रोज़गार में प्राथमिकता देने के लिए कानून बनाना, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना करवाना और अन्य मांगों के साथ-साथ वन्नियार समुदाय के लिए 10.5 प्रतिशत का विशेष आरक्षण तय करना शामिल था। सरकार ने हमारी इन मांगों को नज़रअंदाज़ कर दिया है। उन्होंने इन्हीं बातों को कई पार्टियों वाले और मज़बूत द्रमुक नीत एसपीए को छोड़ने की वजह बतायी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया,वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया,पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है। इस प्रक्रिया के तहत, कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भांगर थाने का दौरा किया और संभाग के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने उन्हें आयोग के दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी।

नंद ने बताया,सभी अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। मतदाताओं को बिना किसी डर के अपना वोट डालने में सक्षम होना चाहिए। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विश्वास बढ़ाने और सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया, "हमने संवेदनशील क्षेत्रों, बस्तियों व व्यक्तियों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने जैसे कई कदम उठाए हैं। प्रेसिडेंसी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कंकर प्रसाद बरुई ने नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर थानों का दौरा किया तथा विशेष रूप से कोलकाता के निकट ग्रामीण बूथों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बरुई ने बताया, चुनाव की घोषणा के बाद हमने तैयारियों की समीक्षा की है। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा हुई। हर पहलू की जांच की गई है।

केरल में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्राथमिकी

त्रिशूर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में गुरुवायूर से पार्टी उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन के खिलाफ एक प्रचार वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवायूर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने से जुड़ी है जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में वर्गों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले वीडियो को हटाने के लिए पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को निर्देश दे दिए गए हैं। यह घटनाक्रम चुनाव गोपालकृष्णन द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बीच आया है। राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)और विपक्षी कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

असम में कांग्रेस की 7 और प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसन्न असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसाईगांव सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजनि से रजत कांति साहा और भेरगांव सीट से आंचुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माज़बत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद जैन को कटिगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं। राज्य में कांग्रेस नीत गठबंधन में छह दल है और उसने 15 सीट सहयोगियों के लिए छोड़ी है। असम विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

वोट की आस में उम्मीदवार बेल रहे रोटियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं। हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की। वोट मांगते हुए रोटियां बेलने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आप अधिकारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं। अनावश्यक खर्च से बचें।

वृष — आज भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन — आज कारोबारी मामलों में अड़चन आने की संभावना है। छोटी-मोटी बातों पर अधिक आक्रामक न हों। लोग आपको धोखा दे सकते हैं।

कर्क — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। खानपान अत्यंत संतुलित रखें।

सिंह — आज परिवार में काम की थोड़ी अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करना पड़ेगा। बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है।

तुला — आज का दिन अपनों के बीच शांति से बिताएंगे। अनैतिक कार्यकलापों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। कोई निर्णय भी सोच-समझकर ही लें।

वृश्चिक — आज दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है। आपकी योजनाएं सफल होंगी। घर में कुछ आगंतुकों का आगमन हो सकता है।

धनु — आज घर का वातावरण अनुशासित रहेगा। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें।

मकर — आज उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। आलस्य में अपना समय व्यर्थ न करें। अपनी योग्यताओं पर संदेह न करें।

कुंभ — आज उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे। आपको सफलता मिल सकती है। धन लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

मीन — आज आप काम के प्रति एकाग्र रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगी। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

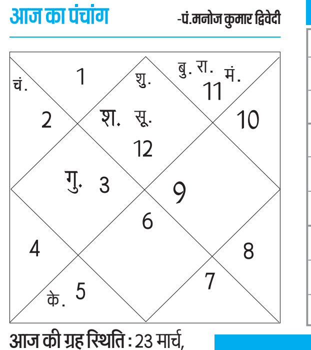

आज की ग्रह स्थिति : 23 मार्च, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 18 .38 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 20 .49 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 96 का हल

9	1	4	6	2	8	5	7	3
3	2	6	9	7	5	4	8	1
8	7	5	1	3	4	9	2	6
6	9	7	8	4	1	2	3	5
4	8	2	5	6	3	7	1	9
1	5	3	2	9	7	6	4	8
7	6	8	3	5	2	1	9	4
5	4	1	7	8	9	3	6	2
2	3	9	4	1	6	8	5	7

सुडोकू -97

		9				6		
5					9		1	
7		8		4				2
		3	6		8		4	
		7				8		
	2		5		3			
4				1				8
	3		2				5	
		6				9		

नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

-इरफान पठान

स्टेडियम

हल्द्वानी, सोमवार ,23 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

शनाका को साइन करने के लिए तैयार राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

गोल्फर अदिति शीर्ष पांच से बाहर

मेनलो पार्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक फोर्टिनेट फाउंडर्स कप के तीसरे दिन एक ओवर 73 स्कोर करके संयुक्त तीसरे से संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गई। यो जू किम अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पांच स्ट्रोक्स आगे शीर्ष पर है। नेली कोरडा दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर रूइक्सिन लियू और गैबी लोपेज हैं।

अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में

मुंबई। भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पीएसए स्पर्धा में ख़िताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफ़ाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 (11-6, 9-11, 11-8, 11-2) से हराया। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 (11-9, 9-11, 11-3, 11-8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

डुप्लांटिस ने जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया।

आईपीएल में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान के रूप में यह सत्र साबित हो सकता निर्णायक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं।

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और सहयोगी स्टाफ पंत के बल्लेबाजी क्रम पर एकमत हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एमएस धोनी, पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन, अनिरुद्ध श्रीकांत और अन्य लोग। एजेंसी

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके का हुआ मेगा फैन शो

चेन्नई। क्रिकेट। पुरानी यादें। म्यूजिक। प्योर सुपर किंग्स स्पिरिट, व्हिसल पोडू। पहले कभी न देखे गए सेलिब्रेशन में, पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का रोअर '26 - अपनी तरह का पहला मेगा फैन इवेंट रविवार शाम को यहां मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुआ। युगों के एक ऐतिहासिक मेल में, ओजी सुपर किंग्स, जिसकी लीडरशिप सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, मैथ्यू हेडन, मुरली विजय और एस बद्रीनाथ जैसे खिलाड़ी कर रहे थे, अपने मशहूर मैदान पर फिर से इकट्ठा हुए और मौजूदा सीएसके टीम का सामना हाई-एनर्जी, पहले कभी न देखे गए मैचों की एक सीरीज में किया। इस शाम को मशहूर ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाले म्यूज़िक डायरेक्टर एआर रहमान ने एक स्पेशल लाइव परफॉर्मेंस भी दी, जिससे चेपॉक म्यूज़िक और रोशनी से जगमगाता हुआ अखाड़ा बन गया, और इसे सेलिब्रेशन और फैंस के जबरदस्त एक्सपीरियंस से भर दिया, जिससे ज़िंदगी भर यादें बनीं। सीएसके के एमडी कासी विश्वनाथन ने कहा कि यह मेगा सेलिब्रेशन सिर्फ़ एक इवेंट नहीं है। यह सीएसके के सफर और फैंस के अटूट प्यार को एक ट्रिब्यूट है। पुराने जमाने के यादगार पलों से लेकर भविष्य के वादे तक, यह एक ऐसी रात थी जहाँ क्रिकेट और एंटरटेनमेंट का सबसे शानदार तरीके से मिलन हुआ, जिसमें यादगार पल, दोस्ताना मुकाबले और रात को रोशन करने वाली ढेर सारी येलो लाइटें देखने को मिलीं।

प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की केकेआर ने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है।

पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्यकार्यकारी बिंदा डे ने कहा प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बराबर की शृंखला

वेलिंगटन, एजेंसी

कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की शृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया। उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई।

केशव महाराज का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते प्रेनेलन सुब्रायन। एजेंसी

न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम ने कहा मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था।

हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन है जिसका हमें नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई। इससे पहले एस्टरहुइज़ेन ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था।दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा। टोनी डी ज़ोर्ज़ी (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से गड़बड़ाए समीकरण

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं।

कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे।

जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

पोलैंड के टोरुन में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले हीट में पुर्तगाल की फातौमाता बिंटा डियालो सबसे आगे जीत के करीब पहुंचीं। ● एजेंसी

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल

लाहौर, एजेंसी

● **पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताई टूर्नामेंट की तैयारी**

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पीएसएल अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया। नकवी ने कहा क्षेत्र के हालात को देखते हुए मितव्ययिता की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है। विदेशी खिलाड़ी आज रात से यहां पहुंच रहे हैं।

नकवी ने यह भी कहा कि पीसीबी का कानूनी विभाग उन क्रिकेटरों के मामले देख रहा है जिन्होंने आईपीएल खेलने के लिये पीएसएल अनुबंध रद्द किए।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल जनवरी से मार्च तक पांच टेस्ट खेलेगा भारत

मेलबर्न, एजेसी

● **कंगारू टीम ने जारी किया 2026-27 के लिए कार्यक्रम**

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की शृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा।

अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की शृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट सीरीज में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के लिए कड़ी चुनौती बताया है।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम

अगस्त : बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच

अक्टूबर : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच

दिसंबर-जनवरी : न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच

जनवरी-मार्च : भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच

11-15 मार्च : इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच

जून : विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

जून-अगस्त : इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच।

लिवरपूल और चेल्सी पर बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

मियामी ओपन

दामिर जुमहुर को एकतरफा मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया

सिनर ने जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी, एजेंसी

जैनिक सिनर ने शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी, जो 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में टाइटल जीतने के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 12 मैच जीतने के सिलसिले पर, सिनर ने उस लेवल पर लगातार सबसे ज्यादा सेट जीतने के नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड (24) की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन

मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर अपने बड़े विरोधी से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

जब सिनर से मास्टर्स 1000 में लगातार सीधे सेटों में जीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज़्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे एटीट्यूड के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।" इस जोड़ी की पहली लेक्सस हेड2हेड मीटिंग में वर्ल्ड नंबर 76 जुमहुर को हराने के लिए टॉप-क्लास सर्विंग परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ, सिनर ने अपनी 71 मिनट की जीत के दौरान नेट पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। 25 बार के टूर-लेवल चैंपियन ने आगे बढ़ते हुए 17 में से 14 पॉइंट जीते।

'मेरे लिए ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी'

सिनर ने कहा, मेरे लिए, ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिसे हमने बहुत बेहतर बनाने की कोशिश की है। यह थोड़ा-बहुत दिन-ब-दिन पर भी निर्भर करता है। आज, सीधे ब्रेक से शुरुआत करते हुए, मैंने थोड़ा अग्रेसिव होने की कोशिश की। कभी-कभी यह बहुत अच्छा काम करता था, कभी-कभी मैंने कुछ अनफोर्स्ड गलतियां कीं, लेकिन मेरे पास यहां एडजस्ट करने के लिए ज्यादा समय नहीं था। यह इंडियन वेल्स से बहुत अलग है। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, इसलिए मैं खुश हूँ।